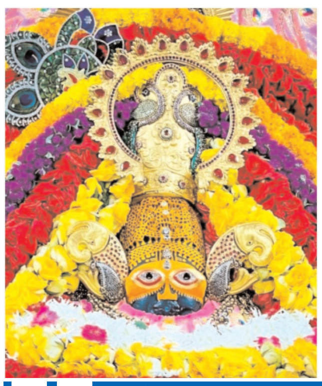

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:307। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 28 जून 2026 (रविवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

मोदी ने सेशेल्स में कछुओं को पत्तियां खिलाईं

256 साल पहले 5 भारतीय रहने पहुंचे थे; अब हर 8वां नागरिक भारतवंशी

एजेंसी

विक्टोरिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को तीन दिवसीय दौरे पर सेशेल्स पहुंचे। राजधानी विक्टोरिया में राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी ने उनका स्वागत किया। दोनों नेताओं ने नेशनल बोटैनिकल गार्डन में एल्डाब्रा जाइंट कछुओं को पत्तियां खिलाईं। मोदी 29 जून को सेशेल्स के 50वें राष्ट्रीय दिवस समारोह में मुख्य अतिथि भी होंगे।

हिंद महासागर में बसे इस छोटे से द्वीपीय देश का भारत से रिश्ता सिर्फ रणनीतिक नहीं, बल्कि 256 साल पुराना भी है। साल 1770 में जब यहां पहली स्थायी बस्ती बसाई गई, तब वहां पहुंचने वाले 27 लोगों में 5 भारतीय भी शामिल थे। बाद में बिहार, तमिलनाडु और गुजरात से भी बड़ी संख्या में भारतीय यहां आकर

बस गए। आज सेशेल्स की करीब 1.20 लाख आबादी में लगभग हर आठवां नागरिक भारतीय मूल का है। देश के राष्ट्रपति वेवेल रामकलावन के पूर्वज भी बिहार के गोपालगंज जिले से थे। ऐसे में मोदी का यह दौरा दोनों देशों के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और रणनीतिक रिश्तों को नई मजबूती देने वाला माना जा रहा है।

मोदी बोले- भारत और सेशेल्स के राजनयिक संबंधों के 50 साल पूरे

पीएम मोदी ने सेशेल्स दौरे पर कहा- सेशेल्स भारत का महत्वपूर्ण समुद्री पड़ोसी और 'विजन महासागर (MAHASAGAR)' का प्रमुख साझेदार है। इस साल भारत और सेशेल्स के बीच राजनयिक संबंधों के 50 वर्ष पूरे हो रहे हैं। दोनों देशों के संबंध आपसी विश्वास, लोकतांत्रिक मूल्यों, विविधता के सम्मान और लोगों के गहरे जुड़ाव पर आधारित हैं।

फरवरी 2026 में राष्ट्रपति हर्मिनी की भारत यात्रा के बाद अब इस दौरे में द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा होगी। दोनों देश हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षा, समृद्धि और विकास को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम करेंगे। मैं सेशेल्स की नेशनल असेंबली को संबोधित करने वाला पहला भारतीय प्रधानमंत्री बनूंगा। यह अवसर दोनों देशों के मजबूत लोकतांत्रिक मूल्यों और संसदीय परंपराओं को दर्शाता है। सेशेल्स में बसे भारतीय समुदाय से मिलने का भी अवसर मिलेगा, जिसने पीढ़ियों से दोनों देशों की मित्रता को मजबूत किया है।

मोदी सेशेल्स जाने वाले सिर्फ दूसरे प्रधानमंत्री

पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी साल 1976 में सेशेल्स गई थीं। उसी साल सेशेल्स आजाद हुआ था। भारत ने सेशेल्स के स्वतंत्रता समारोह में नौसेना का युद्धपोत आईएनएस नीलगिरि भी भेजा था। इसके बाद इंदिरा गांधी ने 1981 में फिर सेशेल्स का दौरा किया था। उनकी यात्रा के बाद, लगभग 34 साल तक किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री ने सेशेल्स की यात्रा नहीं की थी। इस दौरे का सबसे बड़ा उद्देश्य हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की रणनीतिक मौजूदगी और समुद्री सुरक्षा सहयोग को मजबूत करना था।

आरोपी सिया गोयल का मोबाइल जब्त

FSL रिपोर्ट से खुलेंगे कई राज : पुलिस

एजेंसी

पुणे । पुणे के 26 साल के रियल एस्टेट कारोबारी केतन अग्रवाल की हत्या के मामले में आरोपी सिया गोयल के परिजनों से लगातार दूसरे दिन पूछताछ हुई। शनिवार को सिया के माता-पिता और उसका भाई साहिल लोनावला पुलिस थाने में हाजिर हुए, जहां पुलिस ने उनसे केतन हत्याकांड में पूछताछ की।

पुणे ग्रामीण के डीएसपी गजानन टोम्पे ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, 'आज सिया के माता-पिता को पूछताछ और उनके बयान दर्ज कराने के लिए बुलाया गया है। अभी उनके बयान लिए जा रहे हैं। जांच के तहत उनके भाई से भी पूछताछ की गई। जो भी जानकारी सामने आएगी, उसे रिकॉर्ड में लिया जाएगा। आज हम उनके माता-पिता और कुछ दोस्तों के साथ भी पूछताछ कर रहे हैं।' उन्होंने कहा कि संबंधित लोग पूरा सहयोग कर रहे हैं और सही जानकारी दे रहे हैं, केस से जुड़े सभी लोगों से पूछताछ की जाएगी। हम तय कानूनी प्रक्रियाओं के अनुसार बयान दर्ज करने का काम करेंगे। आरोपी से सबूत के तौर पर मोबाइल फोन जैसी चीजें जब्त की गई हैं और उन्हें एफएसएल भेजा जा चुका है। जांच अधिकारी जांच के लिए जो भी सही समझेंगे, हम उसी आधार पर आगे बढ़ेंगे।

इससे पहले शुक्रवार को सिया के भाई साहिल से पुलिस ने लगभग 10 घंटे पूछताछ की थी। लोनावला ग्रामीण पुलिस के एक अधिकारी ने पुष्टि की कि साहिल को पूछताछ के लिए बुलाया गया था और कई घंटे तक पूछताछ के बाद उसे छोड़ दिया गया।

भाजपा अध्यक्ष 28 जून से तेलंगाना के तीन दिवसीय दौरे पर रहेंगे

संगठनात्मक ढांचे में भरेंगे ऊर्जा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन तेलंगाना के तीन दिवसीय संगठनात्मक दौरे पर रहेंगे। यह दौरा 28 जून से 30 जून 2026 तक तेलंगाना का एक महत्वपूर्ण तीन दिवसीय संगठनात्मक दौरा होगा। इस व्यापक दौरे के दौरान नितिन नवीन पार्टी के संगठनात्मक ढांचे में नई ऊर्जा का संचार करने, जमीनी स्तर पर जनसंपर्क बढ़ाने और आगामी रणनीतियों को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से कई उच्च-स्तरीय बैठकों की अध्यक्षता करेंगे। इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय अध्यक्ष नवनिर्मित जिला कार्यालयों का उद्घाटन करेंगे, युवाओं और बूथ अध्यक्षों से बातचीत करेंगे और पार्टी कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन और उन्हें प्रेरित करने के लिए तेलंगाना भाजपा की राज्य कार्यकारिणी की बैठक का

औपचारिक रूप से उद्घाटन करेंगे। अपनी यात्रा के पहले दिन 28 जून को नितिन नवीन दोपहर 3:15 बजे हैदराबाद के शमशाबाद स्थित राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचेंगे, जहां पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा उनका भव्य और हार्दिक स्वागत किया जाएगा। स्वागत समारोह के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष शाम 4:00 बजे रंगारेड्डी ग्रामीण जिला भाजपा कार्यालय का प्रत्यक्ष उद्घाटन करेंगे, साथ ही राज्य भर में नवनिर्मित नौ अन्य जिला कार्यालयों का ऐतिहासिक आभासी उद्घाटन भी करेंगे। इसके बाद, वे नामपल्ली स्थित भाजपा राज्य कार्यालय का दौरा करेंगे और ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी), साइबरबाद नगर निगम (सीएमसी) और मलकाजगिरि नगर निगम (एमएमसी) के बूथ अध्यक्षों के साथ महत्वपूर्ण वार्ता करेंगे। शाम को नतिन नवीन संसद सदस्यों, विधानसभा सदस्यों और विधान परिषद सदस्यों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक करेंगे, जिसमें प्रगति की समीक्षा की जाएगी और भविष्य की पहलों पर उनका मार्गदर्शन किया जाएगा।

लाल किला इलाके में हुए धमाके के मामले में 3 और आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल

एजेंसी

नई दिल्ली। नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने नवंबर 2025 में दिल्ली में लाल किले के पास कार बम धमाके के मामले में तीन और आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। इस धमाके में 11 लोगों की मौत हो गई थी। सप्लीमेंट्री चार्जशीट में एनआईए ने जमीर अहमद अहंगर, तुफैल अहमद भट और मुजफ्फर अहमद (उर्फ फराज उर्फ ??जफर) को आरोपी बनाया है। ये सभी जम्मू-कश्मीर के रहने वाले हैं। इसके साथ ही इस मामले में चार्जशीट किए गए आरोपियों की कुल संख्या 13 हो गई है, जिसमें मुख्य आरोपी डॉ. उमर उन नबी (जिनकी अब मौत हो चुकी है) भी शामिल हैं। फरार आरोपी मुजफ्फर अहमद एक पीडियाट्रिशियन हैं की पहचान सह-आरोपी डॉ. अदील अहमद राथर के बड़े भाई और अल-कायदा से जुड़े संगठन के संस्थापक सदस्य के तौर पर हुई है। एनआईए की जांच से पता चला है कि मुजफ्फर उन मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक थे, जिन्होंने सह-आरोपियों उमर, मुजम्मिल, अदील और मुफ्ती इरफान के साथ मिलकर 10 नवंबर 2025 को हुए धमाके की साजिश रची थी। एनआईए की जांच में यह भी सामने आया है कि संस्थापक सदस्यों में से एक मुजफ्फर ने जून 2022 में श्रीनगर में हुई गुप्त ईदगाह बैठक में हिस्सा लिया था, जिसके दौरान आतंकी मॉड्यूल बनाया गया था।

जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े मामले में गिरफ्तार महिला न्यायिक हिरासत में भेजी गई

जयपुर। प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े जासूसी एवं संदिग्ध आतंकी गतिविधियों के मामले में गिरफ्तार आरोपित महिला बबीता धाकड़ को सात दिन की रिमांड अवधि पूरी होने के बाद शनिवार को अपर सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट संख्या-11, जयपुर महानगर द्वितीय की अदालत में पेश किया गया। अदालत ने आरोपित को न्यायिक हिरासत में जेल भेजने के आदेश दिए। कोर्ट में पेशी के दौरान आरोपित महिला मीडिया से बचने के लिए मुंह छिपाकर तेजी से कोर्ट परिसर में जाती दिखाई दी। राजस्थान एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) ने मिलिट्री इंटेलिजेंस से प्राप्त सूचना के आधार पर आरोपित महिला बबीता धाकड़ को गिरफ्तार किया था। जांच में सामने आया कि आरोपित प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के एक हैंडलर के संपर्क में थी और संगठन के लिए स्लीपर सेल के रूप में सक्रिय होने की तैयारी कर रही थी।

उत्तराखंड के चमोली में बादल फटा

घर-दुकानों में मलबा घुसाः एमपी -झारखंड में आंधी-बिजली से 16 मौतें

22 राज्यों में मानसून पहुंचा

एजेंसी

शिमला। उत्तराखंड के चमोली जिले में शुक्रवार को तेज बारिश के बाद बादल फट गया। इससे इलाके के कई घरों और दुकानों में मलबा घुस गया। कई गाड़ियां भी मलबे में फंस गईं।

इधर मध्य प्रदेश के बालाघाट में बिजली गिरने से 4 लोगों की मौत हो गई। वहीं, देवास में आंधी-बारिश से मकान की बालकनी का हिस्सा गिर गया, इस हादसे में 2 महिलाओं की मौत हो गई। झारखंड में भी बिजली गिरने से 10 और छत्तीसगढ़ में दो लोगों की मौत हो गई।

मानसून ने देश के 22 राज्यों को कवर कर लिया है। 5 जुलाई तक बाकी राज्यों को कवर कर सकता है। यूपी में मानसून 8 दिन लेट है। यह आमतौर पर 20 जून तक आ जाता है लेकिन इस बार 15 दिनों से बिहार बॉर्डर पर रुका हुआ है। यह अगले 2 दिन में बिहार बॉर्डर से प्रदेश में एंट्री कर सकता है।

6 राज्यों में गर्मी का असर, पारा 40°C पार- मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली

और गुजरात के कई शहरों में बुधवार को पारा 40°C से ज्यादा रहा। देश में सबसे ज्यादा पारा हरियाणा के रोहतक में 43.4°Cद र्ज किया गया। वहीं यूपी के लखीमपुर खीरी में 43.2°C, बांदा और आगरा में 43°C, राजस्थान के श्रीगंगानगर में 42.1°C, एमपी के ग्वालियर में 41.8°C और गुजरात के अहमदाबाद में 41.7°C रहा।

देशभर में चलाये जा रहे अंगदान अभियान के लिए केन्द्र सरकार ने गायत्री परिवार से लिया सहयोग

भारत सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ, प्रभावी और जन-केंद्रित बनाने के लिए लगातार काम कर रही है

एजेंसी

हरिद्वार । देवसंस्कृति विश्वविद्यालय शांतिकुंज में दधीचि अंगदान संकल्प अभियान विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे.पी. नड्डा ने कहा कि अंगदान मानव सेवा का सर्वोच्च कार्य है। इसके माध्यम से अनेक जरूरतमंद मरीजों को नया जीवन मिल सकता है। उन्होंने कहा कि भारत के 26 राज्यों में अंगदान की प्रक्रिया चलाई जानी है। अंगदान वैज्ञानिक एवं आध्यात्मिक तरीके से भी महत्वपूर्ण है। श्री नड्डा ने कहा कि भारत सरकार

स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ, प्रभावी और जन-केंद्रित बनाने के लिए लगातार काम कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में अभूतपूर्व बदलाव आया है। इससे पूर्व सभी अतिथियों ने दीप प्रज्वलन कर संगोष्ठी का शुभारंभ किया। देशभर में संचालित अंगदान जनजागरण अभियान को व्यापक जनसमर्थन दिलाने के लिए केन्द्र सरकार ने अखिल विश्व गायत्री परिवार का सहयोग लिया है। उल्लेखनीय है कि युवा प्रतिनिधि डॉ. चिन्मय पण्ड्या के नेतृत्व में गायत्री परिवार शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, नशामुक्ति, व्यक्तित्व निर्माण और सामाजिक जागरूकता जैसे अनेक रचनात्मक अभियानों का सफलतापूर्वक संचालन कर रहा है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि हमारी प्राचीन सनातन परंपरा त्याग, समर्पण, सेवा और परमार्थ की उस महान जीवन-दृष्टि का प्रतीक है, जिसने युगों-युगों से मानवता को एक नई दिशा प्रदान की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सभी महर्षि दधीचि के उस अद्वितीय त्याग से परिचित हैं, जिन्होंने देवताओं को असुरों के आतंक से मुक्ति दिलाने के लिए वज्र निर्माण हेतु अपनी अस्थियों तक का दान कर दिया। इतना ही नहीं, राजा शिवि ने एक पक्षी की रक्षा के लिए अपने शरीर का मांस तक अर्पित कर दिया। यह हमें बताते हैं कि भारतीय संस्कृति में किसी प्राणी की रक्षा और परोपकार के लिए स्वयं का सर्वस्व अर्पित कर देना सर्वोच्च धर्म माना गया है।

संसद में रक्षा मंत्री का बयान गलत संदर्भ में देखा जा रहा: रक्षा मंत्रालय

रक्षा मंत्री के संबोधन को उसके पूर्ण और उचित संदर्भ में समझना भी महत्वपूर्ण है।'

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर में छह जवानों के बलिदान के समाचार के बाद सोशल मीडिया पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का 28 जुलाई 2025 को संसद में दिया बयान वायरल हो रहा है।

इसमें वे किसी जवान के बलिदान नहीं होने की बात कह रहे हैं। इस पर रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को स्पष्टीकरण जारी कर कहा है कि उनके बयान को गलत संदर्भ में देखा जा रहा है। रक्षा मंत्रालय का कहना है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय पायलटों के मारे जाने की एक धारणा प्रचलित और हावी हो गई थी। धारणा पूरी तरह से झूठी और हतोत्साहित करने के इरादे से आक्रामक रूप से प्रचारित की जा रही थी। रक्षा मंत्री का बयान इसी विशिष्ट और दुर्भावनापूर्ण धारणा के संदर्भ में था। मंत्रालय का कहना है,

'उनकी टिप्पणियां उस समय खतरनाक रूप से फैल रहे एक झूठ का लक्षित और प्रासंगिक जवाब थीं। रक्षा मंत्री के संबोधन को उसके पूर्ण और उचित संदर्भ में समझना भी महत्वपूर्ण है।' बयान में कहा गया है कि रक्षा मंत्री का बयान भारतीय रक्षा बलों के साहस और क्षमता को एक उपयुक्त श्रद्धांजलि थी और भारत को नुकसान पहुँचाने की इच्छा रखने वालों के लिए एक स्पष्ट संदेश था।

मंत्रालय का कहना है कि रक्षा मंत्री और भारत सरकार भारतीय रक्षा बलों के प्रत्येक सदस्य के प्रति, और विशेष रूप से राष्ट्र की रक्षा में अपने प्राणों की आहुति देने वालों के प्रति, अपने सम्मान, कृतज्ञता और श्रद्धा में दृढ़ हैं। उनके सर्वोच्च बलिदान को मान्यता देते हुए सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि उनके नाम राष्ट्रीय युद्ध स्मारक की दीवारों पर अंकित हों। सरकार ने वीर शहीदों के परिवार व आश्रितों को शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य सुविधाओं में रियायतें प्रदान करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए हैं।

दूसरी ओर वायरल हो रहे वीडियो पर मंत्रालय का कहना है कि इन पोस्टों में भाषण के एक चुनिंदा अंश को उद्धृत करके यह झूठा दावा किया गया है कि रक्षा मंत्री ने कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान किसी भी भारतीय सैनिक की जान नहीं गई। ये पोस्ट जानबूझकर भ्रामक और तथ्यात्मक रूप से गलत हैं। रक्षा मंत्री के संसदीय भाषण से विवाद खड़ा करने का प्रयास करने वालों ने जानबूझकर उनके पूरे संदर्भ को नजरअंदाज किया है।

दिल्ली-एनसीआर और जम्मू-कश्मीर में भूकंप के तेज झटके

अफगानिस्तान में आए 6.2 तीव्रता के भूकंप का असर, 8 देशों में भी महसूस हुए झटके

एजेंसी

नई दिल्ली। अफगानिस्तान के हिंदूकुश क्षेत्र में शनिवार शाम 7.04 बजे 6.2 तीव्रता का भूकंप आया। इसका असर अफगानिस्तान समेत 8 देश भारत, पाकिस्तान, चीन, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान, किर्गिस्तान और तुर्कमेनिस्तान में देखा गया। देश में जम्मू-कश्मीर और दिल्ली-एनसीआर में भी झटके महसूस किए गए। लोग घरों और दफ्तरों से बाहर निकल आए। हालांकि, अब तक किसी तरह के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है। इसका केंद्र उत्तर-पूर्वी अफगानिस्तान में कलाफगान से करीब 81 किलोमीटर दूर था और गहराई 215km थी।

श्रीनगर के रहने वाले इम्तियाज अहमद ने बताया कि वह घर के बाहर कुर्सी पर बैठे हुए थे। तभी कुर्सी और बिजली की तारें हिलने लगीं। वहीं स्टूडेंट वहीद ने कहा कि वह रास्ते में थे तभी उन्हें हल्के झटके महसूस हुए।

पिछले 24 घंटों में देश में 2, पाकिस्तान में 4 भूकंप आए

शनिवार सुबह 11:38 बजे हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में 3.2 तीव्रता का हल्का भूकंप आया था। इसका केंद्र जमीन से सिर्फ 5 किलोमीटर की गहराई पर था। इसका केंद्र धर्मशाला से करीब 22km उत्तर-उत्तर-पश्चिम में था।

यूरोपियन-भूमध्यसागरीय सिस्मोलॉजीकल सेंटर (EMSC) के मुताबिक, पिछले 24 घंटों में पाकिस्तान में भी भूकंप के चार झटके महसूस किए गए, जिनमें सबसे तेज झटका 5.5 तीव्रता का था। सबसे तेज भूकंप शनिवार सुबह 8:36 बजे आया। इसकी तीव्रता 5.5 मापी गई, जो जमीन से 40 किलोमीटर की गहराई पर आया था।

मुंबई-मुहर्रम जुलूस में दर्द की दवा बताकर जहरीले कैप्सूल बांटे

पुलिस ने 14,900 कैप्सूल के साथ व्यक्ति को पकड़ा; चूहे मारने वाला जहर भरा था

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र के मुंबई के भायखला इलाके में मुहर्रम के दौरान नागरिकों को 'पेन किलर' (दर्द निवारक) बताकर चूहे मारने की दवा (गोलियां) बांटी गईं। इन गोलियों के सेवन से कुछ युवाओं की तबीयत बिगड़ गई है और एक को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मुंबई पुलिस की सतर्कता की वजह से गोलियां बांटने वाले मुख्य आरोपित को रंगे हाथों पकड़ लिया गया है और उसके पास से 14 हज़ार ज़हरीली गोलियां ज़ब्त की गई हैं। मुंबई पुलिस उपायुक्त जयंत मीणा ने आज बताया, आरोपित ने कुछ खास लोगों को टारगेट करके उन्हें मारने या उन्हें बहुत नुकसान पहुंचाने के इरादे से 30,000 खाली कैप्सूल और 100 ग्राम 'जिंक फॉस्फाइड' (चूहों को मारने के लिए इस्तेमाल होने वाला एक बहुत ज़हरीला केमिकल) ऑनलाइन ऑर्डर किया था। उसने हर कैप्सूल में एक ग्राम जिंक फॉस्फाइड भरकर ये ज़हरीली गोलियां बनाई थीं। वह जुलूस में लोगों को यह कहकर धोखा देकर ये गोलियां बांट रहा था कि यह गोली 'पेन किलर' का काम करती है। पुलिस उपायुक्त मीणा ने बताया कि यह गोली खाने के बाद जुलूस में कुछ लोगों को पेट में तेज़ दर्द और उल्टी होने लगी। प्रभावित लोगों ने रात में पुलिस से शिकायत की। गोलियां बांटने वाले व्यक्ति पर शक होने के बाद, भायखला पुलिस तुरंत हरकत में आ गई।

अख़बारनगर सर्कल से 9.90 लाख रुपये के गांजे के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर में ड्रग्स और नारकोटिक्स की बुराई को खत्म करने के लिए अहमदाबाद सिटी क्राइम ब्रांच ने एक बड़ा ऑपरेशन चलाया है। खास जानकारी के आधार पर, क्राइम ब्रांच टीम ने नारनपुरा इलाके के अख़बारनगर सर्कल से 19 kg 812 ग्राम गैर-कानूनी गांजे के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। ज़ब्त किए गए गांजे की कीमत 9,90,600 रुपये आंकी गई है जानकारी के आधार पर फुटपाथ से गिरफ्तारी

मिली जानकारी के मुताबिक, क्राइम ब्रांच को खास जानकारी मिली थी कि अख़बारनगर सर्कल के पास, कैमेलिया प्लाजा के बगल में, वंदना सोसाइटी के कॉमन प्लॉट की दीवार के पास फुटपाथ पर नारकोटिक्स की तस्करी हो रही है। इस सूचना के आधार पर पुलिस ने दिनांक 26/06/2026 को वहां छापा मारा और आरोपी सतीशकुमार मनोहरलाल मेहता (उम्र 41) को बिना पास-परमिट के अवैध गांजा के साथ रंगे हाथों पकड़ लिया। आरोपी सतीशकुमार वर्तमान में न्यू कृष्णानगर के चाली, राणिप, अहमदाबाद में रहता है तथा मूलतः चाकेड़े (ता. मांडल, ग. भीलवाड़ा, राजस्थान) का निवासी है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी एवं उसे गांजा की मात्रा सप्लाई करने वाले सह-आरोपी के खिलाफ डीसीबी पुलिस स्टेशन में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। कुल 9.96 लाख रुपए से अधिक का माल जब्त पुलिस ने आरोपियों के पास से नकदी व मोबाइल समेत कुल 100,000 रुपए का माल बरामद किया है। 9,96,130/- रुपए का माल जब्त किया गया है, जिसका विवरण इस प्रकार है: अवैध गांजे की मात्रा (19.812 किलोग्राम) - कीमत रु 9,90,600/-

1 मोबाइल फ़ोन - कीमत Rs. 5,000/-
1 मोबाइल चार्जर - कीमत Rs. 00/-
तलाशी के दौरान मिला कैश - Rs. 530/-
कॉटन और प्लास्टिक बैग और कार्डबोर्ड के टुकड़े - कीमत Rs. 00/-
BOPP. टेप से लिपटा पैकिंग का सामान - कीमत Rs. 00/-

आरोपी का क्रिमिनल इतिहास पुलिस जांच में पता चला है कि गिरफ्तार आरोपी सतीशकुमार मेहता पहले भी क्रिमिनल एक्टिविटी में शामिल रहा है। उसके खिलाफ पहले ये क्राइम दर्ज हैं

1. साल 2016 में बापूनगर पुलिस स्टेशन में IPC की धारा 379, 114 के तहत चोरी का क्राइम।
2. साल 2016 में मेहसाणा जिले के विसनगर तालुका पुलिस स्टेशन में IPC की धारा 379, 114 के तहत चोरी का क्राइम।
3. साल 2020 में राणिप पुलिस स्टेशन में प्रोहिबिशन एक्ट के तहत क्राइम। इस मामले में क्राइम ब्रांच अब जांच कर रही है कि इतनी मात्रा में गांजा कहां से लाया गया था और अहमदाबाद में किसे सप्लाई किया जाना था।

इदर APMC चुनावों की घोषणा के साथ राजनीतिक माहौल गरमा गया है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

साबरकांठा। कांग्रेस 14 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी इदर APMC चुनावों की घोषणा के साथ राजनीतिक माहौल गरमा गया है। जहां मार्केट यार्ड में 'सब कुछ पहले से ही व्यवस्थित है' की चर्चाएं तेज हो गई हैं, वहीं इंडियन नेशनल कांग्रेस ने भी मैदान में उतरने की घोषणा कर दी है। कांग्रेस पार्टी सभी 14 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। इदर APMC मार्केट भर्ती विवाद समेत कई मुद्दों को लेकर लंबे समय से चर्चा में है। भर्ती प्रक्रिया को लेकर कई बार सवाल उठाए जाने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने से किसानों और व्यापारियों में नाराजगी है। मिली जानकारी के मुताबिक, इदर APMC की कुल 14 सीटों के लिए 9 सितंबर को वोटिंग होगी, जबकि वोटों की गिनती 10 सितंबर को होगी। नए कानून के मुताबिक, कोऑपरेटिव परचेज़ एंड सेल सोसाइटी डिपार्टमेंट की दो सोसायटी जो क्वालिफाइड नहीं थीं, उन्हें खत्म करने के बाद पिछली 16 सीटों की जगह इस बार 14 सीटों पर चुनाव होने हैं। चुनाव में 10 किसान प्रतिनिधियों और 4 व्यापारी प्रतिनिधियों में से डायरेक्टर चुने जाएंगे। खासकर, अब सबकी निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि भारतीय जनता पार्टी किसे मैन्डेट देगी। हालांकि, इदर के पॉलिटिकल गलियारों में चर्चा चल रही है कि APMC के अंदर ज़्यादातर इंतज़ाम पहले ही हो चुके हैं और माना जा रहा है कि चेयरमैन पद के लिए नाम भी लगभग तय हो गया है। हाल ही में मार्केट यार्ड में हुआ एक बर्थडे सेलिब्रेशन भी पॉलिटिकल चर्चा का सेंटर बन गया। चर्चाओं ने ज़ोर पकड़ लिया है कि आने वाले चुनावों के लिए नए पॉलिटिकल इक्वेशन बन रहे हैं क्योंकि कुछ नेता जो लंबे समय से पॉलिटिकल तौर पर एक-दूसरे से अलग-थलग थे, वे एक ही मंच पर एक साथ देखे जा रहे हैं। पॉलिटिकल एक्सपर्ट्स का मानना है कि पब्लिक प्रोग्राम्स में दिख रही एकता आने वाले चुनावों में बड़े बदलाव का इशारा दे रही है।
दूसरी तरफ, इंडियन नेशनल कांग्रेस भी इस बार चुनावों में एक्टिव रोल निभाने के लिए तैयार दिख रही है।

धर्मपुरी के ग्रामीणों का नगर पालिका के खिलाफ प्रदर्शन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। नगर पालिका द्वारा शहर के गंदे सीवेज के पानी को धर्मपुरी गांव की ओर मोड़ने के निर्णय के विरोध में शुक्रवार को ग्रामीणों और किसानों ने जोरदार प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में एकत्रित लोगों ने नगर पालिका के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपना कड़ा विरोध दर्ज कराया। ग्रामीणों का कहना है कि इस निर्णय से गांव की खेती और लोगों के स्वास्थ्य पर गंभीर संकट उत्पन्न हो जाएगा। जानकारी के अनुसार, नादोड़ी भागोल के बाहर चोटरिया पीर के पास नर्मदा निगम की नहर के समीप नगर पालिका द्वारा सीवेज के पानी की निकासी के लिए साइफन निर्माण का कार्य शुरू किया गया है। आरोप है कि इसके माध्यम से शहर का गंदा पानी धर्मपुरी गांव की ओर छोड़ा जाएगा। इस योजना की जानकारी मिलते ही ग्रामीण और किसान मौके पर पहुंचे तथा कार्य का विरोध किया। ग्रामीणों का कहना है कि यदि सीवेज का पानी गांव की ओर छोड़ा गया तो लगभग 300 बीघा कृषि भूमि प्रभावित होगी। इससे फसलों को नुकसान पहुंचने, भूमि की उर्वरता घटने तथा आसपास के क्षेत्र में बीमारियां फैलने की आशंका है। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन से तत्काल इस योजना को रोकने और वैकल्पिक व्यवस्था करने की मांग की। विरोध प्रदर्शन में धर्मपुरी के सरपंच, उपसरपंच, ग्राम पंचायत सदस्य तथा बड़ी संख्या में किसान शामिल रहे। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि नगर पालिका ने अपना निर्णय वापस नहीं लिया तो आने वाले दिनों में उग्र आंदोलन किया जाएगा। अब सभी की नजर प्रशासन के अगले कदम पर टिकी हुई है।

महानगर का मेट्रो धमाका

करजण में माननीय और माफिया की जुगलबंदी! मां नर्मदा का सीना चीरकर करोड़ों का रेत-मिट्टी घोटाला

पिंगरवाडा में गोचर भूमि पर 50 फीट गहरे खड्डे

सीएम भूपेंद्र पटेल मौन, गृहमंत्री हर्ष संघवी का 'कानून' करजण में फेल? सिस्टम की 'मलाई गैंग' पर महानगर मेट्रो का सबसे बड़ा प्रहार

नाकेबंदी तोड़कर नाणेश्वर रोड पर 5 लाख टन रेत का अवैध स्टॉक!

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

बड़ौदा/करजण। गुजरात सरकार भले ही राज्य में 'जीरो टॉलरेंस' और सुशासन की दुहाई देती रहे, लेकिन बड़ौदा जिले के करजण तालुका में आज जो जमीनी हकीकत है, वह किसी डरावनी सस्पेंस फिल्म से कम नहीं है। करजण में न तो संविधान का खौफ है और न ही खाकी का पहरा। यहां सिर्फ और सिर्फ करजण के विधायक अक्षय पटेल और नगर पालिका सदस्य गोकुल भरवाड़ उर्फ घूघा की समानांतर सरकार चल रही है। आस्था की प्रतीक मां नर्मदा की पवित्र धरा को भारी मशीनों से 200 फीट गहराई तक खोदकर कुदरती संपत्ति की ऐसी बेरहम लूट मचाई गई है, जिसे देखकर आम जनता का खून खौल उठा है। सबसे शर्मनाक बात यह है कि वडोदरा कलेक्टर से लेकर माइनिंग विभाग तक इस गैंग के सामने घुटने टेक चुका है।

घुघो भरवाड़ करजन
नगर पालिका सदस्य

अक्षय पटेल
विधायक करजन

पहला कांड: पिंगरवाडा में गोचर भूमि की बलि, 50 फीट गहरे मौत के कुएं!

करजण के पिंगरवाडा गांव में करोड़ों रुपये का अवैध मिट्टी खनन का काला साम्राज्य चल रहा है।

मौत के कुएं: गांव की गायों के चरने के लिए आरक्षित पवित्र 'गोचर भूमि' पर 40 से 50 विशालकाय खड्डे खोद दिए गए हैं, जिनकी गहराई 50 फीट से भी ज्यादा है।

जेल रिटर्न घूघो का आतंक: इस पूरे स्कैम का मास्टरमाइंड करजण नगर पालिका का सदस्य गोकुल भरवाड़ उर्फ घूघा है। यह वही घूघा है जिसे कुछ समय पहले पुलिस ने अवैध रिवॉल्वर के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार किया था। जेल की हवा खाने के बाद भी इसके हौसले इतने बुलंद हैं कि सरकारी जमीन को ही निगलने पर तुला है।

दूसरा कांड: नगर पालिका में 'चीफ ऑफिसर-इंजीनियर और घूघा' की भ्रष्ट त्रिमूर्ति!

करजण नगर पालिका आज भ्रष्टाचार का अड्डा बन चुकी है। चीफ ऑफिसर सोलंकी और इंजीनियर राणा ने पूरी नगर पालिका को घूघा भरवाड़ के पास गिरवी रख दिया है। बिना कमीशन नो टेंडर: पूरे करजण में घूघा की मर्जी और फिक्स 'परसेंटेज' के बिना कोई टेंडर पास नहीं हो सकता। टेंडर की मलाई सिर्फ उसके सगे-संबंधी ही खाते हैं। अवधि खत्म, फिर भी टेंडर चालू: हाल ही में एक बड़ा घोटाला उजागर हुआ है। भाथा भरवाड़ को 2025-2026 तक का टेंडर दिया गया था, जो करीब 2-3 महीने पहले ही समाप्त हो चुका है। इसके बावजूद चीफ ऑफिसर सोलंकी की मेहरबानी से आज भी यह टेंडर अवैध रूप से चल रहा है और सरकारी खजाने को लूटा जा रहा है।

तीसरा कांड: नाणेश्वर रोड पर 5 लाख टन रेत का अवैध 'माउंटेन'

सूत्रों के मुताबिक, इस पूरी सिंडिकेट के 'गॉडफादर' कोई और नहीं बल्कि करजण के विधायक अक्षय पटेल हैं। उनके आशीर्वाद से ही करजण में खनन का यह खेल चल रहा है।

करोड़ों की रॉयल्टी चोरी: अक्षय पटेल और घूघा भरवाड़ ने नाणेश्वर रोड के दोनों तरफ लगभग 5 लाख टन मीट्रिक रेत का अवैध स्टॉक जमा कर रखा है। सरकार को एक रुपये की रॉयल्टी नहीं दी गई, यानी सीधे-सीधे करोड़ों के टैक्स की डकैती!

300 ओवरलोड डंपरों का तांडव: 'बापजी' और 'काले कृष्ण' ट्रांसपोर्ट के बैनर तले इस काले धंधे में 250 से 300 'आईवा डम्पर' दिन-रात दौड़ रहे हैं। नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए क्षमता से दोगुना, यानी 50-50 टन रेत लादकर ये डंपर सड़कें तोड़ रहे हैं और मासूमों की जिंदगी दांव पर लगा रहे हैं।

महानगर मेट्रो के सीधे और तीखे सवाल - अब होगी 'Raid या मलाई खाएगा सिस्टम?

1. सीएम साहब, आपकी 'सख्त सरकार' कहां है? - मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल जी, आपके नाक के नीचे करजण में मां नर्मदा को खोखला किया जा रहा है। गांधीनगर की फ्लाइंग स्क्वाड टीम इस पिंगरवाडा गांव और नाणेश्वर रोड पर तत्काल सघन छापेमारी (Raid) क्यों नहीं करती?

2. हर्ष संघवी का पेटेंट डायलॉग करजण में क्यों फेल? - राज्य के गृहमंत्री हर्ष संघवी बार-बार मंच से गरजते हैं कि 'कानून में रहोगे तो फायदे में रहोगे '। हर्ष भाई, करजण में तो विधायक अक्षय पटेल का अपना निजी कानून चलता है, जिसके इशारे पर शराब, जुआ, ड्रग्स और खनन का नंगा नाच हो रहा है। क्या वहां गुजरात का कानून लागू नहीं होता?

3. माइनिंग कमिश्नर मौन क्यों हैं? - गांधीनगर का माइनिंग हेडक्वार्टर इन 50 फीट गहरे खड्डों और 5 लाख टन अवैध रेत को सीज करके आरोपियों को जेल क्यों नहीं भेजता? ड्रेन सर्वे कराकर करोड़ों का जुर्माना वसूलने से कौन रोक रहा है?

जनता का अल्टीमेटम: अब बख्शा नहीं जाएगा!

करजण की जनता अब इस घोर पाप को और सहने के मूड में नहीं है। लोग पूछ रहे हैं कि क्या यह भ्रष्ट त्रिमूर्ति और उनके आका मिलकर पूरी कुदरत को बेच खाएंगे? गांधीनगर में बैठे आला अधिकारी कान खोलकर सुन लें... अगर पिंगरवाडा और नाणेश्वर रोड पर तत्काल प्रभाव से माइनिंग विभाग की बड़ी रेड नहीं हुई और इन माफियाओं को सलाखों के पीछे नहीं भेजा गया, तो 'महानगर मेट्रो' इस महाघोटाले के एक-एक पुख्ता सबूत को सीधे जनता की अदालत में ले जाकर पूरी व्यवस्था को बेनकाब कर देगा!

बड़ौदा से गांधीनगर तक सब 'मैनेज'? पैकेट के दम पर चुप बैठी है खाकी और माइनिंग!

सूत्रों से मिली पुख्ता जानकारी के अनुसार, इस खनन माफिया गिरोह द्वारा हर महीने करोड़ों रुपये का भ्रष्टाचार किया जाता है, जिसका 'फिक्स पैकेट' नीचे से लेकर ऊपर तक सभी विभागों में बंटता है। वडोदरा जिला पुलिस, एसडीएम करजण, ट्राफिक पुलिस, मामलतदार या वडोदरा कलेक्टर... किसी अधिकारी की कुर्सी में इतनी हिम्मत नहीं है कि वह इस विधायक की गैंग पर हाथ डाल सके। गांधीनगर खाण-खनिज (माइनिंग) विभाग के बड़े अफसर 'चावड़ा' भी सब कुछ जानकर कुंभकर्णी नींद सोए हुए हैं। चर्चा तो यहां तक गर्म है कि बड़ौदा जिला बीजेपी अध्यक्ष को भी हर महीने मोटा पैकेट पहुंचाया जाता है! मां नर्मदा को 200 फीट गहरे जख्म देने वाले इन सफेदपोशों को जरा भी शर्म नहीं आ रही।

AAP की पूर्व महिला उम्मीदवार नंदिनी बोसमिया की मौत का गहरा रहस्य: बहन का तीखा आरोप कि लिव-इन पार्टनर ने बच्चे नहीं चाहने की वजह से अबॉर्शन करवाया!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजकोट। आम आदमी पार्टी से नगर निगम चुनाव लड़ने वाली 23 साल की नंदिनी बोसमिया की रहस्यमयी मौत ने पूरे इलाके में खूब चर्चा बटोरी है। गोंडल चौकड़ी के पास एक फ्लैट में नंदिनी की लाश लटकी हुई हालत में मिलने से कई गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। पुलिस जहां पूरे मामले को सुसाइड मानकर जांच कर रही है, वहीं दूसरी ओर मृतका के परिवार ने उसके लिव-इन पार्टनर असलम हुसैन समा पर सोची-समझी साजिश के तहत हत्या का गंभीर और कड़वा आरोप लगाया है। लिव-इन पार्टनर के शादीशुदा होने की वजह से लगातार झगड़े होते रहते थे। मिली जानकारी के मुताबिक, 22 जून को जब गोंडल चौकड़ी के पास फ्लैट में नंदिनी बोसमिया की लाश मिली, तो दरवाजा अंदर से बंद था। पुलिस जांच में पता चला है कि नंदिनी और उसके लिव-इन पार्टनर असलम हुसैन के बीच कुछ समय से दोस्ती थी। लेकिन, असलम पहले से शादीशुदा था और उसका एक बच्चा भी था, इसलिए वह अक्सर अपनी पत्नी के पास जाता रहता था, जिसकी वजह से पिछले कुछ महीनों से दोनों के बीच तीखे झगड़े और अनबन चल रही थी। 'मुझे बच्चे नहीं चाहिए' कहकर उसने अपना यूट्रस निकलवा लिया! इस घटना में सबसे चौंकाने वाला और दिल दहला देने वाला खुलासा मृतका की बहन रूपल बोसमिया ने किया है। रूपल ने आरोप लगाया है कि असलम आदतन शराब का तस्कर है। उसने क्रूरता की सारी हदें पार कर दीं और नंदिनी को बच्चे पैदा करने से रोकने के लिए उसका यूट्रस निकलवा दिया। इतना ही नहीं, असलम की मां और बहन भी नंदिनी को लगातार टॉर्चर करती थीं। पहले भी असलम के घरवालों ने जूनागढ़ में नंदिनी पर जानलेवा हमला किया था। पिछले करीब एक महीने से जब यह शारीरिक और मानसिक टॉर्चर बर्दाश्त से बाहर हो गया, तो नंदिनी असलम से अलग होकर अकेले रहना चाहती थी और काम करके नई ज़िंदगी शुरू करना चाहती थी। परिवार वालों ने पुलिस की सुसाइड थ्योरी को पूरी तरह से खारिज कर दिया है और दावा किया है कि असलम ने नंदिनी की बेरहमी से हत्या की और उसकी बॉडी को लटका दिया ताकि मामला सुसाइड जैसा लगे। घटना के बाद से, कथित आरोपी असलम हुसैन का मोबाइल फ़ोन बंद है और वह फरार है, जिससे उसके शामिल होने की ओर इशारा हो रहा है। इस हाई-प्रोफाइल केस में, नंदिनी की मौत के पीछे का असली राज सिर्फ़ फोरेंसिक पोस्टमॉर्टम (FSL PM) रिपोर्ट और पूरी पुलिस जांच से ही पता चलेगा। यह देखना बाकी है कि नंदिनी ने यह कदम गुस्से में उठाया या वह किसी बड़ी साज़िश का शिकार हुई।

कपडवंज में गैर-कानूनी पटाखा फैक्ट्री में भयानक धमाका: 10 किलोमीटर तक हिली ज़मीन, पूरे इलाके में डर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कपडवंज। खेड़ा ज़िले के कपडवंज इलाके से एक बहुत ही चौंकाने वाली और डरावनी खबर सामने आई है। यहां डंपिंग स्टेशन के सामने चल रही एक गैर-कानूनी पटाखा फैक्ट्री में आज अचानक एक ज़बरदस्त धमाका हुआ। धमाका इतना ज़ोरदार था कि उसकी आवाज़ और वाइब्रेशन से पूरे इलाके में भारी दहशत और डर फैल गया। स्थानीय लोगों के मुताबिक, धमाका इतना ज़ोरदार था कि इसका असर फैक्ट्री के आस-पास के लगभग 10 किलोमीटर के इलाके में महसूस किया गया। धमाके से आस-पास के कई गांवों में ज़मीन हिल गई, जिससे लोग डर के मारे अपने घरों से बाहर भागे, उन्हें लगा कि कहीं भूकंप तो नहीं आ गया। धमाके के बाद आसमान में धुएं का गुबार उठता देखा गया। रिहायशी और डंपिंग स्टेशन के पास गैर-कानूनी काला धंधाशुरुआती जानकारी के मुताबिक, यह पटाखा फैक्ट्री कपड़वंज डंपिंग स्टेशन के ठीक सामने बिना किसी परमिशन या सेफ्टी नियमों के गैर-कानूनी तरीके से चलाई जा रही थी। रिहायशी और ट्रैफिक वाले इलाकों के पास इतना खतरनाक काला धंधा किसकी देखरेख में चल रहा था, यह लोगों में चर्चा का विषय बन गया है। घटना की सूचना मिलते ही लोकल पुलिस, एडमिनिस्ट्रेटिव सिस्टम और फायर ब्रिगेड की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं और राहत और बचाव का काम शुरू किया। इस भयानक धमाके में कोई हताहत हुआ या घायल हुआ, इसकी

जानकारी ली जा रही है। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है और आगे की जांच शुरू कर दी है कि फैक्ट्री का मालिक कौन है और यह गैर-कानूनी काम कब से चल रहा था।

पुलिस हिरासत से फरार शराबबंदी का आरोपी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खेड़ा-नडियाद। लोकल क्राइम ब्रांच (एलसीबी) ने पुलिस हिरासत से फरार हुए शराबबंदी (प्रोहिबिशन) के आरोपी को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। आरोपी पुलिस की निगरानी से फरार हो गया था, जिसके बाद उसकी तलाश में कई टीमें जुटी थीं। गुप्त सूचना के आधार पर क्राइम ब्रांच ने फिल्मी अंदाज में आरोपी को धर दबोचा। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी की पहचान पर्वत उर्फ भगत गोताभाई पढियार निवासी विंझोल, तहसील ठासरा के रूप में हुई है। उसके खिलाफ आनंद जिले के उमरेठ पुलिस थाने में प्रोहिबिशन एक्ट के तहत मामला दर्ज था। गिरफ्तारी के बाद पूछताछ के दौरान वह पुलिसकर्मियों की नजर से बचकर फरार हो गया था, जिससे पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया था। क्राइम ब्रांच को सूचना मिली कि आरोपी अहमदाबाद-इंदौर हाईवे से गुजरने वाला है। इसके बाद पुलिस ने लाडवेल गांव के पास निगरानी बढ़ाई। जैसे ही आरोपी काठलाल की ओर बढ़ा, पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उसे बिना किसी प्रतिरोध के गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को कानूनी कार्रवाई के लिए उमरेठ पुलिस के हवाले करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

मारपीट न करने और जल्द कोर्ट में पेश करने के नाम पर रिश्वत मांगने वाला ASI ACB के शिकंजे में

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए गुजरात एंटी करप्शन ब्यूरो ने एयरपोर्ट पुलिस थाने के अंतर्गत हंसोल पुलिस पोस्ट पर तैनात सहायक उपनिरीक्षक शशिकांत किशनभाई जादव को 6,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोपी पर शिकायतकर्ता को परेशान न करने, मारपीट से बचाने और गिरफ्तारी के बाद शीघ्र अदालत में पेश करने के बदले रिश्वत मांगने का आरोप है। जानकारी के अनुसार, ASI शशिकांत जादव शिकायतकर्ता के खिलाफ दर्ज एक आवेदन की जांच कर रहे थे। इसी दौरान उन्होंने कथित रूप से शिकायतकर्ता से कहा कि यदि वह 6,000 रुपये दे देता है तो उसे पुलिस लॉकअप में प्रताड़ित नहीं किया जाएगा और गिरफ्तारी की स्थिति में जल्द कोर्ट में पेश कर दिया जाएगा। शिकायतकर्ता रिश्वत देने के पक्ष में नहीं था। उसने मामले की जानकारी गुजरात ACB को दी। शिकायत की पुष्टि होने के बाद ACB ने हंसोल पुलिस चौकी की पार्किंग में जाल बिछाया। तय योजना के अनुसार जैसे ही शिकायतकर्ता ने रिश्वत की राशि सौंपी, ACB की टीम ने मौके पर पहुंचकर ASI शशिकांत जादव को रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया।

संक्षिप्त न्यूज

वडोदरा में व्यापारी पर दिनदहाड़े फायरिंग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। बाइक सवार बदमाशों ने एक कपड़ा व्यापारी पर गोली चला दी। घायल व्यापारी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हमलावर मौके से फरार हो गए। पुलिस CCTV फुटेज के आधार पर जांच में जुटी है।

पारागांव खुर्द की चित्रकला वर्मा राष्ट्रीय एकता शिविर में करेंगी प्रतिनिधित्व

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डोंगरगढ़। पारागांव खुर्द हायर सेकेंडरी स्कूल की छात्रा चित्रकला वर्मा का चयन राष्ट्रीय एकता शिविर के लिए हुआ है। यह शिविर हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले के आरपीएस सीनियर सेकेंडरी स्कूल, खातौद में 24 से 30 जून, 2026 तक आयोजित किया जा रहा है। इस शिविर में चित्रकला वर्मा हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग की ओर से छात्रा स्वयंसेवक के रूप में सम्मिलित हुई हैं। इस वर्ष के राष्ट्रीय एकता शिविर का मुख्य विषय युवा फॉर माय भारत एवं युवा फॉर डिजिटल लिटरेसी रखा गया है। इस आयोजन के माध्यम से युवाओं को देश की विविध संस्कृति, कला, प्रतिभा और नेतृत्व क्षमता को प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा।

विविध गतिविधियों में लेंगी भाग

शिविर के दौरान प्रतिभागी विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों में शामिल होंगे, जिनमें शामिल हैं: पारंपरिक वेशभूषा, लोकगीत और देशभक्ति गीत नुक्कड़ नाटक, आशु भाषण, वाद-विवाद और पोस्टर मेकिंग यह शिविर न केवल सांस्कृतिक आदान-प्रदान का केंद्र होगा, बल्कि युवाओं में डिजिटल साक्षरता और राष्ट्र निर्माण के प्रति जागरूकता को भी बढ़ावा देगा। प्राचार्य श्री आर एन प्रजापति एवं कार्यक्रम अधिकारी श्री पुनेश्वर साहू और शाला परिवार ने उज्जवल भविष्य की शुभकामनायें दिए हैं यह जानकारी अनिल कुमार जंघेल व्याख्याता के द्वारा दी गई है!

गांधीनगर: शॉपिंग मॉल और कॉम्प्लेक्स की बेसमेंट पार्किंग खोली गई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। शहर में दिन-ब-दिन बढ़ती ट्रैफिक की समस्या को हल करने और लोगों को होने वाली परेशानियों को दूर करने के लिए राजधानी का एडमिनिस्ट्रेटिव सिस्टम एक्शन मोड में आ गया है। गांधीनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की अलग-अलग ब्रांच और लोकल पुलिस सिस्टम ने मिलकर एक मेगा अतिक्रमण हटाने का कैंपेन शुरू किया है। इस बड़े कैंपेन के तहत, रक्षाशक्ति सर्कल से रिलायंस चौकड़ी तक की बिज़ी सड़कों और कुडासन में गौरवपथ से गाड़ी चलाने वालों और पैदल चलने वालों को रोकने वाले सभी तरह के गैर-कानूनी कब्ज़ों को हटा दिया गया है। इस कैंपेन में म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की एस्टेट ब्रांच, टाउन प्लानिंग ब्रांच, सैनिटेशन ब्रांच के साथ-साथ बड़ी संख्या में ट्रैफिक पुलिस और लोकल पुलिस के लोग भी शामिल थे। सिस्टम की जांच के दौरान पता चला कि शहर में प्रमुख मस्ताना कॉम्प्लेक्स, प्रमुख आर्केड कॉम्प्लेक्स, राधे स्क्वायर और प्रमुख आनंद ऑर्बिट मॉल जैसी जगहों पर बड़े पैमाने पर दबाव था। इसके अलावा, ग्राहकों और विज़िटर्स के लिए रखी गई बेसमेंट पार्किंग की जगहें भी बंद पाई गईं, जिससे सड़क पर गाड़ियां पार्क होने से ट्रैफिक की गंभीर समस्याएँ पैदा हो गईं। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए टाउन प्लानिंग ब्रांच ने पहले इन सभी कॉम्प्लेक्स को बेसमेंट पार्किंग की जगहें खोलने के लिए नोटिस जारी किए थे। इस ड्राइव के दौरान, सभी संबंधित अधिकारियों को मौके पर बुलाया गया और ट्रैफिक पुलिस की मौजूदगी में सभी गाड़ियों को बेसमेंट पार्किंग में ठीक से पार्क करने के सख्त निर्देश दिए गए।

ड्राइवर की सतर्कता से बड़ी दुर्घटना टल गई

मेहसाणा में मोतीदौ के पास हाईवे पर आइसक्रीम से भरे ट्रक में लगी भीषण आग चलते ट्रक के केबिन से धुआं निकला और पूरा केबिन जल गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मेहसाणा। शुक्रवार दोपहर मेहसाणा-पालनपुर हाईवे पर एक बड़ी दुर्घटना होने वाली थी। हाईवे पर पूरी स्पीड से दौड़ रहे आइसक्रीम से भरे ट्रक में अचानक भीषण आग लग गई, जिससे अफरा-तफरी मच गई। आग इतनी भीषण थी कि ट्रक का अगला हिस्सा यानी पूरा केबिन पलक झपकते ही पूरी तरह जलकर राख हो गया। हालांकि, इस भीषण आग के बीच ड्राइवर ने कमाल की सूझबूझ और बहादुरी दिखाई, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया और दुर्घटना टल गई। चलती गाड़ी से धुआं निकला और ड्राइवर ने स्टीयरिंग व्हील हाईवे की तरफ दबा दिया मिली जानकारी के मुताबिक, जब एक ट्रक (रूा 04 रुड्ड 0663) बड़ी मात्रा में आइसक्रीम लेकर मेहसाणा जिले के मोतीदौ गांव के पास से गुज़र रहा था, तो अचानक उसके बोनट और केबिन से काला धुआं निकलने लगा। ट्रक हाईवे के बीच में होने के बावजूद, ड्राइवर ने बिना घबराए तुरंत होशियारी दिखाई और ट्रक को सड़क के किनारे खड़ा कर दिया। ड्राइवर और क्लीनर तुरंत नीचे उतर गए और उनकी जान बच गई। उनके नीचे उतरने के कुछ ही सेकंड में आग ने भयंकर रूप ले लिया और पूरे केबिन को अपनी चपेट में ले लिया। हाईवे से गुज़र रहे दूसरे गाड़ी वाले भी यह नज़ारा देखकर हैरान रह गए। फायरफाइटर्स ने 10,000 लीटर पानी डालकर आग बुझाई आस-पास के लोगों ने तुरंत मेहसाणा नगर पालिका फायर डिपार्टमेंट को घटना की जानकारी दी। हादसे की गंभीरता को देखते हुए फायर ब्रिगेड की टीम तुरंत पानी के बम लेकर मौके पर पहुंची। फायरफाइटर्स ने बड़ी मेहनत से लगभग 10,000 लीटर पानी की बौछार की और घंटों की मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। फायर टीम की समय पर कार्रवाई के कारण आग पीछे के हिस्से में नहीं फैली और उसे आइसक्रीम गोदाम की ओर फैलने से रोका जा सका।

जासूसी के लिए बॉयफ्रेंड को छोड़ा, पाकिस्तानी सैनिक से शादी:

वॉशरूम से सीक्रेट मैसेज भेजकर INS विक्रांत को डूबने से बचाया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

देशभक्ति और जासूसी की दुनिया में कई ऐसी कहानियां हैं जो आम आदमी की सोच से भी परे हैं। यह भारत की एक ऐसी ही बहादुर लड़की की सच्ची कहानी है, जिसने अपने देश की रक्षा के लिए अपना प्यार, परिवार और खुशियां कुर्बान कर दीं। यह कहानी है भारतीय जासूस 'सहमत' (बदला हुआ नाम) की, जिसने पाकिस्तानी सेना के घर में घुसकर भारत के खिलाफ एक बहुत बड़ी साज़िश का पर्दाफाश किया और भारत की शान युद्धपोत INS विक्रांत को डूबने से बचाया। वतन के लिए प्यार की कुर्बानी और पाकिस्तानी सेना के एक ऑफिसर से शादी सहमत कश्मीर के एक कॉलेज में पढ़ने वाली एक आम लड़की थी और वह अपने कॉलेज के एक दोस्त से प्यार करती थी। लेकिन जब उसके पिता (जो खुद भारतीय खुफिया एजेंसी के लिए काम करते थे) ने उसे देश की सुरक्षा के लिए पाकिस्तान में जासूसी करने की ज़िम्मेदारी सौंपी, तो सहमत ने बिना किसी हिचकिचाहट के अपने प्यार को छोड़ दिया। एक सोची-समझी स्ट्रैटेजी के तहत, सहमत की शादी श्याम से हुई, जो पाकिस्तान आर्मी के एक बड़े ऑफिसर (ब्रिगेडियर) का बेटा था और खुद भी एक आर्मी ऑफिसर था। शादी के बाद पाकिस्तान गई सहमत के लिए चैलेंज बहुत बड़ा था। उसे एक पाकिस्तानी मिलिट्री ऑफिसर के घर में टाइट सिक्योरिटी के साथ रहना था और इंडिया के लिए इंटेलिजेंस इकट्ठा करनी थी। अपने तेज़ दिमाग और ट्रेनिंग का इस्तेमाल करके, सहमत ने जल्द ही पाकिस्तान आर्मी के ऑफिशियल क्वार्टर में अपना भरोसा बना लिया और वहां की सेंसिटिव मूवमेंट पर नज़र रखना शुरू कर दिया। 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध से पहले, पाकिस्तानी नेवी और आर्मी ने भारत

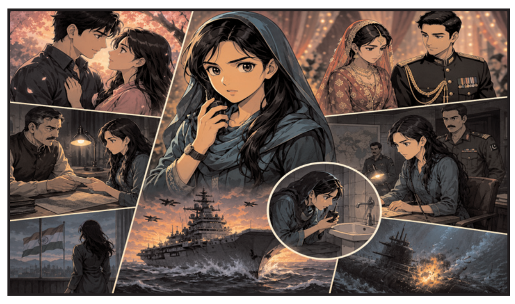

के सबसे ताकतवर एयरक्राफ्ट कैरियर INS विक्रांत' को समुद्र में तबाह करने का एक टॉप सीक्रेट और बड़ा प्लान तैयार किया था। पाकिस्तान को यह हमला अपनी सबमरीन 'गाज़ी' के ज़रिए करना था। सहमत को इस भयानक साज़िश की भनक लग गई थी। चारों तरफ पाकिस्तानी सैनिकों और कड़े पहरे के बावजूद, सहमत ने हिम्मत नहीं हारी और अपने घर के वॉशरूम में छिपकर मोर्स कोड के ज़रिए भारतीय खुफिया एजेंसी को यह मैसेज भेजा, 'पाकिस्तान INS विक्रांत पर हमला करने वाला है। सहमत के इस एक सीक्रेट मैसेज पर भारतीय सेना अलर्ट हो गई और उसने तुरंत अपनी स्ट्रैटेजी बदल दी। नतीजतन, भारत ने पाकिस्तान की सबमरीन PNS गाज़ी' को समुद्र में डुबो दिया और INS विक्रांत को कोई नुकसान भी नहीं हुआ। अपनी जान जोखिम में डालकर देश को बचाने वाले इस बहादुर आदमी का जासूसी का सफर यहीं खत्म नहीं हुआ। पाकिस्तान में उस पर शक कैसे हुआ? वहां से भारत लौटने के लिए उसने क्या किया? जानने के लिए अगले इश्यू में 'सहमत पार्ट-2' देखें...

निर्जला एकादशी पर विशाल भजन संध्या में गायक अभिनव ऐरन ने बांधा समां

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भीनमाल (मुकेश सोलंकी)। शहर में निर्जला एकादशी के पावन अवसर पर बाबा खाटू श्याम के भक्तों का उत्साह देखने को मिला। स्थानीय अग्रवाल धर्मशाला के बाहर श्याम मित्र मंडल के तत्वावधान में 'एक शाम बाबा श्याम के नाम' विशाल भजन संध्या का आयोजन किया गया। इस धार्मिक उत्सव में हिसार के प्रसिद्ध भजन गायक अभिनव ऐरन ने अपनी सुरीली और सुमधुर आवाज़ से देर रात तक पूरे पंडाल को भक्ति के रंग में सरोबार रखा। निर्जला एकादशी (ग्यारस) के विशेष मौके पर भीनमाल में बाबा श्याम का भव्य और अलौकिक दरबार सजाया गया। देश-विदेश के आकर्षक फूलों और रंग-बिरंगी रोशनी से सजे इस दरबार में बाबा की अद्भुत झांकी ने हर श्रद्धालु का मन मोह लिया। इस पवित्र उपवास के दिन बाबा के दर्शनों के लिए भक्तों का तांता लगा रहा। भीषण गर्मी के बावजूद हजारों की संख्या में महिला व पुरुष श्रद्धालुओं ने पंडाल में उपस्थित होकर बाबा के दर्शन किए और पुण्य लाभ कमाया। हिसार से विशेष रूप से पधारे सुप्रसिद्ध भजन गायक अभिनव ऐरन ने गणेश वंदना के साथ भजन संध्या की शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने एक के बाद एक कई लोकप्रिय और भावपूर्ण भजनों की प्रस्तुतियां दीं।

अहमदाबाद में रिश्वतखोरी का बड़ा खुलासा, महिला PSI की ओर से 5 लाख लेते हेड कांस्टेबल और ASI गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। एंटी करप्शन ब्यूरो ने रिश्वतखोरी के एक बड़े मामले का खुलासा करते हुए बोपल पुलिस थाने से जुड़े दो पुलिसकर्मियों को 5 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोप है कि यह रकम बोपल पुलिस थाने में तैनात महिला पीएसआई प्रीतल चौधरी की ओर से ली जा रही थी। कार्रवाई के दौरान एक हेड कांस्टेबल और एक एएसआई को गिरफ्तार किया गया, जबकि मामले की मुख्य आरोपी महिला पीएसआई प्रीतल चौधरी फरार हो गई। उसकी तलाश जारी है। जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता के खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई या शिकायत दर्ज नहीं करने के बदले महिला पीएसआई ने पहले 10 लाख रुपये की रिश्वत की मांग की थी। बाद में बातचीत के बाद सौदा 5 लाख रुपये में तय हुआ। शिकायतकर्ता ने रिश्वत देने के बजाय गुजरात ACB से संपर्क कर पूरे मामले की जानकारी दी। शिकायत के आधार ACB ने बोपल क्षेत्र में जाल बिछाया। तय योजना के अनुसार जब हेड कांस्टेबल और एएसआई महिला पीएसआई की ओर से 5 लाख रुपये की रिश्वत ले रहे थे, तभी ACB की टीम ने छापा मारकर दोनों को रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया।

10 लाख 10 हजार के गांजे के साथ अन्तर्राज्यीय गिरोह के 02 शातिर गांजा तस्कर गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। पुलिस चौकी प्रभारी चिचोला निरीक्षक योगेश पटेल को मुखबिर से विश्वसनीय सूचना प्राप्त हुई कि चिचोला बस स्टैंड के पास दो व्यक्ति संदिग्ध अवस्था में बड़े बैग लिए खड़े हैं और मादक पदार्थ गांजा बिक्री करने हेतु ग्राहकों की तलाश कर रहे हैं। सूचना की गंभीरता को देखते हुए तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया और उनके मार्गदर्शन में चौकी प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए बस स्टैंड के पास घेराबंदी कर उक्त दोनों संदिग्धों को दबोच लिया गया। पकड़े गए व्यक्तियों से पूछताछ करने पर उन्होंने अपना नाम क्रमशः मोहम्मद समीर पिता मोहम्मद रफीक (उम्र 28 साल) और आयाज खान पिता दाऊद खान (उम्र 39 वर्ष) दोनों निवासी फिरदौस कालोनी, थाना रामदास पेठ, मुजफ्फरनगर, अकोला, जिला अकोला (महाराष्ट्र) बताया। गवाहों के समक्ष जब संदेहियों के बैग की तलाशी ली गई, तो दोनों के कब्जे से अलग-अलग बैगों में खाकी टेप से लिपटे हुए गांजे के कुल 20 पैकेट (10-10 पैकेट) बरामद हुए। तौल करने पर बरामद मादक पदार्थ गांजा का कुल वजन 23.270 किलोग्राम पाया गया, जिसकी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत ?10,10,000/- (दस लाख दस हजार रुपये) आंकी गई है। इसके अतिरिक्त आरोपियों के पास से बिक्री की नगद रकम ?300/- तथा तस्करी में प्रयुक्त 01 नग मोबाइल फोन भी जब्त किया गया है। आरोपियों का यह कृत्य स्वापक औषधि और मन प्रभावी पदार्थ अधिनियम की धारा 20(बी) के तहत दंडनीय अपराध होने के कारण पुलिस चौकी चिचोला में अपराध पंजीबद्ध किया गया। आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल दाखिल कर दिया गया है।

सहकारिता से मजबूत होगा गांव और किसान : सचिन सिंह बघेल

महानगर मेट्रो ब्यूरो।

राजनांदगांव। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित राजनांदगांव में शनिवार को आयोजित प्रेसवार्ता में बैंक के अध्यक्ष सचिन बघेल एवं उपाध्यक्ष भरत वर्मा ने बताया कि प्रदेशभर में 29 जून से 6 जुलाई 2026 तक सहकारिता सप्ताह का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान किसानों, सहकारी समितियों, दुग्ध उत्पादकों तथा आम नागरिकों को केंद्र में रखकर जिला एवं राज्य स्तर पर अनेक जनहितकारी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सहकारिता सप्ताह का उद्देश्य सहकारी संस्थाओं को अधिक सशक्त बनाना, किसानों की आय में वृद्धि करना, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना तथा अधिक से अधिक लोगों को सहकारिता आंदोलन से जोड़ना है। प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए अध्यक्ष सचिन बघेल एवं उपाध्यक्ष भरत वर्मा ने बताया कि सहकारिता सप्ताह का शुभारंभ 29 जून को पैक्स सशक्तिकरण एवं सहकारिता जागरूकता कार्यक्रम के साथ होगा। इस अवसर पर सहकारिता जागरूकता कार्यशालाएं, बायोमेट्रिक पंजीयन, सदस्यता विस्तार अभियान तथा संयुक्त समितियों की भूमिका पर परिचर्चा आयोजित की जाएगी। इन कार्यक्रमों से लगभग डेढ़ लाख सदस्य एवं दुग्ध उत्पादकों के लाभान्वित होने की संभावना है। उन्होंने बताया कि 30 जून को जिला सहकारी केंद्रीय बैंकों में जिला विकास समन्वय एवं अनुश्रवण समिति की बैठक आयोजित होगी। साथ ही एफपीओ एवं पैक्स की किसानों की आय बढ़ाने में भूमिका पर विशेषज्ञों द्वारा चर्चा की जाएगी। 1 जुलाई को आधुनिक कृषि तकनीकों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ड्रोन के माध्यम से तरल उर्वरक छिड़काव का प्रदर्शन, कृषक संगोष्ठी तथा मृदा स्वास्थ्य विषय पर परिचर्चा आयोजित की जाएगी, जिससे किसानों को नई तकनीकों की जानकारी मिल सके। इसी क्रम में 2 जुलाई को पैक्स बैंक शाखाओं में मॉडल पैक्स का भ्रमण कराया जाएगा। साथ ही महिला हितग्राहियों को एटीएम केसीसी कार्ड एवं रुपे केसीसी कार्ड वितरित किए जाएंगे, ताकि बैंकिंग सेवाओं का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंच सके। 3 जुलाई को पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से वृक्षारोपण एवं स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। इसके अलावा छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ द्वारा प्रकाशित पाक्षिक सहकारी समाचार पत्र के प्रचार-प्रसार का भी कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। 4 जुलाई को पैक्स द्वारा संचालित जनऔषधि केंद्रों में स्वास्थ्य शिविर लगाए जाएंगे,प्रेसवार्ता में बताया गया कि 5 जुलाई को प्रदेश के 10 आदिवासी जिलों बस्तर, दंतेवाड़ा, कांकेर, बीजापुर, नारायणपुर, सुकमा, कोंडागांव, कोरबा, महासमुंद एवं राजनांदगांव–में विशेष सहकारिता सदस्यता अभियान चलाया जाएगा।

हिम्मतनगर म्युनिसिपैलिटी की जनरल मीटिंग में चीफ ऑफिसर को भूटान ले जाने के लिए राजनीतिक दांव-पेंच चले

महानगर मेट्रो ब्यूरो

साबरकांठा। मेमन बोर्ड द्वारा कर्मचारियों के ट्रांसफर के फैसले पर विवाद गुरुवार को हुई हिम्मतनगर म्युनिसिपैलिटी की जनरल मीटिंग में चार कर्मचारियों के ट्रांसफर का मुद्दा गरमा गया। हालांकि चीफ ऑफिसर के पास कर्मचारियों के ट्रांसफर, काम और ड्यूटी देने आदि का अधिकार है, लेकिन जनरल मीटिंग में बोर्ड के पास अधिकार न होने के बावजूद प्रस्ताव पास होने के बाद रातों-रात ऑफिस ऑर्डर जारी होने का मामला अब कानून की गिरफ्त में पहुंच गया है और विरोधी पार्टी द्वारा गैर-कानूनी प्रस्ताव पास करने के लिए रीजनल कमिश्नर के सामने अपील की जाएगी। गुरुवार शाम को नगर पालिका के मीटिंग हॉल में पालिकाध्यक्ष अरुणाबेन पांडिया की अध्यक्षता और मुख्य अधिकारी उपेंद्र गढ़वी की मौजूदगी में हुई आमसभा में नए जिम सेक्टर, लाइब्रेरी के निर्माण समेत विकास कार्यों की पुष्टि समेत अतिरिक्त ड्यूटी लगाने और चार कर्मचारियों (क्रमांक 19) को स्थानांतरित करने का मुद्दा चर्चा के लिए लाया गया और बहुमत के बाद विरोधी पक्ष के आग्रह के आगे झुकते हुए प्रस्ताव पारित कर दिया गया। रातों-रात तीन स्थाई क्लर्क अरुणभाई प्रजापति को आवास विभाग के प्रमुख के तौर पर स्वतंत्र काम, हितेशभाई रावल को आवास कार्य के अलावा व्यापार कर, क्लर्कशिप विभाग का स्वतंत्र काम, वसंतभाई के. पटेल को आवास कार्य के अलावा आंतरिक लेखा परीक्षा का स्वतंत्र काम और आकाश बारोट को भूमिगत सीवरेज विभाग में विभाग प्रमुख के मार्गदर्शन में सिर्फ एसटीपी और पंपिंग स्टेशन से जुड़े काम संभालने के कार्यालय आदेश दिए गए। विरोधी पक्ष के नेता इमरान अलजीवाला ने बताया कि आमसभा में हमने एजेंडा आइटम क्रमांक 2 पर आपत्ति दर्ज कराई है। 19 कर्मचारी सर्विस के मुद्दे पर। गुजरात म्युनिसिपैलिटी एक्ट 1963 के सेक्शन 47(2) के अनुसार, कर्मचारियों पर एडमिनिस्ट्रेटिव और डिसिप्लिनरी फैसले लेने का अधिकार सिर्फ चीफ ऑफिसर के पास है। जनरल मीटिंग के पास कोई कानूनी अधिकार नहीं है। हिम्मतनगर म्युनिसिपैलिटी में काम करने वाले कुछ कर्मचारी, चीफ ऑफिसर पर दबाव डालकर प्रमोट करवाने की कोशिश कर रहे थे।

उपयोगकर्ताओं की संख्या नहीं, उनकी सुरक्षा हो सोशल मीडिया कंपनियों की पहली प्राथमिकता : विवेक मोनू भंडारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

हेमंत वर्मा / राजनांदगांव। सामाजिक कार्यकर्ता विवेक मोनू भंडारी ने देश में लगातार बढ़ रहे साइबर अपराध, फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट, पहचान की चोरी, ऑनलाइन ठगी और अकाउंट हैकिंग की घटनाओं पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए केंद्र सरकार, सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय तथा सोशल मीडिया कंपनियों से सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने की मांग की है। भंडारी ने कहा कि आज फेसबुक, व्हाट्सऐप, इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म करोड़ों लोगों के जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुके हैं, लेकिन इन्हीं माध्यमों का सबसे अधिक दुरुपयोग साइबर अपराधी कर रहे हैं। फर्जी प्रोफाइल बनाकर लोगों से ठगी करना, किसी अन्य व्यक्ति की पहचान का उपयोग कर अपराध करना, ब्लैकमेल करना, अफवाह फैलाना और निर्दोष लोगों को झूठे मामलों में फंसाना लगातार बढ़ रहा है। कई बार अपराध कोई और करता है, लेकिन उसकी सजा और कानूनी परेशानियां किसी निर्दोष व्यक्ति को झेलनी पड़ती हैं। इससे आम नागरिकों का विश्वास भी प्रभावित होता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान व्यवस्था में कोई भी व्यक्ति कुछ ही मिनटों में फर्जी जानकारी देकर सोशल मीडिया पर अकाउंट बना सकता है। यही कमजोरी साइबर अपराधियों के लिए सबसे बड़ा हथियार बन गई है। इसलिए अब समय आ गया है कि सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म पर अकाउंट बनाने की प्रक्रिया को पूरी तरह सुरक्षित और जवाबदेह बनाया जाए। विवेक मोनू भंडारी ने मांग की कि फेसबुक, व्हाट्सऐप, इंस्टाग्राम सहित सभी प्रमुख सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म पर नया अकाउंट बनाने के लिए लाइव फोटो सत्यापन (Live PhotoVerification) तथा मोबाइल में उपलब्ध फिंगरप्रिंट या फेस लॉक जैसे सुरक्षित बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण को अनिवार्य किया जाए। जब तक वास्तविक व्यक्ति अपनी पहचान की पुष्टि न करे, तब तक सोशल मीडिया अकाउंट बनाने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि केवल अकाउंट बनाते समय ही नहीं, बल्कि हर बार सोशल मीडिया ऐप खोलते समय भी फिंगरप्रिंट या फेस लॉक के माध्यम से उपयोगकर्ता की पहचान सुनिश्चित की जाए। यदि किसी व्यक्ति का मोबाइल चोरी हो जाए या उसका पासवर्ड किसी अन्य के हाथ लग जाए, तब भी बिना बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण के सोशल मीडिया अकाउंट नहीं खुल सके। इससे अकाउंट के दुरुपयोग और हैकिंग की घटनाओं में काफी कमी लाई जा सकती है। भंडारी ने कहा कि प्रत्येक उपयोगकर्ता को अपने सोशल मीडिया अकाउंट में यह सुविधा भी मिलनी चाहिए कि वह आसानी से देख सके कि उसका अकाउंट किन-किन मोबाइल, कंप्यूटर या अन्य डिवाइसों पर सक्रिय है तथा किन-किन स्थानों से लॉगिन किया गया है। यदि कोई संदिग्ध डिवाइस या स्थान दिखाई दे, तो उपयोगकर्ता तत्काल उसे लॉगआउट कर सके, पासवर्ड बदल सके और अपने अकाउंट को सुरक्षित कर सके।

दैनिक राशिफल

28 जून 2026, रविवार

रविवार का दिन कई राशियों के लिए नई शुरुआत, आत्मविश्वास और पारिवारिक सुख लेकर आएगा। कुछ राशियों को धन लाभ के अवसर मिलेंगे, जबकि कुछ को निर्णय लेते समय धैर्य रखने की आवश्यकता होगी। ग्रह-नक्षत्रों के प्रभाव से आज कार्यक्षेत्र, व्यापार और रिश्तों में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

♈ मेष (21 मार्च – 19 अप्रैल)
आज कार्यक्षेत्र में मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा। नए लोगों से मुलाकात लाभदायक रहेगी। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।
शुभ रंग: लाल | शुभ अंक: 9

♉ वृषभ (20 अप्रैल – 20 मई)
आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। रुका हुआ धन मिलने की संभावना है। व्यापार में लाभ होगा। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।
शुभ रंग: सफेद | शुभ अंक: 6

♊ मिथुन (21 मई – 20 जून)
करियर में नई जिम्मेदारी मिल सकती है। वाणी पर संयम रखें। विद्यार्थियों के लिए दिन अनुकूल रहेगा।
शुभ रंग: हरा | शुभ अंक: 5

♋ कर्क (21 जून – 22 जुलाई)
परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा। नौकरी में वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। निवेश सोच-समझकर करें।
शुभ रंग: क्रीम | शुभ अंक: 2

♌ सिंह (23 जुलाई – 22 अगस्त)
आत्मविश्वास बढ़ेगा। अधूरे कार्य पूरे होंगे। व्यापार में नई योजना सफल हो सकती है। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।
शुभ रंग: सुनहरा | शुभ अंक: 1

♍ कन्या (23 अगस्त – 22 सितंबर)
आज जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। कार्यस्थल पर आपकी मेहनत की सराहना होगी। खर्चों पर नियंत्रण रखें।
शुभ रंग: हरा | शुभ अंक: 7

♎ तुला (23 सितंबर – 22 अक्टूबर)
धन लाभ के अच्छे योग हैं। मित्रों से सहयोग मिलेगा। प्रेम संबंधों में मधुरता आएगी। यात्रा लाभदायक रहेगी।
शुभ रंग: गुलाबी | शुभ अंक: 6

♏ वृश्चिक (23 अक्टूबर – 21 नवंबर)
नई योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं। विरोधियों से सावधान रहें। परिवार में शुभ समाचार मिल सकता हैं।
शुभ रंग: मैरून | शुभ अंक: 8

♐ धनु (22 नवंबर – 21 दिसंबर)
भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। नौकरी और व्यापार दोनों में प्रगति के संकेत हैं।
शुभ रंग: पीला | शुभ अंक: 3

♑ मकर (22 दिसंबर – 19 जनवरी)
ऑफिस में अनावश्यक बहस से बचें। धैर्य और संयम से काम लें। शाम तक स्थिति आपके पक्ष में होती दिखाई देगी।
शुभ रंग: नीला | शुभ अंक: 10

♒ कुंभ (20 जनवरी – 18 फरवरी)
आज का दिन विशेष रूप से लाभकारी रहेगा। आय के नए स्रोत बन सकते हैं। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।
शुभ रंग: आसमानी | शुभ अंक: 11

♓ मीन (19 फरवरी – 20 मार्च)
रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। परिवार का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा और मन प्रसन्न रहेगा।
शुभ रंग: बैंगनी | शुभ अंक: 7

आज का ज्योतिषीय संदेश:
धैर्य, सकारात्मक सोच और संयम के साथ किए गए कार्य सफलता दिलाएंगे। किसी भी बड़े निर्णय से पहले अनुभवी व्यक्ति की सलाह लेना लाभदायक रहेगा।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com
अहमदाबाद, (रविवार)
28 जून 2026

नई भाजपा के रोल मॉडल हैं योगी, हेमंत और शुभेंदु!

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

भाजपा का आज तक का ट्रैक हिंदुत्व का वैचारिक और राजनीतिक इस्तेमाल कर सत्ता में आने का रहा है। देश की राजनीति में चल रहे विमर्श में भाजपा बड़ी चतुराई से इस कार्ड का इस्तेमाल तो करती थी, किंतु उसके नेतृत्व में इसे लेकर एक हिचक बनी रहती थी। वो हिचक अटल जी से लेकर आडवानी तक हर दौर में दिखी है।

उत्तर प्रदेश एक ऐसे मुख्यमंत्री से रूबरू है, जिसे राजनीति के मैदान में बहुत गंभीरता से नहीं लिया जा रहा था। उनके बारे में यह ख्यात था कि वे एक खास वर्ग की राजनीति करते हैं और भारतीय जनता पार्टी भी उनकी राजनीतिक शैली से पूरी तरह सहमत नहीं है। लेकिन उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ ने जिस तरह अपनी पकड़ बनाई है और देश में एक अलग माडल खड़ा दिया है, वह सर्वत्र चर्चा का विषय है। इससे यह भी साबित हो रहा है कि 'अपनी राजनीति' के प्रति भाजपा का आत्मदैन्य कम हो रहा है। वहीं असम में हेमंत विश्वशर्मा उम्मीदों का चेहरा बनकर उभरे हैं, असम में तीसरी बार सरकार बनाकर भाजपा ने पूर्वोत्तर में इतिहास रच दिया है। इसी तरह गृहमंत्री अमित शाह की रणनीति से पश्चिम बंगाल की विजय ऐतिहासिक कही जा रही है और वहां बने मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के ताबड़तोड़ फैसलों ने जनविश्वास की हिलोरें पैदा की हैं। जड़ता को तोड़कर एक नई उम्मीद बनी है। केंद्रीय राजनीति में नरेंद्र मोदी और अमित शाह के आगमन ने भारतीय राजनीति के परिदृश्य को बदलकर रख दिया है।

वैचारिक हीनग्रंथि से बाहर आई भाजपा-

भाजपा का आज तक का ट्रैक हिंदुत्व का वैचारिक और राजनीतिक इस्तेमाल कर सत्ता में आने का रहा है। देश की राजनीति में चल रहे विमर्श में भाजपा बड़ी चतुराई से इस कार्ड का इस्तेमाल तो करती थी, किंतु उसके नेतृत्व में इसे लेकर एक हिचक बनी रहती थी। वो हिचक अटल जी से लेकर आडवानी तक हर दौर में दिखी है। भाजपा का हर नेता सत्ता पाने के बाद यह साबित करने में लगा रहता है वह अन्य दलों के नेताओं के कम 'सेकुलर' नहीं है। उत्तर प्रदेश की 'आदित्यनाथ परिघटना' दरअसल भाजपा की वैचारिक हीनग्रंथि से मुक्ति को स्थापित करती नजर आती है। नरेंद्र मोदी के राज्यारोहण के बाद योगी आदित्यनाथ का उदय भारतीय राजनीति में एक अलग किस्म की राजनीति की स्वीकृति का प्रतीक है। एक धर्मप्राण देश में धार्मिक प्रतीकों, भगवा रंग, सन्यासियों के प्रति जैसी विरक्ति मुख्यधारा की राजनीति में दिखती थी, वह अन्यत्र दुर्लभ है। भाजपा जैसे दल भी इस सेकुलर विकार से कम ग्रस्त न थे। धर्म और धमार्चार्यों का इस्तेमाल, धार्मिक आस्था का दोहन और सत्ता पाते ही सभी धार्मिक प्रतीकों से मुक्ति लेकर सारी राजनीति सिर्फ तुष्टीकरण में लग जाती थी। प्रधानमंत्रियों समेत जाने कितने सत्ताधीशों के ताज जामा मस्जिद में झुके होगें, लेकिन हिंदुत्व के प्रति उनकी हिचक निरंतर थी।

यह भी कम आश्चर्यजनक नहीं की एक समय में दीनदयाल जी उदार थे, तो अटलजी और बलराज मधोक अपनी वक्रता के चलते उग्र नेता माने जाते थे। अटलजी का दौर आया तो लालकृष्ण आडवाणी उग्र कहे जाने लगे, फिर एक समय ऐसा भी आया जब आडवानी उदार हो गए और नरेंद्र मोदी उग्र मान जाने लगे। आज की व्याख्याएं सुनें- नरेंद्र मोदी उदार हो गए हैं और योगी आदित्यनाथ और गृहमंत्री अमित शाह उग्र माने जाने लगे हैं। अब तो असम के मुख्यमंत्री हेमंत विश्वशर्मा और पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी भी आदित्यनाथ की परंपरा के मुख्यमंत्री कहे जाने लगे हैं।

सेकुलर संक्रमण से मुक्ति से मिली नई पहचान-

यह मीडिया, बौद्धिकों की अपनी रोज बनाई जाती व्याख्याएं हैं। लेकिन सच यह है कि अटल, मधोक, आडवानी, मोदी, अमित शाह या आदित्यनाथ, हेमंत विश्वशर्मा और शुभेंदु अधिकारी कोई अलग-अलग लोग नहीं है। एक विचार के प्रति समर्पित राष्ट्रनायकों की सूची है यह। इसमें कोई कम जा ज्यादा उदार या कठोर नहीं है। किंतु भारतीय राजनीति का विमर्श ऐसा है जिसमें वास्तविकता से अधिक ड्रामे पर भरोसा है। भारतीय राजनेता की मजबूरी है कि वह टोपी पहने, रोजा भले न रखे किंतु इफ्तार की दावतें दे। आप ध्यान दें सरकारी स्तर पर यह प्रहसन लंबे समय से जारी रहा है। भाजपा भी इसी राजनीतिक क्षेत्र में काम करती है। उसमें भी इस तरह के रोग हैं। वह भी राष्ट्रनीति के साथ थोड़े तुष्टिकरण को गलत नहीं मानती। जबकि उसका अपना नारा रहा है सबको न्याय, तुष्टिकरण किसी का नहीं। उसका एक नारा यह भी रहा है-'राम, रोटी और इंसाफ।'

लंबे समय के बाद भाजपा में अपनी वैचारिक लाइन को लेकर गर्व का बोध दिख रहा है। असरे बाद वे भारतीय राजनीति के सेकुलर संक्रमण से मुक्त होकर अपनी वैचारिक भूमि पर गरिमा के साथ खड़े दिख रहे हैं। समझौतों और आत्मसमर्पण की मुद्राओं के बजाए उनमें अपनी वैचारिक भूमि के प्रति हीनताग्रंथि के भाव कम हुए हैं। अब वे अन्य दलों की नकल के बजाए एक वैचारिक लाइन लेते हुए दिख रहे हैं। दिखावटी सेकुलरिज्म के बजाए वास्तविक राष्ट्रीयता के उनमें दर्शन हो रहे हैं। मोदी जब एक सौ चालीस करोड़ हिंदुस्तानियों की बात करते हैं तो बात अल्पसंख्यक और बहुसंख्यक से ऊपर चली जाती है। यहां देश सम्मानित होता है, एक नई राजनीति का प्रारंभ दिखता है। एक भगवाधारी संन्यासी जब मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठता है तो वह एक नया संदेश देता है। वह संदेश त्याग का है, परिवारवाद के विरोध का है, तुष्टिकरण के विरोध का है, सबको न्याय का है।

भारतीयता का विमर्श अब केंद्रीय विमर्श-

आजादी के बाद के सत्तर सालों में देश की राजनीति का विमर्श भारतीयता और उसकी जड़ों की तरफ लौटने के बजाए घोर पश्चिमी और वामपंथी रह गया था। जबकि बेहतर होता कि आजादी के बाद हम अपनी ज्ञान परंपरा की और लौटते और अपनी जड़ों को मजबूत बनाते। किंतु सत्ता, शिक्षा, समाज और राजनीति में हमने पश्चिमी तो, कहीं वामपंथी विचारों के आधार पर चीजें खड़ी कीं। इसके कारण हमारा अपने समाज से ही रिश्ता कटता चला गया। सत्ता और जनता की दूरी और बढ़ गयी। सत्ता दाता बन बैठी और जनता याचक। सेवक मालिक बन गए। ऐसे में लोकतंत्र एक छद्म लोकतंत्र बन गया। यह लोकतंत्र की विफलता ही है कि हम सत्तर साल के बाद सड़कें बना रहे हैं। यह लोकतंत्र की विफलता ही है कि हमारे अपने नौजवानों ने भारतीय राज्य के खिलाफ बंदूकें उठा रखी थीं। गृहमंत्री अमित शाह के दृढ़संकल्प की बदौलत आज माओवादी आतंक का अंत भी हमने देखा। पिछले सत्तर सालों में लोकतंत्र की विफलता की ये कहानियां सर्वत्र बिखरी पड़ी हैं। राजनीतिक तंत्र के प्रति उठा भरोसा भी साधारण नहीं था। आज ऐसा लगता है कि राजनीति से कुछ हो सकता है। मोदी,शाह, आदित्यनाथ भरोसे के प्रतीक बन गए। इसका मतलब यह भी है कि ये कुछ कह रहे हैं तो करेंगें भी।

नरेंद्र मोदी, अमित शाह, आदित्यनाथ देश की इन्हीं उम्मीदों के चेहरे हैं। तीनों अंग्रेजी नहीं बोलते। तीनों जन-मन-गण के प्रतिनिधि हैं। यह भारतीय राजनीति का बदलता हुआ चेहरा है। क्या सच में भारत खुद को पहचान रहा है ? वह जातियों, पंथों, क्षेत्रों की पहचान से अलग एक बड़ी पहचान से जुड़ रहा है- वह पहचान है भारतीय होना, राष्ट्रीय होना। एक समय में राजनीति हमें नाउम्मीद करती हुयी नजर आती थी। बदले समय में वह उम्मीद जगा रही है। कुछ चेहरे ऐसे हैं जो भरोसा जगाते हैं। एक आकांक्षावान भारत बनता हुआ दिखता है। यह आकांक्षाएं राजनीति दलों के एजेंडे से जुड़ पाएं तो देश जल्दी और बेहतर बनेगा। राजनीतिक विमर्श और जनविमर्श को साथ लाने की कवायद हमें करनी ही होगी। जल्दी बहुत जल्दी। यह जितना और जितना जल्दी होगा भारत अपने भाग्य पर इठलाता दिखेगा।

संपादकीय

आस्था से छल

अयोध्या में राम मंदिर में भक्तों द्वारा दिए दान और कीमती सामान की हेराफेरी की घटनाओं ने देश-विदेश के रामभक्तों को विचलित किया है। कभी आमजन में कहा जाता था कि ह्यभगवान से डरह्ण, लेकिन पैसे की हवस देखिए कि मंदिर प्रबंधन से जुड़े चंद लोगों ने भगवान के घर में चोरी करने में कोई डर महसूस नहीं किया। ये प्रबंधन व व्यवस्था की पारदर्शिता की खोट तो है ही, मानवीय मूल्यों के पतन की पराकाष्ठा भी है कि मंदिर में चढ़ावे की देखरेख को तैनात लोग ही चोरी-चकारी में लिप्त हो जाएं। इस मामले में विपक्ष के तीखे हमले और जनाक्रोश के बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने मामले की जांच के लिए आनन-फानन में एसआईटी गठित की, रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंपी, प्राथमिकी दर्ज की और वीरवार को प्रबंधन से जुड़े आठ कर्मचारियों की गिरफ्तारी भी हो गई। लेकिन अपने आराध्य राम के चढ़ावे की चोरी से आहत भक्तों के जख्मों पर शायद तभी मरहम लगेगी, जब दोषियों को सख्त सजा दी जाएगी। निश्चित ही यह चोरी का प्रकरण भाजपा व संघ को परेशान करने वाला है। उस राजनीतिक दल के लिये, जिसके कभी दो सांसद हुआ करते थे और राम मंदिर की मुहिम से हासिल जनसमर्थन से केंद्र व तमाम राज्यों में उसकी सरकारें बनी हैं। खासकर, भाजपा के लिए यह मुद्दा परेशानी का सबब हो सकता है क्योंकि राम जन्म भूमि वाले प्रदेश में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। जिस मुद्दे को लेकर भाजपा राज्य की सत्ता में आती रही है, उस मुद्दे पर विपक्ष हमलावर होगा। निस्संदेह, इस प्रकरण से राम भक्तों की आस्था को गहरी चोट तो पहुंची है। सवाल राम मंदिर ट्रस्ट की नाकामी पर भी उठेंगे कि उसने समय रहते इस चोरी को क्यों नहीं पकड़ा। बेहतर होता कि दोषियों के खिलाफ ट्रस्ट की तरफ से स्वतः प्राथमिकी दर्ज करके कार्रवाई की जाती। सवाल पूछा जा सकता है कि आखिर क्यों ट्रस्ट चंदे की रकम का हिसाब-किताब विश्वसनीय तरीके से नहीं रख पाया। निश्चय ही इस प्रकरण से श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की साख भी दांव पर लगी है। वह उन भक्तों की भावनाओं की रक्षा नहीं कर पाया, जिन्होंने मंदिर निर्माण से लेकर अब तक दिल खोलकर दान दिया। जब चंदा प्रबंधन से जुड़े लोगों के घर से लाखों की नकदी बरामद हुई और चोरी के पैसे से जमीन खरीदने के आरोप सामने आए तो भक्तों की आस्था पर आंच आना स्वाभाविक ही है। आरोप सिर्फ नकदी के हेरफेर के ही नहीं लगे बल्कि कीमती गहनों को खुर्दबुर्द करने के भी लगे। वहीं प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के दौरान दान में मिली चांदी की छड़ों के गायब होने का भी आरोप है। बहरहाल, 2027 के यूपी विधानसभा चुनावों से कुछ महीने पहले सामने आए इस विवाद ने प्रदेश में राजनीतिक हलचल मचा दी है। विपक्ष जहां दोषियों पर समय रहते कार्रवाई न करने का आरोप लगा रहा है, वहीं भाजपा इन आरोपों को अयोध्या को बदनाम करने और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने की कोशिश बता रही है। वहीं दूसरी ओर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने धैर्य रखने की अपील करते हुए कहा कि जिन भक्तों ने मंदिर निर्माण के लिए पांच सौ साल तक इंतजार किया, उन्हें एसआईटी जांच अंतिम निष्कर्ष तक पहुंचने का इंतजार करना चाहिए।

चिंतन-मनन

आशा निराशा

एक मछुआरा था । उस दिन सुबह से शाम तक नदी में जाल डालकर मछलियाँ पकड़ने की कोशिश करता रहा , लेकिन एक भी मछली जाल में न फँसी। जैसे -जैसे सूरज डूबने लगा, उसकी निराशा गहरी होती गयी । भगवान का नाम लेकर उसने एक बार और जाल डाला । पर इस बार भी वह असफल रहा। पर एक वजनी पोटली उसके जाल में अटकी । मछुआरे ने पोटली निकला और टटोला तो झुंझला गया और बोला - हाय ये तो पत्थर है ! फिर मन मारकर वह नाव में चढा।

बहुत निराशा के साथ कुछ सोचते हुए वह अपने नाव को आगे बढ़ता जा रहा था और मन में आगे के योजनाओं के बारे में सोचता चला जा रहा था । सोच रहा था कल दुसरे किनारे पर जाल डालूँगा। सबसे छिपकर ...उधर कोई नही जाता ....वहां बहुत सारी मछलियाँ पकड़ी जा सकती है ... ।

मन चंचल था तो फिर हाथ कैसे स्थिर रहता ? वह एक हाथ से उस पोटली के पत्थर को एक -एक करके नदी में फेंकता जा रहा था । पोटली खाली हो गयी । जब एक पत्थर बचा था तो अनायास ही उसकी नजर उसपर गयी तो वह स्तब्ध रह गया । उसे अपने आँखों पर यकीन नही हो रहा था , यह क्या ! ये तो नीलम था । मछुआरे के पास अब पछताने के अलावा कुछ नही बचा था . नदी के बीचोबीच अपनी नाव में बैठा वह सिर्फ अब अपने को कोस रहा था । प्रकृति और प्रारब्ध ऐसे ही न जाने कितने नीलम हमारी झोली में डालता रहता है जिन्हें पत्थर समझ हम ठुकरा देते हैं।

तन से पहले मन का मिलनः क्यों आज के दांपत्य जीवन में 'संवाद' और 'धैर्य' की बेहद जरूरत है?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

स्त्री की अपेक्षा और पुरुष की दृष्टि हर स्त्री के दिल में एक सहज और बुनियादी ख्वाहिश होती है कि उसके जीवन में पति या प्रेमी के रूप में जो पुरुष आए, वह उसे केवल अपनी जिंदगी का एक हिस्सा न समझे, बल्कि उसके पूरे अस्तित्व का सम्मान करे। स्त्री चाहती है कि उसकी भावनाओं की कद्र हो, उसके विचारों को तवज्जो मिले और उसके मौन के पीछे छिपे शब्दों को बिना कहे पढ़ा जाए। अक्सर हमारे समाज में लोग यह कहकर पल्ला झाड़ लेते हैं कि 'त्रिया चरित्र' या स्त्री के मन को समझना नामुमकिन है। लेकिन कड़वा सच यह है कि स्त्री केवल तब रहस्यमयी या कठिन लगती है, जब पुरुष उसे केवल उपभोग या वासना की नजर से देखता है। जिस क्षण कोई पुरुष स्त्री को प्रेम, आदर और गरिमा के साथ स्वीकार कर लेता है, उसी पल स्त्री अपने दिल में छुपा भावनाओं का अगाध समंदर अपने साथी पर न्योछावर करने के लिए बेचैन हो उठती है। जो पुरुष केवल स्त्री के बाहरी सौंदर्य या शारीरिक आकर्षण के पीछे भागता है, वह शायद उसका जिस्म तो हासिल कर लेता है, लेकिन उस रिश्ते में कभी भी आत्मिक संतुष्टि या परम आनंद नहीं पा सकता। सच्चा सुख और दांपत्य की पूर्णता तब मिलती है जब तन के साथ-साथ मन का भी मिलन हो। स्त्री के सिर के बालों से लेकर पैर की एड़ी तक की सुंदरता की तारीफ कवियों ने की है, क्योंकि वह कुदरत की सबसे हसीन कलाकृति है। लेकिन यह शारीरिक सुंदरता भी तभी चमकती है, जब उसका मन अंदर से सुरक्षित और खुश महसूस करता है।

सुविधा और अलयः आपसी सम्मान और धैर्य की एक आदर्श मिसाल

लगातार बिखरते रिश्तों के इस दौर में, शादीशुदा जिंदगी के इसी फलसफे को समझाने वाली एक बेहद खूबसूरत दास्तां है 'सुविधा और अलय' की। दोनों की शादी को अभी कुछ ही दिन हुए थे। सगाई (रोका) के बाद के समय को दोनों ने एक-दूसरे को जानने और समझने में बिताया था। दोनों के बीच पसंद भी थी और प्यार भी। लेकिन शादी की पहली रात (फर्स्ट नाइट) उनकी उम्मीदों से थोड़ी अलग और कुछ मुश्किल रही। सुविधा मानसिक रूप से तो अलय को अपना पति स्वीकार कर चुकी थी, लेकिन शारीरिक संबंध बनाने को लेकर उसके मन में एक अनजाना डर, संकोच और हिचकिचाहट थी। आज के दौर में कई पुरुष स्त्री के इस संकोच को नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन अलय एक संवेदनशील और समझदार जीवनसाथी था। वह सुविधा की मानसिक स्थिति को तुरंत भांप गया। उसने किसी भी तरह की जल्दबाजी या जबरदस्ती करने के बजाय, सुविधा को प्यार से अपनी बांहों में समेटा, उसके माथे को चूमा और बिना किसी शिकायत के सुला दिया। अलय सिर्फ जिस्म का भूखा नहीं था, उसके लिए सुविधा का मन और उसकी सहजता ज्यादा कीमती थी।

रोमांटिक छुअन और धीरे-धीरे पिघलती दूरियां

अलय जानता था कि शारीरिक रूप से करीब आने के लिए सबसे पहले मानसिक दूरियों को मिटाना जरूरी है। इसलिए, उसने सुविधा के साथ ज्यादा से ज्यादा क्वालिटी टाइम बिताना शुरू किया। दिनभर में घर के छोटे-मोटे कामों के बीच उसने हल्की-फुल्की और प्यारी शरारतें शुरू कीं। कभी सुविधा किचन या कमरे में काम कर रही होती, तो अलय पीछे से आकर उसे बांहों में भर लेता और उसके कंधे पर एक प्यार भरा चुंबन छोड़ देता। कभी सुबह उठते वक्त उसकी कमर पर अपनी उंगलियों से गुदगुदी कर देता। इस बिना किसी शर्त और बिना किसी अपेक्षा वाले 'स्पर्श' ने सुविधा के दिल में अलय के लिए आकर्षण को कई गुना बढ़ा दिया। हालांकि, सुविधा अभी भी अपने मन की उत्तेजना और इच्छाओं को बयां करने में शर्माती थी, लेकिन अलय ने अपना धैर्य नहीं खोया।

जब तन और मन एक हुएः सच्चे आनंद की वो रात

कहते हैं कि प्यार जब परिपक्व होता है, तो वह अपना रास्ता खुद ढूंढ लेता है। शादी के करीब एक महीने बाद एक दिन ऐसा आया जब अलय नहाकर, बदन पर सिर्फ तौलिया लपेटे बाथरूम से बाहर आया। इस पल अलय के पौरुष और उसकी सहजता को देखकर सुविधा अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख सकी। उसकी सांसें तेज हो गईं, दिल की धड़कनें बढ़ गईं और सारी शर्म-ओ-हया को पीछे छोड़कर वह पीछे से अलय से कसकर लिपट गई। अलय भी अपनी पत्नी के इस बदले मिजाज और उसकी तीव्र इच्छा को एक पल में समझ गया। उसने मुड़कर सुविधा को एक गहरा और आत्मीय चुंबन दिया। उस रात, शादी के एक महीने बाद, दोनों ने सही मायनों में अपनी 'सुहागरात' का आनंद लिया। वह मिलन अद्भुत था, क्योंकि उसमें केवल शारीरिक भूख नहीं थी, बल्कि दो आत्माओं का एक-दूसरे में खो जाने का गहरा संतोष था।

आज के आधुनिक कपल्स के लिए रेड सिग्नलः क्यों 'मशीन' बनते जा रहे हैं बेडरूम?

सुविधा और अलय की कहानी सुखद रही क्योंकि उनके बीच एक मौन समझदारी थी। लेकिन अगर हम आज के महानगरीय समाज पर नजर डालें, तो एक कड़वी हकीकत सामने आती है। आज ज्यादातर कपल्स शादी के बाद अपनी सेक्स लाइफ या अंतरंगता पर कभी खुलकर बात ही नहीं करते।

1. यांत्रिक संबंध (Mechanical Se&): आज की भागदौड़ भरी जिंदगी और वर्क-प्रेशर के कारण सेक्स महज एक रूटीन टास्क या 'टाइम-पास' बनकर रह गया है। रात को थके-हारे घर लौटने के बाद, केवल शारीरिक जरूरत पूरी करने के लिए एक मशीन की तरह क्रिया खत्म की जाती है और दोनों पीठ फेरकर सो जाते हैं।

2. संतुष्टि का अभाव और चुप्पीः पत्नी को अपने पार्टनर से चरम सुख मिल रहा है या नहीं, या पति को रिश्ते में कहीं कोई अधूरापन तो नहीं लग रहा–इस पर दोनों कभी संवाद नहीं करते। महिलाएं अक्सर संकोच के कारण चुप रह जाती हैं, जो बाद में चिड़चिड़ेपन या डिप्रेशन का रूप ले लेता है।

3. सिर्फ 'फर्ज' की बेड़ियांः पति-पत्नी को धीरे-धीरे लगने लगता है कि वे केवल समाज या बच्चों के खातिर एक छत के नीचे रह रहे हैं और उनका शारीरिक संबंध सिर्फ एक पारिवारिक जिम्मेदारी है। इसके उलट, सुविधा और अलय केवल शारीरिक रूप से ही करीब नहीं आए, बल्कि वक्त के साथ वे बेडरूम में एक-दूसरे की पसंद-नापसंद और अधूरे आनंद पर भी बहुत ही हल्के-फुल्के अंदाज में चर्चा करते थे। यही बेबाकी और निखालसता किसी रिश्ते को सालों-साल जिंदा रखती है।

'महानगर मेट्रो' का संदेशः दांपत्य को महकाने की संजीवनी बूटी

सभी कपल्स के लिए समझने वाली बात यह है कि शादी सिर्फ दो शरीरों का कानूनी या सामाजिक मेल नहीं है। अगर आप अपने रिश्ते की चमक और प्यार की खुशबू को ताउम्र बरकरार रखना चाहते हैं, तो तन से पहले मन का जुड़ना अनिवार्य है। अपने लाइफपार्टनर के सबसे अच्छे दोस्त बनिए, उनकी हिचकिचाहट को समझिए, उन्हें वक्त दीजिए और सेक्स जैसे संवेदनशील विषय पर बेडरूम के भीतर खुलकर, बिना किसी झिझक के संवाद कीजिए। जब दो दिमाग और दो दिल एक-दूसरे को पूरी तरह स्वीकार कर लेते हैं, तब तन का मिलन किसी दिव्य और स्वर्गीय आनंद से कम नहीं होता। तन और मन का यही संतुलन आपकी शादीशुदा जिंदगी को अटूट और अमर बनाएगा।

जब सिक्कों की खनक रिश्तों की चीख दबा दे आज के भौतिकवादी समाज का सबसे क्रूर चेहरा

महानगर मेट्रो ब्यूरो/ पवन माकन

जब रुपया संबंध से ज़्यादा मूल्यवान हो जाए, तब समझ लेना चाहिए कि इंसानियत अपनी अंतिम सांसें गिन रही है। आज के इस आधुनिक, चकाचौंध से भरे और बेहद मतलबी दौर पर चोट करती यह बात कोई साधारण वाक्य नहीं है। यह हमारे आज के समाज का वो कड़वा और नग्न सच है, जिससे हम हर रोज़ गुज़रते हैं। यह एक ऐसा आईना है, जो हमें दिखाता है कि कैसे कागज़ के चंद टुकड़ों के लिए आज का इंसान अपने ही खून के रिश्तों का गला घोंटने से भी नहीं हिचकिचाता।

1. जब तराजू के एक पलड़े पर 'पैसा' और दूसरे पर 'भावना' हो

एक वो दौर था जब हमारी संस्कृति में रिश्तों को सबसे ऊपर रखा जाता था। पड़ोसी के सुख-दुख में पूरा मोहल्ला जागता था और परिवार में कमाने वाला भले ही एक हो, पूरा घर प्यार और तालमेल से चलता था। लेकिन आज की तस्वीर बिल्कुल उलट है। आज किसी भी नए रिश्ते की शुरुआत ही इस छिपे हुए सवाल से होती है कि 'सामने वाले का बैंक बैलेंस कितना है?' या 'इससे मुझे क्या फायदा हो सकता है? जब रिश्तों की नींव ही नफे-नुकसान, फायदे-घाटे और ब्याज की शर्तों पर रखी जाने लगे, तो वहाँ भावनाओं की कोई जगह नहीं बचती। जिस पल दो इंसानों के बीच 'पैसा' सबसे मजबूत कड़ी बन जाता है, ठीक उसी पल बरसों पुराने स्नेह, आदर और भरोसे के दरवाज़े हमेशा के लिए बंद हो जाते हैं।

अपनों के बीच व्यापार और अदालतों की चौखट

आज अखबारों के पन्ने और अदालतों के गलियारे ऐसी कहानियों से पटे पड़े हैं, जहाँ सगे भाई ज़मीन के एक टुकड़े के लिए एक-दूसरे की जान के प्यासे बने बैठे हैं। कहीं बेटे अपने बूढ़े माता-पिता की संपत्ति धोखे से अपने नाम करवाकर उन्हें वृद्धाश्रम की राह दिखा रहे हैं, तो कहीं पैसों के लेन-देन में सालों पुरानी दोस्ती दम तोड़ रही है। यह सब क्या दिखाता है? यह उस पतन की पराकाष्ठा है जहाँ इंसान के लिए रुपया इतना बड़ा हो जाता है कि उसे सामने खड़े अपने ही पिता, भाई या दोस्त की आँखों के आँसू दिखने बंद हो जाते हैं। जब दिल में सिर्फ और सिर्फ लोभ का वास हो जाता है, तब इंसान की संवेदनाएं मर जाती हैं। ऐसा व्यक्ति भले ही करोड़ों के बंगले में रहता हो, लेकिन आत्मा की गहराई में वह सबसे कंगाल होता है।

बंद हुए भावनाओं के कपाट फिर कभी नहीं खुलते

पैसे की एक खूबी है - यह खोकर भी वापस कमाया जा सकता है। आज गया हुआ धन कल दोगुनी रफ्तार से वापस आ सकता है। लेकिन एक बार टूटा हुआ भरोसा और मरी हुई भावनाएं कभी लौटकर वापस नहीं आतीं। जब किसी इंसान को यह अहसास हो जाता है कि उसका इस्तेमाल सिर्फ आर्थिक स्वार्थ के लिए किया गया था, तब उसके भीतर का विश्वास हमेशा के लिए बिखर जाता है। इसके बाद आप चाहे कितनी भी दौलत उसके कदमों में बिछा दें, उसके दिल के बंद हो चुके दरवाज़े फिर कभी नहीं खुल सकते। आज समाज में अकेलेपन और तनाव के बढ़ने की सबसे बड़ी वजह यही है। हमारे आस-पास भीड़ तो बहुत है, लेकिन उस भीड़ में सच्चे दिल से यह पूछने वाला कोई नहीं है कि 'आप कैसे हैं?' सबको बस इसी बात में दिलचस्पी है कि 'आपकी हैसियत क्या है?

अंतिम संदेश और आत्म-चिंतनः

यह लेख केवल पढ़ने के लिए एक विचार नहीं है, बल्कि हर इंसान को रात में सोने से पहले अपने आप से पूछने की ज़रूरत है। पैसा ज़िंदगी जीने का एक साधन हो सकता है, ज़िंदगी का अंतिम मकसद नहीं। आख़िर में श्मशान तक ले जाने के लिए लकड़ियाँ भी इंसान ही देंगे, नोटों की गड्डियाँ नहीं। चलिए, रुपए के पीछे इतनी अंधी दौड़ न लगाएं कि जब हम थककर पीछे मुड़कर देखें, तो हमारे पीछे हमारा अपना कहने वाला कोई खड़ा ही न हो। रिश्तों की इस पवित्रता और गर्माहट को बचाए रखना ही हमारी असल अमीरी है।

गाजियाबाद के रिटायर्ड बैंक मैनेजर जाल में कैसे फंसे!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

यूपी। गाजियाबाद में साइबर जालसाजों ने 84 साल के रिटायर्ड बैंक मैनेजर और उनकी पत्नी को 12 दिनों तक डिजिटल अरेस्ट रखा. इस दौरान करीब 2.20 करोड़ रुपये की ठगी कर ली गई. आरोपियों ने वीडियो कॉल पर फर्जी अदालत लगाई. खुद को पुलिस, ईडी अधिकारी और 'जज' बताकर रोजाना चार से आठ घंटे तक पूछताछ की. डर और दबाव में आकर बुजुर्ग कपल ने अपनी जीवनभर की जमा पूंजी दे दी. इसी के साथ करीब 70 लाख रुपये उधार लेकर भी आरोपियों के खातों में ट्रांसफर कर दिए. साइबर क्राइम थाने में दर्ज एफआईआर के अनुसार, रामप्रस्थ ग्रींस सोसायटी में रहने वाले 84 साल के रिटायर्ड बैंक मैनेजर राम प्रकाश हूरिया के पास 22 मई को वॉट्सएप पर कॉल आया. कॉल करने वाले ने खुद को दरियागंज थाने का पुलिसकर्मी बताया और कहा कि साल 2023 में बैंक से जुड़े 538 करोड़ रुपये के कथित गबन मामले में आपके नाम का इस्तेमाल हुआ है. आपके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी हुआ है. इसके बाद कॉल करने वाले ने कहा कि आप किसी से भी बात नहीं करेंगे, इसी हिदायत के साथ डिजिटल अरेस्ट की बात कही. पीड़ित के अनुसार, अगले ही दिन वीडियो कॉल पर कथित ईडी अधिकारी और फिर फर्जी जज के सामने पेश किया गया. आरोपियों ने कहा कि बैंक खाते, सोना, मकान और अन्य संपत्तियों की जांच के लिए पूरी रकम सरकारी बैंक खातों में जमा करनी होगी और जांच पूरी होने पर पैसा वापस कर दिया जाएगा. इस दौरान आरोपियों ने वॉट्सएप चैट और नोटिफिकेशन भी डिलीट करवा दिए. लगातार निगरानी में रखा. एफआईआर के मुताबिक, 22 मई से 4 जून के बीच पीड़ित से अलग-अलग तारीखों में पांच बैंक खातों में कुल 2,19,73,003 रुपये आरटीजीएस के जरिए ट्रांसफर कराए गए.

RLD के राष्ट्रीय महासचिव त्रिलोक त्यागी पर SC-ST एक्ट में केस दर्ज, मथुरा में दिया था विवादित बयान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मथुरा। राष्ट्रीय लोक दल के राष्ट्रीय महासचिव त्रिलोक त्यागी के खिलाफ मथुरा के थाना हाईवे में एससी-एसटी एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के आदेश के बाद की गई है। त्रिलोक त्यागी पर सार्वजनिक मंच से एक संवैधानिक संस्था के लिए अपमानजनक और असंवैधानिक शब्द इस्तेमाल करने का आरोप है। जानकारी के अनुसार, गुरुग्राम के निवासी राजेंद्र प्रसाद की शिकायत पर यह एफआईआर दर्ज की गई है। 27 मई को मथुरा में राष्ट्रीय लोक दल की एक बैठक और जनसभा आयोजित की गई थी। आरोप है कि इस बैठक में त्रिलोक त्यागी ने अनुसूचित जाति आयोग को संबोधित करते हुए कथित तौर पर हरिजन आयोग शब्द का इस्तेमाल किया था। इस बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद दलित संगठनों में भारी आक्रोश फैल गया था। जिसके बाद मामले की शिकायत राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग से की गई थी।

भारत सरकार ने माना है असंवैधानिक

लोकदल नेता के खिलाफ दर्ज कराई गई एफआईआर में साफ तौर पर इस बात का उल्लेख किया गया है कि भारत सरकार संसद और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा हरिजन शब्द के प्रयोग को पूरी तरह असंवैधानिक अमान्य और अपमानजनक माना जा चुका है। बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के सिद्धांतों और सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का हवाला देते हुए शिकायत में कहा गया कि ऐसे वर्जित शब्दों का प्रयोग जातिगत भेदभाव और हीन भावना को बढ़ावा देता है। आरोप है कि इसके बावजूद एक जिम्मेदार राजनीतिक पद पर बैठे नेता ने सार्वजनिक बैठक में इस अपमानजनक शब्द का इस्तेमाल किया जिससे समाज की भावनाओं और संवैधानिक गरिमा को ठेस पहुंची है। इस मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए मथुरा पुलिस प्रशासन पूरी मुस्तादी बरत रही है। थाना हाईवे में मुकदमा दर्ज किए जाने के तुरंत बाद इस पूरे केस की विवेचना सीओ रिफाइनरी को सौंप दी गई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है

एमपी हाईकोर्ट का बड़ा फैसला, आईएएस अफसर पर लगा 25000 का जुर्माना, खुद की जेब से देने होंगे पैसे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जबलपुर। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने नौकरशाही के लापरवाह रवैये पर कड़ा रुख अपनाया है। अदालत ने खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव रश्मि अरुण शमी द्वारा पेश की गई 'गलत अनुपालन रिपोर्ट' को बेहद गंभीरता से लिया है। कोर्ट ने आईएएस अधिकारी पर 25,000 रुपये का व्यक्तिगत जुर्माना ठोकते हुए आदेश दिया है कि यह राशि 7 दिनों के भीतर हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के खाते में जमा की जाए। कोर्ट ने स्पष्ट लहजे में कहा कि इस जुर्माने की भरपाई सरकारी खजाने से कतई नहीं होगी।

नियमितीकरण के नाम पर स्थायी कर्मी बनाने का खेल

यह पूरा मामला मनीष व्यास और अन्य कर्मचारियों की अवमानना याचिका से जुड़ा है। याचिकाकर्ताओं के वकील ने कोर्ट को बताया कि 27 मार्च 2025 को हाईकोर्ट ने इन कर्मचारियों के नियमितीकरण पर विचार करने का आदेश दिया था। इसके बावजूद, विभाग ने चालाकी दिखाते हुए 11 जून 2026 को एक नया आदेश जारी किया और पुरानी विनियमितीकरण योजना के तहत इन्हें महज 'स्थायी कर्मी' घोषित कर दिया। कोर्ट के मूल आदेश यानी नियमितीकरण पर कोई ठोस फैसला नहीं लिया गया, जिसे अदालत ने आदेश की अवहेलना माना।

'वरिष्ठ अधिकारी से ऐसी उम्मीद नहीं'

सुनवाई के दौरान एसीएस रश्मि अरुण शमी ने कोर्ट से बिना शर्त माफी मांगते हुए अपनी त्रुटिपूर्ण रिपोर्ट वापस लेने की गुहार लगाई। हालांकि, एकलपीठ ने उनके इस रवैये पर गहरी नाराजगी जताई। अतिरिक्त मुख्य सचिव जैसे शीर्ष और जिम्मेदार पद पर बैठे वरिष्ठ अधिकारी से ऐसी त्रुटिपूर्ण और गुमराह करने वाली अनुपालन रिपोर्ट की अपेक्षा बिल्कुल नहीं की जा सकती। सुधार का मौका दिया जा रहा है, लेकिन जवाबदेही तय करने के लिए जुर्माना जरूरी है। जबलपुर हाईकोर्ट एकलपीठ मुख्य बिंदुः इस मामले से जुड़ी एक रिट अपील फिलहाल अदालत में लंबित है और उस पर नोटिस जारी हो चुके हैं। अगली कार्रवाईः इसी वजह से हाईकोर्ट ने अवमानना मामले की अगली सुनवाई को जुलाई 2026 के तीसरे सप्ताह तक के लिए स्थगित कर दिया है।

मध्य प्रदेश के 4.5 लाख कर्मचारियों के लिए बड़ी खबर, सरकार ने शुरू की प्रमोशन की तैयारी, 29 जून को बुलाई 20 विभागों की बैठक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्य प्रदेश के करीब 4.5 लाख सरकारी कर्मचारियों के लिए एक बड़ी और राहत भरी खबर है। हाईकोर्ट में लंबे समय से लंबित पदोन्नति विवाद के बावजूद, राज्य सरकार ने राज्य में प्रमोशन की रुकी हुई प्रक्रिया को दोबारा शुरू करने के लिए अपने प्रयास तेज कर दिए हैं। मुख्य सचिव के कड़े निर्देशों के बाद सामान्य प्रशासन विभाग पूरी तरह एक्टिव हो गया है। विभाग ने आगामी 29 जून को 20 प्रमुख विभागों के अधिकारियों की एक हाई-लेवल बैठक बुलाई है, ताकि क्रेडर डिटेल्स और प्रमोशन के मानदंडों को अंतिम रूप दिया जा सके।

साल 2016 से अटका है मामला

मध्य प्रदेश में साल 2016 से प्रमोशन की प्रक्रिया सुप्रीम कोर्ट में लंबित आरक्षण विवाद के कारण पूरी तरह ठप पड़ी थी। गतिरोध को तोड़ने के लिए सरकार ने 17 जून 2025 को 'मध्य प्रदेश लोक सेवा पदोन्नति नियम-2025' को मंजूरी दी थी। हालांकि, इसे जबलपुर हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी। हाल ही में वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों ने कानूनी विशेषज्ञों से सलाह ली है, जिन्होंने हरी झंडी देते हुए कहा है कि क्योंकि हाईकोर्ट ने नए नियमों पर कोई सीधा स्टे नहीं लगाया है, इसलिए सरकार इस प्रक्रिया को आगे बढ़ा सकती है।

कर्मचारी संगठनों ने खड़े किए सवाल

सरकार के इस कदम से जहां युवाओं के लिए नए रोजगार और भर्ती के रास्ते खुलेंगे, वहीं दूसरी ओर कर्मचारी संगठनों ने इस पर तीखी आपत्ति दर्ज कराई है। संगठनों का कहना है कि सरकार ने पहले कोर्ट को कुछ और आश्वासन दिया था। विभागों को निर्देशः सभी 20 विभागों को निर्देश दिए गए हैं कि वे 29 जून की बैठक में अपने क्रेडर, स्वीकृत पदों, प्रमोशन की योग्यताओं और खाली पदों का पूरा ब्योरा लेकर आएं। असरः इस फैसले से न केवल प्रशासनिक स्तर पर खाली पद भरे जाएंगे, बल्कि पिछले एक दशक से अपनी बारी का इंतजार कर रहे लाखों कर्मचारियों को बड़ी राहत मिल सकती है।

'तमीज से बात करिए, आपका नाम नहीं लिया', सांसद कृष्णा पटेल पर भड़के MLA विशंभर यादव,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बांदा। समाजवादी पार्टी की अंदरूनी कलह एक बार फिर खुलकर सामने आ गई। सपा सांसद कृष्णा देवी पटेल और बबेरू विधायक विशंभर सिंह यादव के बीच तीखी नोकझोंक हो गई। विधायक विशंभर यादव ने सांसद कृष्णा पटेल को तमीज से बात करने को कहा। जिसके बाद जमकर हंगामा हुआ। नोकझोंक का वीडियो किसी कार्यकर्ता ने अपने मोबाइल में रिकॉर्ड कर लिया, जो सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है। शुक्रवार को पार्टी कार्यालय में आयोजित छत्रपति शाहूजी महाराज जयंती कार्यक्रम के दौरान सपा सांसद कृष्णा देवी पटेल और बबेरू विधायक विशंभर सिंह यादव के बीच काफी देर तक हंगामा होता रहा। बताया जा रहा है कि शाहूजी महाराज जयंती के अवसर पर आयोजित बैठक के दौरान विधायक विशंभर सिंह यादव ने बिना किसी का नाम लिए कहा कि पार्टी में कुछ ऐसे लोग हैं जो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की विचारधारा से प्रभावित हैं और उनसे सावधान रहने की जरूरत है। सांसद कृष्णा पटेल के बयान पर भड़के विधायकविधायक के इस बयान को सांसद कृष्णा देवी पटेल ने अपने ऊपर टिप्पणी समझ लिया और उन्होंने सीधे विधायक का नाम लेते हुए आरोप लगाया कि उनके खिलाफ जो भी साजिशें हो रही हैं, उसके पीछे विधायक विशंभर यादव का हाथ है। सांसद के आरोप पर विधायक विशंभर यादव तत्काल खड़े हो गए और उन्होंने नाराजगी जताते हुए कहा कि तमीज से बात करिए, जब किसी का नाम नहीं लिया है तो उनका नाम लेकर आरोप नहीं लगाए जाने चाहिए। इसके बाद दोनों नेताओं के बीच कुछ देर तक तीखी बहस होती रही, जिससे बैठक का माहौल गर्मा गया। स्थिति बिगड़ती देख पूर्व सपा जिलाध्यक्ष मधुसूदन कुशवाहा ने हस्तक्षेप किया और दोनों नेताओं को शांत कराया। इसके बाद बैठक की कार्यवाही आगे बढ़ाई गई।

मुरैना के किशनपुर में पति ने पत्नी और दो मासूमों को कुल्हाड़ी से काटा, फिर खुद भी ट्रेन के आगे कूदा, इलाके में तनाव

जहां बलवीर कुशवाहा नामक व्यक्ति ने अपनी पत्नी और दो मासूम बच्चों की कुल्हाड़ी से काटकर बेरहमी से हत्या कर दी। इस तिहरे हत्याकांड को अंजाम देने के बाद आरोपी ने खुद भी ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुरैना। चंबल अंचल के मुरैना जिले से एक ऐसी रूह कंपा देने वाली वारदात सामने आई है, जिसने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। किशनपुर गांव में रहने वाले बलवीर कुशवाहा नामक व्यक्ति ने शनिवार को अपने ही हंसते-खेलते परिवार को खत्म कर डाला। बलवीर ने पहले अपनी पत्नी और दो बेहद मासूम बच्चों पर कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ वार कर उन्हें मौत के घाट उतारा और फिर खुद भी नजदीक के रेलवे ट्रैक पर जाकर ट्रेन के आगे लेट गया। एक ही परिवार के चार लोगों की इस तरह मौत से गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है।

बंद कमरे में कुल्हाड़ी से काटा, मौके पर ही थमीं सांसें

पुलिस से मिली प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आरोपी बलवीर कुशवाहा ने घर में रखे धारदार कुल्हाड़ी से अपनी पत्नी रविता कुशवाहा पर हमला किया। चीख-पुकार सुनकर जब बच्चे बीच-बचाव करने आए, तो उसने तनिक भी दया नहीं दिखाई और 8 साल के बेटे आरव और महज 5 साल के मासूम देबू को भी बेरहमी से काट डाला। तीनों की मौके पर ही तड़प-तड़प कर मौत हो गई। इसके बाद आरोपी बलवीर तुरंत शिकारपुर रेलवे ट्रैक की तरफ भागा और सामने से आ रही ट्रेन के आगे कूदकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। इस दिल दहला देने वाली घटना के पीछे की असली वजह क्या थी, यह अब तक पूरी तरह साफ नहीं हो पाया है। शुरुआती कयासों में इसे गृहक्लेश या मानसिक तनाव से जोड़कर देखा जा रहा है। पुलिस पड़ोसियों और रिश्तेदारों से पूछताछ कर रही है।

जांच के बिंदुः पुलिस इस एंगल पर भी जांच कर रही है कि क्या बलवीर किसी वित्तीय संकट या किसी बाहरी दबाव में था। किशनपुर गांव में एहतियातन पुलिस बल तैनात किया गया है

बहस हुई तो 7 साल के बच्चे को लगा दिया पशुओं का इंजेक्शन, हुई मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बिजनौर। उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले में 7 वर्षीय रूहान की संदिग्ध मौत से सनसनी फैल गई. परिजनों का आरोप है कि 21 जून को पड़ोसियों से हुए विवाद के दौरान एक युवक ने बच्चे को पशुओं में इस्तेमाल होने वाला इंजेक्शन लगा दिया था. इसके बाद उसकी तबीयत बिगड़ती गई और मेरठ के अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई. बिजनौर जिले के मंडावर थाना क्षेत्र में 7 वर्षीय एक बच्चे की मौत के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई. परिजनों का आरोप है कि छह दिन पहले पड़ोसियों के साथ हुए विवाद के दौरान एक युवक ने बच्चे को पशुओं के लिए इस्तेमाल होने वाला इंजेक्शन लगा दिया था. घटना के बाद बच्चे की तबीयत लगातार बिगड़ती गई और मेरठ के अस्पताल में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई. पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है. अधिकारियों का कहना है कि मौत के वास्तविक कारण का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा.

21 जून को हुआ था विवाद

घटना मंडावर थाना क्षेत्र के मोहल्ला कस्साबान स्थित आयशा कॉलोनी की है. मृतक बच्चे की पहचान 7 वर्षीय रूहान के रूप में हुई है. रूहान की मां रेशमा, पत्नी गुलजार कुरैशी ने पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि 21 जून की शाम उनकी बेटी मस्जिद से पढ़ाई कर घर लौट रही थी. आरोप है कि रास्ते में पड़ोस में रहने वाले अरमान कुरैशी ने उसकी पिटाई कर दी. बेटी के शोर मचाने पर रेशमा अपने बेटे रूहान के साथ मौके पर पहुंचीं. आरोप है कि इसी दौरान विवाद बढ़ गया और पप्पू कुरैशी व अल्लू कुरैशी भी वहां पहुंच गए. परिजनों का कहना है कि तीनों ने उनके साथ मारपीट की. रेशमा का आरोप है कि झगड़े के दौरान अरमान कुरैशी ने उनके 7 वर्षीय बेटे रूहान को पशुओं में इस्तेमाल होने वाला इंजेक्शन लगा दिया. उनका कहना है कि घटना के तुरंत बाद उन्होंने मंडावर थाने में लिखित शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की थी. परिजनों के अनुसार घटना के कुछ दिन बाद बुधवार को रूहान की तबीयत अचानक गंभीर रूप से खराब हो गई. पहले उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन हालत नाजुक होने पर डॉक्टरों ने उसे मेरठ के हायर सेंटर रेफर कर दिया. वहां उपचार के दौरान शुक्रवार सुबह मासूम ने दम तोड़ दिया. पुलिस ने बच्चे के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. अधिकारियों का कहना है .

यूपी में ओबीसी युवाओं को कंप्यूटर के साथ अब मिलेगी AI की भी ट्रेनिंग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग अब ओबीसी युवाओं को कंप्यूटर प्रशिक्षण के साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) की भी ट्रेनिंग देगा। इसके लिए विभाग ने 'मुख्यमंत्री तकनीकी दक्षता प्रशिक्षण योजना' के नाम से नई योजना का प्रस्ताव तैयार किया है। इसके साथ ही विभाग ने एक और नई योजना का प्रस्ताव तैयार किया है, जिसके जरिए जिलों में ओबीसी छात्र-छात्राओं के लिए छात्रावासों का निर्माण होगा। इसे 'मुख्यमंत्री छात्रावास निर्माण योजना' नाम दिया गया है।

छात्र-छात्राओं को एआई ट्रेनिंग भी दी जाएगी

पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री नरेंद्र कश्यप ने बताया कि विभाग की ओर से अभी ओबीसी छात्र-छात्राओं को मुफ्त कम्प्यूटर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके तहत विद्यार्थियों को 'ओ लेवल' और 'ट्रिपल सी' के कोर्स करवाए जाते हैं। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में सिर्फ कंप्यूटर प्रशिक्षण ही पर्याप्त नहीं है। इसे ध्यान में रखते हुए ओबीसी छात्र-छात्राओं को कम्प्यूटर के साथ एआई की भी ट्रेनिंग दिए जाने की तैयारी की गई है। इसके लिए विभाग ने मुख्यमंत्री तकनीकी दक्षता प्रशिक्षण योजना' का प्रस्ताव तैयार कर मंजूरी के लिए भेजा है। उन्होंने आगे बताया कि इस योजना को विभाग की कम्प्यूटर प्रशिक्षण योजना के साथ जोड़कर चलाया जाएगा।

सात जिलों में बनेंगे छात्रावास

मंत्री नरेंद्र कश्यप ने बताया कि विभाग की ओर से अब तक प्रदेशभर में ओबीसी छात्र-छात्राओं के लिए 102 छात्रावासों का निर्माण करवाया जा चुका है। इनमे 59 हॉस्टल छात्रों के लिए और 43 हॉस्टल छात्राओं के लिए है। इन हॉस्टल की क्षमता 5400 छात्र-छात्राओं की है। उन्होंने बताया कि अब भी सात जिले ऐसे है, जहां ओबीसी छात्र-छात्राओं के लिए एक भी छात्रावास नहीं है। इन जिलों में छात्रावास निर्माण के लिए विभाग ने मुख्यमंत्री छात्रावास निर्माण योजना का प्रस्ताव तैयार किया है।

'केंद्र से पैसा मिलते ही शुरू होगा निर्माण'

मंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा कि नए छात्रावासों के निर्माण में केंद्रांश के लिए 24 करोड़ रुपये की डिमांड भारत सरकार को भेजी गई है। केंद्र से पैसा मिलते ही इन जिलों में भी उक्त योजना के तहत छात्रावासों का निर्माण शुरू हो जाएगा।

अब अरविंद केजरीवाल मामले की सुनवाई दूसरे जज करेंगे, जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने खुद को कर लिया था अलग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी की दिल्ली हाई कोर्ट में गर्मी की छुट्टियों के बाद 1 जुलाई से लागू होने वाले नए रोस्टर के तहत महत्वपूर्ण प्रशासनिक बदलाव किया गया है। अब सांसदों और विधायकों से जुड़े आपराधिक मामलों की सुनवाई जस्टिस मनोज जैन करेंगे। अब तक यह रोस्टर संभाल रहीं जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा को सिविल रिट याचिकाओं की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

1 जुलाई से बदल जाएगा हाई कोर्ट का रोस्टर

यह बदलाव ऐसे समय में हुआ है जब जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा हाल के महीनों में दिल्ली की आबकारी नीति मामले और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से जुड़े मामलों की सुनवाई को लेकर चर्चा में रही है। हालांकि, हाई कोर्ट में रोस्टर का पुनर्गठन नियमित प्रक्रिया है, लेकिन इसका समय हालिया घटनाक्रम के कारण विशेष ध्यान आकर्षित कर रहा है। विवाद तब शुरू हुआ था जब अरविंद केजरीवाल और अन्य पक्षकारों ने आबकारी नीति मामले में जस्टिस शर्मा की अदालत की कार्यवाही का बहिष्कार किया। इसके बाद अदालत ने उनके और अन्य संबंधित पक्षों के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही शुरू की। जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा पहले कर रही थी सुनवाई बता दें कि इससे पहले इस मामले की सुनवाई जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा कर रही थीं। आम आदमी पार्टी ने उन पर पक्षपात का आरोप लगाया था। इसके बाद मई में जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने केजरीवाल और अन्य नेताओं के खिलाफ सोशल मीडिया पर कथित अपमानजनक पोस्ट के लिए आपराधिक अवमानना का मामला शुरू किया और खुद को मुख्य केस से अलग कर लिया था। रविंद केजरीवाल ने चिट्ठी लिखकर पेश होने से इनकार कर दिया था दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली हाई कोर्ट की जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा को चिट्ठी लिखकर आबकारी नीति मामले में उनके सामने पेश होने से इनकार कर दिया था।

मुंडका की फैक्ट्री में दर्दनाक हादसा, सेप्टिक टैंक में दम घुटने से 3 मजदूरों की मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। मुंडका औद्योगिक क्षेत्र में शुक्रवार को बड़ा हादसा हो गया. एक फैक्ट्री में सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान दम घुटने से तीन मजदूरों की मौत हो गई. शुरुआती जांच में जहरीली गैस की चपेट में आने की बात सामने आई है. पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और फैक्ट्री मालिक की भूमिका भी जांच के दायरे में है. जानकारी के मुताबिक, हादसा शुक्रवार दोपहर मुंडका इंडस्ट्रियल एरिया की एक फैक्ट्री में हुआ. शुरुआती जांच में पता चला कि सबसे पहले एक मजदूर सेप्टिक टैंक की सफाई के लिए अंदर उतरा. कुछ देर बाद वह जहरीली गैस की वजह से बेहोश हो गया. उसे बाहर निकालने के लिए दो अन्य मजदूर भी टैंक में उतरे, लेकिन वे भी गैस की चपेट में आ गए. देखते ही देखते तीनों अंदर फंस गए. घटना की सूचना मिलते ही दिल्ली फायर सर्विस की टीम मौके पर पहुंची. रास्ते में ज्वालापुरी इलाके में भारी ट्रैफिक होने की वजह से शुरुआती रेस्क्यू में दिक्कत आई. इसके बाद दूसरी दमकल गाड़ी दूसरे रास्ते से भेजी गई. काफी मशक्कत के बाद तीनों मजदूरों को बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी. मृतकों की पहचान अरुण (38), संदीप (32) और चांद (42) के रूप में हुई है. तीनों सुल्तानपुरी के इंद्र झील इलाके के रहने वाले थे. शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है. हादसे की जानकारी डीडीएमए के जरिए एसडीएम मुंडका को भी दी गई. मुंडका थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. पुलिस यह भी पता लगा रही है कि सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान सुरक्षा नियमों का पालन किया गया था या नहीं. फैक्ट्री मालिक की भूमिका की भी जांच की जा रही है. यह हादसा एक बार फिर बिना सुरक्षा उपकरणों के सेप्टिक टैंक की सफाई कराने पर गंभीर सवाल खड़े करता है.

दुनिया में जहां जाओगे, वहीं मार देंगे', पुर्तगाल फायरिंग के बाद गैंगस्टर की धमकी भरा VIDEO

महानगर मेट्रो ब्यूरो

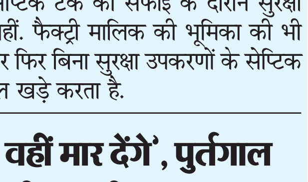

पुर्तगाल। सिदादे नोवा, ओदिवेलाश इलाके में भारतीय मूल के कारोबारी किशोर गुजराती पर हुई गोलीबारी अब सिर्फ फायरिंग की घटना नहीं रह गई है. हमले के बाद सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो और धमकी भरी पोस्ट ने इस मामले को नई दिशा दे दी है. सवाल सिर्फ यह नहीं है कि गोली किसने चलाई, बल्कि यह भी है कि गोलीबारी के बाद उसका वीडियो और जिम्मेदारी लेने का दावा सोशल मीडिया पर क्यों डाला गया. फायरिंग के बाद सोशल मीडिया पर राहुल आरके मीणा नाम के अकाउंट से एक पोस्ट वायरल हुआ. पोस्ट में दावा किया गया कि पुर्तगाल के सिदादे नोवा, ओदिवेलाश इलाके में किशोर गुजराती पर हुई गोलीबारी की जिम्मेदारी वही लेता है. इसके साथ ही एक वीडियो भी तेजी से वायरल हुआ, जिसमें एक शख्स पर गोली चलाते हुए देखा जा सकता है. दावा किया जा रहा है कि यह वीडियो उसी घटना का है. हालांकि इस वीडियो और पोस्ट की आधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं हुई है. वायरल पोस्ट में लिखा गया कि उनके मैसेज को नजरअंदाज करना मौत को न्योता देने के बराबर है. पोस्ट में यह भी कहा गया कि जिन लोगों को पहले फोन कॉल किए गए हैं, वो तैयार रहें क्योंकि उनके शरीर में भी कभी भी गोलियां दागी जा सकती हैं. पोस्ट में दावा किया गया कि मौका मिलते ही हमला किया जाएगा और हिसाब दिमाग से किया जाएगा.

कई गैंग और लोगों के नाम का भी जिक्र

वायरल पोस्ट में सुनील मीणा गैंग, अमन साहू गैंग, नरेश अबोहर, अर्चित छपराना समेत कई कथित गैंग और लोगों के नाम लिखे गए हैं. पोस्ट में यह भी दावा किया गया कि उनका नेटवर्क पूरी दुनिया तक फैला हुआ है. हालांकि इन सभी दावों की स्वतंत्र या आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है. वायरल दावों के मुताबिक, यह पहली बार है जब किसी कथित गैंगस्टर ने गोली मारने की घटना का वीडियो खुद सोशल मीडिया पर जारी किया है. दावा किया जा रहा है कि यह वीडियो नॉर्थ इंडिया के गैंगस्टर राहुल आरके मीणा की ओर से जारी किया गया. हालांकि पुलिस ने इस दावे की भी पुष्टि नहीं की है.

28 मेधावी विद्यार्थीयों को सर्वब्राम्हण समाज नागदा ने किया सम्मानित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागदा। सर्वब्राम्हण समाज का प्रतिभा सम्मान का आयोजन एगोशदीप स्कूल में सायं 5 बजे से प्रारम्भ हुआ। समाज के पुरूषोत्तम सारस्वत ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में खाचरौद भारतीय जनता पार्टी मण्डल अध्यक्ष मनीषा शर्मा, समाजसेवी विजयप्रकाश मेहता, चन्द्रशेखर दवे, रविकिशन पारीक, संयोजक गुलजारीलाल त्रिवेदी, आनंद दीक्षित मंचासीन थे। सभी अतिथियो ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया। सरस्वती वंदना की प्रस्तुति रेखा उपाध्याय ने दी। सभी अतिथियों का स्वागत कार्यक्रम संयोजक पुरूषोत्तम पुरोहित ने किया व स्वागत भाषण दिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि मनीषा शर्मा ने कहा कि सभी बच्चो को संस्कार दे क्योंकि आजकल बच्चे अच्छी शिक्षा तो प्राप्त कर रहे है परन्तु संस्कार भूलते जा रहे है। दवे जी ने शिक्षा के क्षेत्र में आगे कैसे बढ़े, इन बातों पर प्रकाश डाला। मेहताजी ने वर्तमान में विवाह संबंधो में आ रही परेशानियों को दूर करने पर जोर देने को कहा। आज जो समय चल रहा है वह चिंता का विषय है। इस मौंके पर अतिथियों ने समाज के मेघावी विद्यार्थीयों को सम्मानित किया गया उसमें आकांक्षा शर्मा(गोल्ड मेडलिस्ट), क्षिप्रा शर्मा, तोनीष शर्मा, पूजा शर्मा, दिव्यांश उपाध्याय, तन्मय मेहता, ईशान अग्निहोत्री, मोनिका शर्मा, यशवी शर्मा, साक्षी शर्मा, पूर्वा त्रिवेदी, पर्णिका शर्मा, आयुषी त्रिवेदी, श्रद्धा शर्मा, रितिक जोशी, सजल राजावत, वंदना शर्मा, रिया शर्मा, अर्चित ठाकुर, निखिल शर्मा, जिया शर्मा, साक्षी शर्मा, चंचल शर्मा, रूद्राक्ष शर्मा, भावन रावल, रीत शर्मा ऐसे समाज के प्रतिभाशाली जिन्होंने वार्षिक परीक्षा में 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त समाज का नाम रोशन किया। साथ ही एमबीए एवं खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेकर उत्कृष्ठ प्रदर्शन करने वालो को प्रतिभा सम्मान 2026 से सम्मानित करते हुए दुपट्टा व साफा बांधकर सम्मानित किया। इसी कड़ी में समाज में वर्षो से सेवा कार्य कर रहे समाज के सेवाभावी समाजसेवियों को भी दुपट्टा व स्मृतिचिन्ह देकर सम्मानित किया। जिसमें प्रमुख रूप से चन्द्रशेखर दवे, पं. विजयप्रकाश मेहता, पं. अजय मेहता, पं. रविकिशन पारीक, पं. मांगीलाल पण्ड्या को सम्मानित किया। चन्द्रशेखर दवे जी को ब्राम्हणो की उन्नति व धर्मशाला निर्माण में अहम भूमिका समाज के प्रति हमेशा एकता बनाए रखने हेतु उनके योगदान हेतु सम्मानित किया। विजयप्रकाश मेहता जी ने 41 जोडो का निःशुल्क विवाह सम्मेलन अपने निजी खर्च से किया। अजय पण्ड्या जी ने नगर में कर्मकाण्ड, वैदिक परम्पराओं से करने पर व सर्वपितृ अमावस्या पर नगर में ऐतिहासिक आयोजन करने पर, रविकिशन पारीक जी द्वारा मुक्तिधाम का कायापलट एवं सौन्दर्यीकरण के लिये, मांगीलाल पण्डया जी को नगर में रंगमंच के माध्यम से भारतीय संस्कृति को जीवित रखने हेतु अभिनन्दन किया गया। अभिनन्दन का वाचन अशोक शर्मा(मृदुल), प्रदीप दुबे, रोहित व्यास, मनीष व्यास, सुरेश उपाध्याय द्वारा किया गया। इस अवसर पर सुनील त्रिवेदी, राजेश शर्मा, हेमन्त तिवारी, मुरलीमनोहर पाराशर, दिनेश पुरोहित, सिद्धनाथ पाठक, संजय उपाध्याय, अरूण पोतदार, अनिल शुक्ला, देवेन्द्र नागर, राजेश भारद्वाज, राकेश दीक्षित, मधुसूदन भट्ट, देवेश मेहता, नंदकिशोर शर्मा, विमला पुरोहित, इन्दु पाण्डे, माया शर्मा, चन्द्रकान्ता शर्मा, अन्नपुर्णा शर्मा, शीला पुरोहित, चंचल पंडित, साधना शर्मा, पिंकी झा, ज्योति ठाकुर, अर्चना शर्मा, किरण जोशी, अंजली शर्मा, मीना शर्मा, आकांक्षा शर्मा, रजनी शर्मा, मधु शर्मा, योगिता शर्मा, आशा शर्मा, कविता शर्मा उपस्थित थी। कार्यक्रम का संचालन सीमा सारस्वत ने किया एवं आभार राकेश शर्मा ने माना।

नागदा में जैन संतों का मंगल प्रवेश,भक्तामर पाठ एवं सामूहिक प्रार्थना का आयोजन संपन्न'

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागदा। निद्रा विजेता, तपस्वीराज परम पूज्य गुरुदेव श्री लाभचन्द्रजी म.सा. के सुशिष्य तपोकेसरी उपप्रवर्तक श्री अरुणमुनिजी म.सा. एवं सेवाभावी श्री सुरेशमुनि जी म.सा. आदि ठाणा-2 का शनिवार को नागदा नगर में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। नगरवासियों एवं श्रद्धालुओं ने संतों का श्रद्धाभाव के साथ स्वागत किया। मिडिया प्रभारी नितिन बुडावनवाला एवं स्थानक संघ सचिव अरविंद नाहर ने बताया कि पूज्य संतगण बिरियाखेड़ी से विहार कर प्रातः आदित्य विद्या मंदिर, आर्य गार्डन चैराहा पहुंचे, जहां से नगर प्रवेश करते हुए गुलाब बाई कॉलोनी स्थित अरविंद नाहर के निवास (अर्चना टेंट हाउस) पर विराजमान हुए। नगर प्रवेश के उपरांत पूज्य गुरुदेव के सानिध्य में श्री भक्तामर पाठ एवं सामूहिक प्रार्थना का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में पुरुष एवं महिलाओं ने श्रद्धापूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर मुनिश्री ने भक्तामर स्तोत्र के पाठ का महत्व एवं उससे प्राप्त होने वाले आध्यात्मिक लाभों पर प्रकाश डाला। उपस्थित श्रद्धालुओं को मांगलिक श्रवण भी कराया गया तथा प्रभावना का लाभ नाहर परिवार ने लिया। इसके पश्चात संतों के सानिध्य में सिंधी कॉलोनी निवासी पारस गांधी के निवास पर सामूहिक नवकार मंत्र जाप का आयोजन भी संपन्न हुआ, जिसमें श्रद्धालुओं ने धर्मलाभ प्राप्त किया। रविवार को समाजसेवी सतीश जैन (सावेर वाले) के निवास पर श्री भक्तामर पाठ एवं सामूहिक नवकार मंत्र जाप का आयोजन किया जाएगा। पूज्य संतगण महावीर भवन से विहार कर उनके निवास पर पधारेंगे। राजेन्द्र काठेड, अक्षय नाहर, श्रेणीक बम, दिलीप काठेड, सुनील सकलेचा, राजेश सकलेचा,वर्धमान घोका, प्रकाशचन्द्र बुड़ावनवाला, सतीश जैन,कमल जैन (सहारा), अमित बम,संजय मुरडिया, धर्मेन्द्र बम,अनिल पावेचा, अजय मुरडिया, पारस पोखरना,सन्तोष नाहटा, राकेश कोलन, हर्ष तरवेचा, सुरेश गोलेच्छा, प्रशांत नाहर, गोरव नाहर एवं बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

गाजा में फ़िलिस्तीनी बच्चों के साथ हो रही क्रूरता पर केंद्र सरकार चुप क्यों है?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। गाजा पट्टी में इज़राइल और हमास के बीच चल रही भीषण लड़ाई और हिंसा की आग अब भारत के राजनीतिक गलियारों में भी तेज हो गई है। कांग्रेस की सीनियर नेता और संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने गाजा में हो रहे 'नरसंहार' और लगातार हो रहे अमानवीय हमलों को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर सबसे बड़ा और सबसे घातक राजनीतिक हमला किया है। सोनिया गांधी ने साफ तौर पर आरोप लगाया है कि भारत सरकार ने अपनी पारंपरिक संतुलित नीति को छोड़कर इज़राइल समर्थक रुख अपना लिया है, जो चिंताजनक है। सोनिया गांधी ने ग्लोबल स्टेज पर भारत के रुख पर सवाल उठाते हुए मांग की है कि मोदी सरकार को गाजा और फ़िलिस्तीन में लाखों मासूम नागरिकों, खासकर मासूम बच्चों पर हो रही अमानवीय क्रूरता और हिंसा का कड़ा विरोध करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत हमेशा से पीड़ितों और न्याय के साथ खड़ा रहने वाला देश रहा है, लेकिन मौजूदा सरकार ग्लोबल दबाव या अपने खास राजनीतिक हिसाब-किताब की वजह से इस भयानक मानवीय संकट पर चुप रही है। गाजा में हजारों बेगुनाहों की मौत और अस्पतालों और स्कूलों पर बमबारी सिर्फ युद्ध नहीं बल्कि नरसंहार है, जिसके खिलाफ भारत को आवाज उठानी चाहिए। अपने बयान में, कांग्रेस नेता ने भारत की ऐतिहासिक विदेश नीति का जिक्र करके मौजूदा शासकों को खरी-खोटी सुनाने की कोशिश की है। उन्होंने याद दिलाया कि महात्मा गांधी से लेकर पंडित जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी और अटल बिहारी वाजपेयी तक सभी भारतीय नेताओं ने हमेशा फिलिस्तीन की संप्रभुता और उसके नागरिकों के मानवाधिकारों का समर्थन किया था। लेकिन, मोदी सरकार ने इजरायल की तरफ बहुत ज्यादा झुककर भारत की दशकों पुरानी उस भरोसेमंद और स्वतंत्र छवि को नुकसान पहुंचाया है। सोनिया गांधी के इन कड़े आरोपों के बाद देश की राजनीति में एक नया विवाद खड़ा हो गया है। विपक्षी गठबंधन भी इस मुद्दे पर कांग्रेस के साथ हाथ मिला रहा है और मांग कर रहा है कि भारत इंटरनेशनल लेवल पर न्यूट्रल रहे और तुरंत सीज़फ़ायर के लिए दबाव डाले। दूसरी तरफ़, सत्ताधारी पार्टी BJP इन आलोचनाओं का जवाब यह कहकर दे रही है कि भारत की पॉलिसी हमेशा आतंकवाद का विरोध करने और देश के हितों को सबसे ऊपर रखने की रही है। लेकिन सोनिया गांधी के कड़े रुख़ ने यह साफ़ कर दिया है कि आने वाले दिनों में संसद से लेकर सड़क तक, सत्ताधारी पार्टी और विपक्ष गाज़ा संकट और भारत सरकार की विदेश नीति पर आमने-सामने की टक्कर के मूड में हैं।

एग्जाम कैंसिल होने की कगार पर, कैंडिडेट्स के भविष्य से कब तक खिलवाड़ होता रहेगा? सरकार के सामने सुलगते सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। जैसे देश में पेपर लीक करने वाला गैंग और करप्ट सिस्टम कानून से ऊपर हो गया है, वैसे ही एक और बड़े एग्जाम का पेपर लीक हो गया है। महाराष्ट्र में कल होने वाले प्रतिष्ठित टीचर्स एलिजिबिलिटी टेस्ट (TET-2026) का पेपर एग्जाम से कुछ घंटे पहले ठाणे में मिला, जिससे पूरे एजुकेशन जगत और लाखों कैंडिडेट्स में भारी गुस्सा है। पुलिस ने इस स्कैम के कुछ मास्टरमाइंड आरोपियों को गिरफ्तार किया है, लेकिन इस घटना की वजह से कल का एग्जाम कैंसिल होने की पूरी संभावना है। मिली जानकारी के मुताबिक, महाराष्ट्र पुलिस को एक पक्का लिंक मिला था कि TET एग्जाम का असली पेपर लीक हुआ है। पुलिस ने इस पूरे लिंक का पीछा करते हुए ठाणे इलाके में रेड मारी थी, जहां से कल के एग्जाम का क्वेश्चन पेपर मिला। शुरुआती जांच में पता चला है कि पेपर के एग्जाम सेंटर पहुंचने से पहले ही यह पेपर बिचौलियों और एजेंटों ने लाखों रुपये में कैंडिडेट्स को बेच दिया था। पुलिस ने इस रैकेट में शामिल लोगों को गिरफ्तार कर लिया है और उनसे कड़ी पूछताछ शुरू कर दी है। यह पहली घटना नहीं है, देश के अलग-अलग राज्यों में सरकारी भर्ती और एलिजिबिलिटी एग्जाम के पेपर बार-बार लीक हो रहे हैं। इस घटना के बाद एडमिनिस्ट्रेशन और हुक्मरानों के सामने कुछ ऐसे सवाल खड़े हो रहे हैं, जिनके जवाब लाखों युवा ढूंढ रहे हैं

1. सरकार के सख्त कानूनों की बातें सिर्फ कागजों पर ही क्यों हैं? अक्सर कहा जाता है कि पेपर लीक करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी, फिर इन स्कैमर्स को कानून का डर क्यों नहीं है?

2. एग्जाम एडमिनिस्ट्रेशन में बैठे 'व्हाइट-कॉलर' कौन हैं? स्ट्रॉन्ग रूम या सिक्योरिटी तोड़े बिना कोई पेपर लीक नहीं हो सकता। तो महाराष्ट्र एजुकेशन डिपार्टमेंट और एग्जामिनेशन बोर्ड में बैठे किन बड़े अधिकारियों की सरपरस्ती में यह काला धंधा चल रहा है? इसकी जांच कब होगी? 3. कैंडिडेट्स को हुए पैसे और दिमागी नुकसान की भरपाई कौन करेगा? जब सालों से मेहनत करके आए और बहुत गरीब हालात से आए कैंडिडेट्स एग्जाम देने के लिए अपने घरों से निकलते हैं और उन्हें पता चलता है कि पेपर लीक हो गया है, तो,ष्ट चैंबर में बैठे हुक्मरानों को क्या पता कि उनकी दिमागी हालत पर क्या बीतती है? जैसे ही इस भयानक धमाके की खबर जंगल में आग की तरह फैली, महाराष्ट्र समेत देश भर के स्टूडेंट ऑर्गनाइज़ेशन सड़कों पर उतर आए हैं। कैंडिडेट्स का कहना है कि वे कल एग्जाम देने के लिए दूर-दराज के सेंटर्स पर पहुंचे हैं, किराए का पैसा खर्च किया है और अब एग्जाम कैंसिल होने का डर है। अगर सरकार इस मामले में कोई ठोस और सख्त कदम नहीं उठाती है, तो यह तय है कि आने वाले दिनों में स्टूडेंट्स सरकार के खिलाफ एक ज़बरदस्त आंदोलन करेंगे। अब देखना यह है कि सरकार सिर्फ छोटे-मोटे मोहरे पकड़कर खुश होती है या इस लीकेज की असली जड़, गंगोत्री तक पहुंचकर एक मिसाल कायम करती है।

'मैं कोई अखबार नहीं जो रोज़ बदल जाऊँ...' - आज के 'इंस्टेंट युग' में शाश्वत प्रेम और वफादारी का एक अनमोल फलसफा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

'तेरे ही किस्से, तेरी ही कहानियाँ, मिलेंगे मुझ में...! मैं कोई अखबार नहीं जो, रोज़ बदल जाऊँ...!! जब शब्द सिर्फ होठों से नहीं बल्कि सीधे आत्मा से निकलते हैं, तो वे महज़ शायरी नहीं रह जाते, बल्कि ज़िंदगी का आईना बन जाते हैं। सोशल मीडिया पर बार-बार पढ़ी जाने वाली ये दो पंक्तियाँ सिर्फ किसी प्रेमी की अभिव्यक्ति नहीं हैं, बल्कि आज के भौतिकवादी और भागदौड़ भरे युग में रिश्तों की घटती संजीदगी के खिलाफ एक बहुत बड़ा ऐलान हैं। यह एक ऐसा अटूट वादा है जो कहता है कि दुनिया भले ही कितनी भी तेज़ रफ्तार से बदले, लेकिन मेरी भावनाएँ कोई 'डेली न्यूज़पेपर' नहीं हैं जो हर 24 घंटे में अपना चेहरा बदल लें!

1. 'इंस्टेंट कल्चर' और रिश्तों का खोखलापन

आज हम एक ऐसे दौर में जी रहे हैं जहाँ सब कुछ 'इंस्टेंट' (तुरंत) चाहिए - इंस्टेंट फूड, इंस्टेंट सक्सेस और शायद इंस्टेंट रिश्ते भी। सोशल मीडिया पर एक 'स्वाइप' करने से इंसान बदल जाते हैं और एक 'ब्लॉक' करने से सालों के रिश्ते सेकंडों में धुंधले हो जाते हैं। सुबह की 'ब्रेकिंग न्यूज़' जिस तरह शाम तक पुरानी और बेमानी हो जाती है, वैसे ही आज लोगों के दिलों में दूसरों की अहमियत भी बहुत तेज़ी से बदलने लगी है। ऐसे बदलते समय में, जब कोई इंसान बेहद ठहरे हुए अंदाज़ में कहता है कि 'मैं अखबार नहीं हूँ...' तो वह असल में यह भरोसा दिलाता है कि मेरा प्यार, मेरी वफादारी या मेरी दोस्ती समय, हालात या किसी नए आकर्षण को देखकर बदलेगी नहीं। यह एक चट्टान जैसी स्थिरता का वादा है।

2. अखबार और इंसानी फितरत की अनूठी तुलना

इस शायरी में 'अखबार' के प्रतीक का बड़ा ही सटीक इस्तेमाल किया गया है। एक अखबार की उम्र कितनी होती है? सिर्फ एक दिन। सुबह जिस अखबार को पाने के लिए लोग बेताब रहते हैं, शाम होते ही वह रद्दी के टोकरे में चला जाता है। अखबार की यह मजबूरी है कि उसे हर सुबह नए किस्से, नई सुर्खियाँ और नए चेहरे छापने ही पड़ेंगे, वरना उसका अस्तित्व ही खत्म हो जाएगा। लेकिन सच्चा रिश्ता कभी अखबार की तरह अस्थायी नहीं हो सकता। सच्चा रिश्ता तो किसी 'अमर किताब'जैसा होता है, जिसका कवर भले ही वक्त के साथ पुराना हो जाए, लेकिन उसके भीतर लिखे हुए पन्नों के शब्द कभी फीके नहीं पड़ते।

3. 'तेरे ही किस्स- समर्पण की पराकाष्ठा

'अगर आप किसी को सच्चे दिल से चाहते हैं, तो आप खुद एक चलती-फिरती डायरी बन जाते हैं, जिसमें सिर्फ और सिर्फ सामने वाले की यादें दर्ज होती हैं। शायर जब कहता है कि 'तेरे ही किस्से, तेरी ही कहानियाँ, मिलेंगे मुझ में ', तो वह प्रेम में पूरी तरह विलीन हो जाने की बात करता है। यह वह मुकाम है जहाँ दो लोगों के बीच से 'मैं' और 'तुम' का फर्क मिट जाता है। जब आँखें बंद हों, तब भी सामने वाले का ही अक्स दिखाई दे। जब आप बातें करें, तो अनजाने में ही सही, उनका ज़िक्र बार-बार आ जाए। आपकी खुशी और आपके गम का रास्ता उनकी भावनाओं से होकर गुज़रे। यह कोई पागलपन नहीं, बल्कि एक बेहद पवित्र वफादारी है जहाँ इंसान सामने वाले की हर आदत, उसकी हर अच्छाई और बुराई को अपने अस्तित्व का एक हिस्सा बना लेता है। आज के दौर में 'ठहराव' ही सबसे बड़ी खूबी है यह लेख सिर्फ एक रोमैंटिक नजरिए तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आज की युवा पीढ़ी को एक बहुत बड़ा संदेश देता है। आजकल के रिश्तों में 'कमिटमेंट' (प्रतिबद्धता) की भारी कमी देखी जा रही है। लोग थोड़ा सा मुश्किल वक्त आते ही पार्टनर या दोस्त बदलने की सोचने लगते हैं। लेकिन याद रखिए, ज़िंदगी कोई न्यूज़ चैनल नहीं है जहाँ हर मिनट महज़ 'टीआरपी' के लिए कहानियाँ बदलनी पड़ें। ज़िंदगी में कम से कम कोई एक इंसान ऐसा होना ही चाहिए, जिसके पास आप सालों बाद भी जाएं, तो उसका प्यार और उसका सम्मान वैसा ही अटूट मिले जैसा पहले दिन था। जो बदलते वक्त के साथ अपनी वफादारी का रंग न बदले, वही सच्चा इंसान है। अगर आपके पास भी कोई ऐसा शख्स है जो दुनिया की इस आपाधापी में अखबार की तरह रोज़ नहीं बदलता, बल्कि आपकी तमाम कहानियों को अपने दिल में समेटकर बैठा है, तो समझ लीजिए कि आप इस दुनिया के सबसे खुशनसीब और अमीर इंसान हैं। क्योंकि आज के दौर में 'बदलते समाचार' तो गली-कूचों में मिल जाएंगे, लेकिन 'ठहरा हुआ अहसास' सिर्फ तकदीर वालों को ही नसीब होता है। चलिए, हम भी किसी की ज़िंदगी में अखबार नहीं, बल्कि एक मुकम्मल और खूबसूरत किताब का पन्ना बनें!

दिल्लीवालों को गुड न्यूज़, अब कालिंदी कुंज से तुगलकाबाद तक दौड़ेगी मेट्रो,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में मेट्रो कनेक्टिविटी को और भी मजबूत बनाने के लिए दिल्ली मेट्रो रेलवे कॉर्पोरेशन ने गोल्डन लाइन' के विस्तार की घोषणा की है। DMRC के फेज V(A) विस्तार के तहत बनने वाला यह 3.9 किलोमीटर लंबा कालिंदी कुंज-तुगलकाबाद कॉरिडोर दिल्ली, नोएडा और फरीदाबाद के बीच सफर करने वाले यात्रियों को बड़ी राहत देगा।

कब तक पूरा होगा DMRC का प्रोजेक्ट

DMRC ने मैजेंटा और वॉयलेट मेट्रो लाइनों को आपस में जोड़ने वाले इस प्रोजेक्ट के लिए साल 2028 के आखिर तक पूरा करने का लक्ष्य रखा है। इस नए कॉरिडोर को इस तरह डिजाइन किया गया है कि यह यमुना रिवरफ्रंट के साथ-साथ दक्षिण-पूर्व दिल्ली के मुख्य रिहायशी और उभरते इंडस्ट्रियल इलाकों को बेहतर ढंग से जोड़ेगा।

नए रूट पर बनाए जाएंगे कितने स्टेशन

इस 3.9 किलोमीटर के रूट पर कुल चार स्टेशन बनाए जाएंगे जिसमें सरिता विहार डिपो, मदनपुर खादर और कालिंदी कुंज एलिवेटेड स्टेशन होंगे, जबकि तुगलकाबाद अंडरग्राउंड बनाया जाएगा।

लोगों को मिलेगी बेहतर कनेक्टिविटी

DMRC के अनुसार, नया कॉरिडोर दक्षिण-पूर्व दिल्ली में रिहायशी इलाकों और इंडस्ट्रियल इलाकों के लिए कनेक्टिविटी को बढ़ावा देगा। यह साकेत और छतरपुर जैसे रिहायशी इलाकों तक सीधी पहुंच भी देगा और साथ ही नोएडा, फरीदाबाद, दक्षिण और पश्चिम दिल्ली के बीच लिंक को बेहतर बनाएगा।

मुंडका फैक्ट्री में दर्दनाक हादसा : सेप्टिक टैंक में दम घुटने से 3 मजदूरों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मुंडका औद्योगिक क्षेत्र में एक फैक्ट्री में सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान दर्दनाक हादसा हुआ। जहरीली गैस की चपेट में आने से तीन मजदूरों की दम घुटने से मौत हो गई। पुलिस ने शुरुआती जांच में जहरीली गैस को हादसे का कारण बताया है और पूरे मामले की गहनता से जांच हो रही है। जानकारी के मुताबिक, सबसे पहले एक मजदूर सेप्टिक टैंक की सफाई के लिए अंदर उतरा, जहां वह जहरीली गैस के कारण बेहोश हो गया। उस मजदूर को बचाने के प्रयास में दो अन्य मजदूर भी टैंक में घुसे, लेकिन वे भी गैस की चपेट में आकर अंदर ही फंस गए। घटना की सूचना मिलते ही दिल्ली फायर सर्विस की टीम मौके पर पहुंची। भारी ट्रैफिक के कारण बचाव कार्य में कुछ देरी हुई, लेकिन कड़ी मशक्कत के बाद तीनों मजदूरों को बाहर निकाला गया। दुर्भाग्यवश, तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। मृतकों की पहचान अरुण (38), संदीप (32) और चांद (42) के रूप में हुई है, जो सुल्तानपुरी के इंद्र झील इलाके के रहने वाले थे। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मुंडका थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस इस बात की पड़ताल कर रही है कि सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान सुरक्षा नियमों का पालन किया गया था या नहीं। फैक्ट्री मालिक की भूमिका भी जांच के दायरे में है। यह घटना एक बार फिर बिना उचित सुरक्षा उपकरणों के इसतरह के खतरनाक कार्यों को करने पर गंभीर सवाल खड़े करती है।

नाजिया इलाही खान को पानीपत कोर्ट का नोटिस : धार्मिक टिप्पणियों पर संज्ञान

पानीपत (एजेंसी)। सोशल मीडिया हस्ती नाजिया इलाही खान की कानूनी मुश्किलें बढ़ी हैं। पानीपत की एक अदालत ने उनके खिलाफ दायर याचिका पर संज्ञान लेकर नोटिस जारी किया है। यह याचिका मुस्लिम समुदाय के कुछ प्रतिनिधियों और मुस्लिम लीगल एड ट्रस्ट द्वारा दायर की गई है, जिसमें आरोप है कि नाजिया ने एक पॉडकास्ट और सोशल मीडिया पर इस्लाम, मुस्लिम महिलाओं, पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब और हजरत आयशा से जुड़े विषयों पर विवादित और आपत्तिजनक टिप्पणियां की थीं। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि इन टिप्पणियों से मुस्लिम समाज की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। अदालत ने नाजिया इलाही खान को 27 जुलाई को कोर्ट में पेश होकर अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया है। मुस्लिम लीगल ऐड ट्रस्ट के चेयरमैन और अधिवक्ता मोमिन मलिक ने बताया कि ट्रस्ट मुस्लिम समुदाय के संवैधानिक और कानूनी अधिकारों की रक्षा के लिए काम करता है, और इसी उद्देश्य से यह याचिका दायर की गई है। उन्होंने संबंधित बयानों और अन्य दस्तावेजों को याचिका के साथ संलग्न किया है। मोमिन मलिक ने नाजिया को विवादित सार्वजनिक व्यक्तित्व भी बताया, जो पूर्व में भी अपने बयानों को लेकर चर्चा में रही हैं। हालांकि, इन आरोपों पर नाजिया इलाही खान का पक्ष फिलहाल सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आया है। मामले की आगामी सुनवाई में दोनों पक्षों को अपना पक्ष रखने का अवसर मिलेगा, जिसके बाद अदालत आगे की कार्रवाई पर निर्णय लेगी।

मुआवजा चाहिए, तब पीड़िता को देना होगा गवाही न बदलने का शपथ पत्र

ग्वालियर (एजेंसी)। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने दुष्कर्म पीड़ितों को एससी-एसटी अधिनियम के तहत मिलने वाली आर्थिक सहायता के दुरुपयोग पर चिंता जताकर महत्वपूर्ण आदेश दिया है। जस्टिस विशाल मिश्रा ने कहा है कि मुआवजा राशि का अगला चरण जारी करने से पहले पीड़िता को शपथ पत्र देना होगा। इसमें पीड़िता को यह वचन देना होगा कि वह मुकदमे के दौरान आरोपी से समझौता नहीं करेगी और न ही अपनी गवाही से मुकरेगी। यदि पीड़िता बाद में आरोपों से मुकरती है, तब पीड़िता को प्राप्त पूरी राशि सरकार को लौटानी होगी। राज्य सरकार ने सुनवाई के दौरान कोर्ट को बताया था कि कई मामलों में पीड़ित मुआवजा लेने के बाद ट्रायल के दौरान अपने बयान बदल देते हैं, जिससे अभियोजन कमजोर पड़ता है और सरकारी धन का उद्देश्य विफल होता है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि राशि जमा न करने पर उसकी वसूली की जा सकेगी और ट्रायल कोर्ट उपलब्ध तथ्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई पर विचार कर सकेगा।

पुलिस द्वारा आरोपी को रस्सी बांधकर सड़क पर घुमाना गैरकानूनी : हाईकोर्ट

कोलकत्ता (एजेंसी)। कलकत्ता हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि किसी भी आरोपी की कमर में रस्सी बांधकर सार्वजनिक रूप से घुमाना कानून और मानवाधिकारों के विरुद्ध है। अदालत ने कहा कि आरोपी के साथ भी गरिमा और संवैधानिक अधिकारों के अनुरूप व्यवहार किया जाना चाहिए। न्यायमूर्ति सौगत भट्टाचार्य ने यह टिप्पणी तृणमूल कांग्रेस नेता जहांगीर खान की पत्नी रेजिना बीबी की याचिका पर सुनवाई के दौरान की। याचिका में गिरफ्तारी के बाद आरोपी को रस्सी से बांधकर ले जाने का आरोप लगाया गया था। राज्य सरकार ने कहा कि पुलिस रिपोर्ट मिलने के बाद पूरे मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

हिमाचल प्रदेश में अगले 6 दिन बारिश की चेतावनी, अभी तक मानसून नहीं आया

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में शुक्रवार रात हुई तेज बारिश से मौसम सुहावना हो गया और कई शहरों के रात के तापमान में खासी गिरावट दर्ज हुई। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले छह दिनों तक राज्य के विभिन्न हिस्सों में बारिश का दौर जारी रहेगा। एक और दो जुलाई को प्रदेश के मध्यम ऊंचाई वाले कुछेक क्षेत्रों में भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। इस दौरान लोगों और पर्यटकों को नदी-नालों के आसपास जाने से बचने की सलाह दी गई है। हालांकि, इन बारिशों के बावजूद हिमाचल में अभी तक मानसून की आधिकारिक एंट्री के कोई स्पष्ट संकेत नहीं मिले हैं। प्रदेश में मानसून पहुंचने की सामान्य तारीख 22 जून है, लेकिन इस बार इसकी रफ्तार धीमी पड़ गई है और इसके देरी से पहुंचने की संभावना है। बीते 24 घंटे की बारिश से रात का पारा सामान्य से करीब पांच डिग्री तक नीचे पहुंच गया है, जिससे जून के अंत में भी ठंडक का एहसास हो रहा है। जून माह में अब तक प्रदेश में सामान्य से 31 फीसदी कम बारिश रिकॉर्ड की गई है; 26 जून तक 79.8 मिलीमीटर के मुकाबले केवल 55.3 मिलीमीटर बारिश ही दर्ज की गई है।

पावी जेतपुर के सिहोद ब्रिज से लेकर तेजगढ़ तक अवैध रेत खनन का महाजाल 7 दिन-रात सीना चीर रही हैं जेसीबी मशीनें, जनता के तीखे सवालों से हिला प्रशासन

छोटाउदयेपुर में खनन माफिया बेखौफ, सिस्टम की 'रहमत' पर छलनी हो रही हैं नदियां!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छोटाउदयेपुर। प्रशासन भले ही 24 घंटे में 33 गाड़ियां पकड़कर अपनी पीठ थपथपा रहा हो, लेकिन जमीन पर हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। गुजरात के छोटाउदयेपुर जिले के पावी जेतपुर तालुका सहित कई ग्रामीण इलाकों में बहने वाली नदियां आज खनन माफियाओं के लालच की बलि चढ़ रही हैं। स्थानीय जनता त्राहि-त्राहि कर रही है, नदियों के पाट खोखले हो रहे हैं और सरकारी खजाने को करोड़ों रुपये का चूना लगाया जा रहा है। इसके बावजूद, जिम्मेदार खान-खनिज विभाग और स्थानीय प्रशासन मौन साधे बैठा है, जिससे अब जनता का गुस्सा फूट पड़ा है।

माफियाओं के 'हॉटस्पॉट': जहां कानून बौना साबित हो रहा है!

स्थानीय ग्रामीणों के गंभीर आरोपों के मुताबिक, यह काला कारोबार किसी एक इलाके तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका नेटवर्क करोड़ों रुपये का है पुल के आस-पास के प्रतिबंधित क्षेत्रों से भी रातों-रात रेत उठाई जा रही है, जिससे भविष्य में इस मुख्य पुल के अस्तित्व पर ही खतरा मंडराने लगा है। **नालेज और पादरवाट:** इन ग्रामीण इलाकों की सीमा से गुजरने वाली नदियां मानो खनन माफियाओं की जागीर बन चुकी हैं। यहाँ दिन-रात नियमों को ताक पर रखकर रेत निकाली जा रही है।

ओली अंबा और तेजगढ़: इन इलाकों में ट्रैक्टरों की पूरी फौज अवैध रेत भरकर हाईवे पर सीना ताने दौड़ती नजर आती है।

ग्राउंड रियलिटी: आम जनता पर डंडा, माफियाओं को खुली छूट? इलाके के चौक-चौराहों पर आज सिर्फ एक ही चर्चा है कि, 'जब कोई आम इंसान अपने घर के निर्माण के लिए एक ट्रैक्टर रेत लाता है, तो प्रशासन तुरंत जुर्माना ठोक देता है। तो फिर ये माफिया रोज सैकड़ों ट्रक और ट्रैक्टर किसकी शह पर खाली कर रहे हैं? अवैध खनन का खेल अब सिर्फ रात के अंधेरे में नहीं, बल्कि दिन के उजाले में भी बेखौफ चल रहा है। ओवरलोड भरे ये वाहन ग्रामीण सड़कों से इतनी तेज रफ्तार में गुजरते हैं कि रास्ते पूरी तरह जर्जर हो चुके हैं और आए दिन हादसों का डर बना रहता है। लेकिन माइनिंग डिपार्टमेंट के अधिकारी अपनी एसी केबिनों से बाहर निकलने को तैयार नहीं हैं।

महानगर मेट्रो के सीधे और तीखे सवाल:

1. **हफ्ताखोरी का गणित क्या है?** - रोज आंखों के सामने से गुजरने वाले सैकड़ों अवैध वाहन स्थानीय पुलिस और माइनिंग विभाग को क्यों नहीं दिखते? क्या माफियाओं और सफेदपोशों के बीच कोई 'गठजोड़' काम कर रहा है?
2. **सिर्फ त्योहारों या छुट्टियों में ही नाटक क्यों?** - प्रशासन लंबी छुट्टियों के दिनों में स्पेशल ड्राइव चलाकर खानापूर्ति कर लेता है, लेकिन बाकी के 365 दिन इन इलाकों में नियमित चेकिंग क्यों नहीं की जाती?
3. **सफेदपोश आकाओं पर हाथ कब डाला जाएगा?** हर बार केवल गरीब ड्राइवर या ट्रैक्टर मालिक ही पकड़े जाते हैं, लेकिन इस पूरे खेल के पीछे जो मुख्य सूत्रधार (किंगपिन) बैठे हैं, उन तक कानून के हाथ कब पहुंचेंगे?
4. पारदर्शी जांच से क्यों डर रहा है प्रशासन? - स्थानीय लोग लगातार मांग कर रहे हैं कि इन इलाकों की वीडियोग्राफी कराकर जांच की जाए, तो फिर विभाग इस पर चुप्पी क्यों साधे है?

अफसरों का रहस्यमयी मौनः दाल में कुछ काला है या पूरी दाल ही काली है? इस पूरे सुलगते मामले पर जब हमारी टीम ने संबंधित विभाग के अधिकारियों से उनका आधिकारिक पक्ष जानने की कोशिश की, तो हमेशा की तरह 'साहब' व्यस्त होने का बहाना बनाकर कैमरों और सवालों से बचते नजर आए। अधिकारियों का यह मौन ही साफ करता है कि कहीं न कहीं पाप का घड़ा भर चुका है। जनता की आखिरी चेतावनी! सिहोद, नालेज, पादरवाट और तेजगढ़ की जनता ने अब आर-पार की लड़ाई का मूड बना लिया है। ग्रामीणों ने साफ चेतावनी दी है कि अगर आने वाले दिनों में इस अवैध खनन को स्थायी रूप से बंद नहीं किया गया और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई नहीं हुई, तो वे सड़कों पर उतरकर उग्र आंदोलन करेंगे। अब देखना यह होगा कि 'जीरो टॉलरेंस' का दम भरने वाला प्रशासन वाकई कोई कड़ा एक्शन लेता है या माफियाओं के आगे नतमस्तक ही रहता है!

राम मंदिर चढ़ावा मामला: शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद पर अवैध रुप से धन संग्रह का आरोप

-जांच कर रही एसआईटी को मिली शिकायत

लखनऊ (एजेंसी)। राम मंदिर निर्माण में चढ़ावे की चोरी और अनियमितताओं के मामले में चल रही जांच में नया मोड़ आ गया है। प्रकरण की जांच कर रही विशेष जांच दल (एसआईटी) को स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के खिलाफ शिकायत मिली है, जिसमें उन पर अवैध रूप से धन संग्रह और दुरुपयोग के गंभीर आरोप लगे हैं।

शिकायतकर्ता ने राम मंदिर और स्वर्णालय निर्माण के नाम पर चंदा, सोना और चांदी इकट्ठा करने में कथित अनियमितताओं का आरोप लगाया है। दावा है कि हजारों गांवों से जुटाया गया सोना, चांदी और अन्य दान अधिकृत ट्रस्ट को नहीं सौंपा गया। यह शिकायत यूपी सरकार द्वारा गठित एसआईटी के अध्यक्ष विजय विश्वास पंत और अन्य सदस्यों को संबोधित की गई है। स्वामी गोविंदानंद सरस्वती ने व्यक्तिगत रूप से एसआईटी से मिलकर मामले में तत्काल जांच और कानूनी कार्रवाई का आग्रह किया है।

एक ओर शंकराचार्य पर लगे आरोपों की जांच शुरू हो रही है, वहीं दूसरी ओर राम मंदिर में दान के कथित गबन के मामले में गिरफ्तार आठ आरोपियों को शुक्रवार, 26 जून को 29 जून तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। इसके बाद उन्हें विशेष अदालत में पेश किया जाएगा। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में अविनाश शुक्ला, अनुकल्प मिश्रा, लव कुश मिश्रा, मनीष कुमार यादव, करुणेश पांडेय, राम शंकर मिश्रा, सुभाष श्रीवास्तव और रामाशंकर उर्फ टिन्नू यादव शामिल हैं। ये सभी मंदिर को मिले नकद दान और कीमती सामान की गणना प्रक्रिया से जुड़े थे, जिनमें से पांच-

छह बैंक कर्मचारी बताए जा रहे हैं।

अभियोजन अधिकारी के मुताबिक, एसआईटी ने अब तक आरोपियों के पास से 79.85 लाख रुपये बरामद करने का दावा किया है। यह एफआईआर एसआईटी की प्रारंभिक रिपोर्ट के आधार पर दर्ज की गई थी, जिसे लखनऊ मंडलायुक्त पंत की अध्यक्षता में गठित तीन सदस्यीय टीम ने 23 जून को प्रदेश सरकार को सौंपा था। इस एसआईटी का गठन राम मंदिर ट्रस्ट के आग्रह पर किया गया था।

अखिलेश यादव का चुनावी संकल्प: यूपी में सरकार और अयोध्या के लिए बड़ी घोषणा

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश में विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे करीब आ रहे हैं, राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। इसी बीच समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने राज्य में अपनी सरकार बनाने का संकल्प लेकर अयोध्या को लेकर एक बड़ी घोषणा की है। इस घोषणा से प्रदेश की सियासत में नई बहस छिड़ गई है।

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री यादव ने लिखा है, हम धर्मनिष्ठता और सत्यनिष्ठता के साथ यह संकल्प लेते हैं कि नई सरकार बनाकर अयोध्या को एक ऐसी अनुपम-अनुकरणीय धार्मिक नगरी के रूप में विकसित किया जाएगा, जहां विश्व भर से आए श्रद्धालु सच्ची आध्यात्मिकता की अद्वितीय अनुभूति करने वाले है। उन्होंने अयोध्या के विकास के लिए अपनी पार्टी की प्रतिबद्धता जाहिर की।

सपा नेता यादव ने कहा, प्रभु के आशीर्वाद के साथ, हम अयोध्या के सनातन मान को आस्था-श्रद्धा, अखंड विश्वास और सच्ची भावना के 'सियाराम-धाम' के रूप में पुनर्स्थापित करने वाले है। इससे अयोध्यावासियों के भी परंपरागत गौरवभान और अधिकारों को पुनर्स्थापित होगा। इस बयान से उन्होंने अयोध्या के आध्यात्मिक महत्व के साथ-साथ स्थानीय निवासियों के हितों को भी साधने का प्रयास किया है।

यह महत्वपूर्ण घोषणा तब आई है, जब अयोध्या स्थित राम मंदिर कथित चंदा चोरी विवाद के कारण लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। अखिलेश यादव की इस घोषणा से उत्तर प्रदेश के सियासी गलियारों में हलचल तेज हो गई है, और इसे आगामी चुनावों से पहले एक बड़ा राजनीतिक दांव माना जा रहा है।

उधर, योगी सरकार में मंत्री संजय निषाद ने राम मंदिर प्रकरण पर अपनी प्रतिक्रिया देकर कहा है कि मुख्यमंत्री योगी पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि मामले में दूध का दूध और पानी का पानी होगा, किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। मंत्री निषाद ने विपक्ष को इस संवेदनशील मुद्दे पर राजनीति न करने की सलाह भी दी, जिससे यह मुद्दा और गरमाता दिख रहा है।

आज बच्चों के संस्कारों के बारे में पक्के तौर पर कुछ नहीं कहा जा सकता

केतन मर्डर मामले में कंगना ने कहा- माता-पिता को दोषी नहीं ठहराया जा सकता

मुंबई (एजेंसी)। एक्टर और बीजेपी सांसद कंगना रनौत ने केतन अग्रवाल मामले पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। सिया गोयल के पिता के हालिया चौंकाने वाले बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कंगना ने कहा कि इस घटना के लिए माता-पिता को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में जब सोशल मीडिया और एआई बच्चों की प्रोग्रामिंग कर रहे हैं, तो उनके संस्कारों के बारे में कभी भी पक्के तौर पर कुछ नहीं कहा जा सकता। कंगना ने एक हेडलाइन शेयर की जिसमें सिया के पिता कहते हैं, अगर मेरी बेटी ने केतन को मारा है, तो उसे उसी किले से नीचे फेंक दो। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इंस्टाग्राम पर कंगना ने लिखा, आजकल सिर्फ परिवारों, घरों या माता-पिता को देखकर आप बच्चों के संस्कारों के बारे में पक्का नहीं कह सकते, ज्यादा जरूरी यह है कि उन्हें कौन तैयार कर रहा है? वे किसके साथ समय बिताते हैं, और सोशल मीडिया-एआई या असल जिंदगी में उन पर किन चीजों का असर हो रहा है। उन्होंने कहा कि इस मामले में जो कुछ भी हुआ, उसके लिए माता-पिता को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। उन्होंने लिखा कि लोग एक साथ कई तरह की जिंदगी जी रहे हैं। वे बहुत सोच-समझकर अपनी एक अच्छी छवि बनाते हैं क्योंकि असल बात यह है कि लोग उन्हें कैसा देखते हैं, न कि वे कैसा महसूस करते हैं या असल में कैसे हैं। इसलिए, बच्चों की हरकतों के लिए परिवारों को गलत नहीं ठहराया जा सकता। बता दें 18 जून को लोनावला के पास लोहागढ़ किले में बिजनेसमैन केतन अग्रवाल की मौत हो गई। शुरू में इसे गलती से गिरने का मामला बताया था, लेकिन जल्द ही यह हत्या का मामला बन गया। केतन की मंगेतर सिया गोयल और उनके बॉयफ्रेंड चेतन चौधरी शक के घेरे में आ गए।

भोजपुर एनकाउंटर नहीं, हत्या हुई: प्रशांत किशोर का सम्राट चौधरी पर हमला

ज्यादा दिनों तक सीएम नहीं रहने वाले सम्राट चौधरी

पटना (एजेंसी)। जन सुराज पार्टी के संस्थापक और पूर्व चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पर तीखे आरोप लगाकर कहा है कि भोजपुर में हुई घटना एक एनकाउंटर नहीं बल्कि हत्या है। उन्होंने मुख्यमंत्री चौधरी की कार्यप्रणाली और राजनीतिक परिपक्वता पर गंभीर सवाल उठा दिए हैं।

किशोर ने बिहार की नई सरकार पर निशाना साधकर कहा कि पहली बार सत्ता में आए सीएम चौधरी अनुभवहीन हैं और जोश में अपराधियों के खिलाफ खुले एक्शन की बात कर रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री को राजनीतिक तौर पर अपरिपक्व बताकर आरोप लगाया कि चौधरी की खुद की आपराधिक छवि रही है। किशोर ने खुलासा किया कि मुख्यमंत्री चौधरी पर सात हत्याओं के आरोप थे, जिसमें वे नाबालिग का प्रमाण पत्र दिखाकर जेल से छूट गए थे।

उन्होंने कहा कि भोजपुर की घटना पर सम्राट चौधरी ने अब तक एक भी संवेदना का शब्द नहीं कहा है। पीके ने भविष्यवाणी की कि सम्राट चौधरी मुख्यमंत्री के पद पर ज्यादा समय तक नहीं रहने वाले और भाजपा उन्हें केवल उत्तर प्रदेश चुनाव तक ही इस्तेमाल करेगी, क्योंकि मुख्यमंत्री बनते ही उनका चाल, चरित्र और चेहरा सामने आ गया है।

बांकीपुर उपचुनाव पर बात कर किशोर ने इस बिहार में भाजपा की सबसे मजबूत सीट बताया, लेकिन साथ ही दावा किया कि यहां की जनता सम्राट चौधरी के मुख्यमंत्री बनने से नाराज है, क्योंकि उन्होंने नीतीश कुमार के लिए वोट दिया था। किशोर ने घोषणा की कि अगर सबकी सहमति हुई और उनके चुनाव लड़ने से बांकीपुर में भाजपा हारती है, तब वे इस सीट से चुनाव लड़ने को तैयार हैं। उन्होंने इस चुनाव को एक जनमत संग्रह करार दिया, क्योंकि यह सम्राट चौधरी के मुख्यमंत्री रहते हुए, बुलडोजर एक्शन और कथित एनकाउंटर के बाद बिहार की जनता का पहला चुनावी फैसला होगा।

इसके अतिरिक्त, अयोध्या राम मंदिर के चढ़ावा चोरी से जुड़े सवाल पर किशोर ने कहा कि किसी भी संस्था में जवाबदेही की कमी होने पर ऐसी घटनाएं होती हैं। उन्होंने इस दुर्भाग्यपूर्ण बातकर कहा कि राम मंदिर करोड़ों लोगों की आस्था का केंद्र है, इसलिए इससे जुड़े किसी भी मामले में जवाबदेही तय होना बेहद जरूरी है।

निहंगों को लेकर कांग्रेस और धामी सरकार के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में निहंगों से जुड़ा विवाद अब सीधे-सीधे राजनीतिक अखाड़े में बदल गया है। कांग्रेस ने मामले में राज्य सरकार की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठा दिए हैं, वहीं भाजपा ने इन आरोपों का खंडन करते हुए अपनी प्राथमिकताएं साफ की हैं। उनका कहना है कि सरकार की प्राथमिकता यात्रा को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराना और राज्य में कानून-व्यवस्था बनाए रखना है।

उत्तराखंड कांग्रेस की प्रवक्ता सुजाता पॉल ने पूरे प्रकरण में पुष्कर धामी सरकार और पुलिस प्रशासन पर ढीले रवैये का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि निहंगों के मामले में सरकार जिस तरह की नरमी दिखाई है, उससे जनता में डर का माहौल पैदा हो रहा है। कांग्रेस प्रवक्ता पॉल ने गिरफ्तार किए गए आरोपियों को आखिर किस आधार पर छोड़ा गया, इस पर सवाल उठाकर जांच प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी बात दी। उन्होंने डीजीपी और धामी सरकार से सीधा जवाब मांगकर कहा कि चुनावी साल में कानून-व्यवस्था से कोई समझौता नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि इससे जनता का भरोसा प्रभावित होता है।

कांग्रेस के इन आरोपों पर पलटवार कर भाजपा से राज्यसभा सांसद नरेश बंसल ने मोर्चा संभाला। उन्होंने साफ किया कि सरकार सामाजिक सौहार्द और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूरी तरह गंभीर और प्रतिबद्ध है। बंसल ने चारधाम यात्रा को उत्तराखंड की आस्था और पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा बताकर कहा कि सरकार किसी भी सूरत में इसका माहौल बिगड़ने नहीं देगी। उन्होंने सभी पक्षों से संयम बरतने की अपील कर इस संवेदनशील मुद्दे का राजनीतिकरण न करने की बात कही। बीजेपी सांसद बंसल ने कहा कि सरकार हर घटना को गंभीरता से लेती है और आवश्यकतानुसार उचित कार्रवाई की जा रही है। फिलहाल, निहंग विवाद को लेकर दोनों प्रमुख दलों के बीच बयानबाजी का यह दौर लगातार जारी है, और आने वाले समय में इस मुद्दे पर राजनीतिक तापमान और बढ़ने की आशंका है।

पुणे हत्याकांड: केतन का सिर कुचला था, सिया शांत रही, साजिश की परतें खुलीं

पुणे (एजेंसी)। पुणे के केतन अग्रवाल हत्याकांड में नए और चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। केतन का शव रेस्क्यू करने वाले सुनील गायकवाड़ ने बताया कि उसके सिर पर गंभीर चोटें थीं, खोपड़ी कुचली हुई थी और हाथ-पैरों पर भी कई जगह चोटें थीं। गायकवाड़ के अनुसार, घटनास्थल पर अन्य लोग रो रहे थे और मदद के लिए चिल्ला रहे थे, लेकिन मुख्य आरोपी और केतन की मंगेतर सिया गोयल शांत खड़ी थी। पुलिस को 18 जून की सुबह करीब 10:30 बजे सूचना मिली, जिसके बाद दोपहर 12:30 बजे तक बचाव अभियान चला और करीब 1:30 बजे शव एंबुलेंस में ले जाया गया।

पुलिस जांच में सामने आया हैं कि सिया और उसके प्रेमी चेतन चौधरी ने कानून की आंखों में धूल झोंकने के लिए वारदात से ठीक पहले और बाद में अपने मोबाइल फोन की पूरी चैट हिस्ट्री और रिसाइकिल बिन के डेटा को पूरी तरह से साफ किया था। इन डिलीट किए डिजिटल लॉग्स को वापस पाने के लिए दोनों के मोबाइल फोन फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी भेज दिए गए हैं। पुणे ग्रामीण पुलिस के अनुसार, सिया (20) और चेतन (22) बीते छह महीने से लगातार संपर्क में थे, जिन्होंने 2004 फोन कॉल के द्वारा 238 घंटे बातचीत की थी। वारदात के दिन, दोनों ने कैफे में मिलकर हत्या की साजिश को अंतिम रूप दिया और मावल तालुका के लोहगढ़ किले में उस सटीक जगह की पहचान की जहां से केतन को धक्का देना था।

पुलिस का दावा है कि सिया ने पूछताछ में बताया कि केतन का विग लगाना और हकलाना पसंद नहीं था, और इसी वजह से हत्या की साजिश रची। हालांकि, केतन के पिता विशाल अग्रवाल ने दावे का खंडन कर सगाई से पहले ही सिया और उसके परिवार को केतन के विग के बारे में जानकारी दे दी गई थी। विशाल अग्रवाल ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात कर मामले की जल्द सुनवाई और दोषियों को कड़ी सजा दिलाने की मांग की। लोनावला डिवीजन के डिप्टी सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस (डीएसपी) गजानन टोनपे ने बताया कि दोनों संदिग्धों ने शुरू में इंकार किया, लेकिन बाद में अपना जुर्म कुबूल कर घटनाक्रम का पूरा ब्यौरा दिया। पुलिस के मुताबिक, सिया ने पहले से तय सिग्नल दिया, जिसके बाद चेतन चौधरी ने केतन को खाई में धक्का दे दिया।

पुलिस ने सिया के भाई साहिल से 10 घंटे तक पूछताछ की है, और अब सिया के माता-पिता को भी पूछताछ के लिए बुलाया गया है। सिया की मां ने दावा किया है कि उनकी बेटी 18 जून को लोहगढ़ किले नहीं जाना चाहती थी, लेकिन केतन और उसकी मां ने यात्रा के लिए मना लिया था। पुलिस के अनुसार, नवंबर में सिया और केतन की शादी होने वाली थी, लेकिन सिया उनसे शादी नहीं करना चाहती थी और इसलिए चेतन के साथ मिलकर केतन को रास्ते से हटाने की साजिश रची और योजना को अंजाम दिया। मामले की जांच अभी भी जारी है।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com
अहमदाबाद, (रविवार)
28 जून 2026

श्रीलंका में जाइडस लगाएगी 2 करोड़ डॉलर का दवा संयंत्र

जाइडस ने सनशाइन के साथ मिलाया हाथ, आयात पर घटेगी निर्भरता

नई दिल्ली ।

भारतीय दवा कंपनी जाइडस लाइफसाइंसेज ने श्रीलंका की सनशाइन हेल्थकेयर के साथ मिलकर 2 करोड़ डॉलर से अधिक के निवेश से एक दवा विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने की घोषणा की है। इस साझेदारी का मुख्य लक्ष्य श्रीलंका की दवा आयात पर निर्भरता को कम करना और स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा देना है। दोनों कंपनियों ने जाइडस सनशाइन लाइफसाइंसेज नामक संयुक्त उद्यम बनाया है, जो होराना के निवेश बोर्ड (बीओआई) क्षेत्र में लगभग चार एकड़ भूमि पर इस अत्याधुनिक इकाई को स्थापित करेगा। यह संयंत्र स्थानीय खुदरा बाजार के लिए उच्च गुणवत्ता वाली दवाओं का उत्पादन कर उनकी उपलब्धता बढ़ाएगा और देश की स्वास्थ्य सेवा आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करेगा। यह पहल श्रीलंका की हालिया आर्थिक चुनौतियों के बाद स्थानीय विनिर्माण पर जोर देने की नीति के अनुरूप है, जिसने आयात पर निर्भर क्षेत्रों की कमजोरियों को उजागर किया था। इस संयुक्त उद्यम से प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, रोजगार सृजन और देश की दवा विनिर्माण क्षमताओं के विकास में भी सहायता मिलेगी। इसे जाइडस की विनिर्माण विशेषज्ञता और सनशाइन के मजबूत घरेलू वितरण नेटवर्क का लाभ प्राप्त होगा।

सरकारी गेहूं खरीद का नया कीर्तिमान, लक्ष्य से आगे निकला देश

केंद्र ने निर्धारित 355.4 लाख टन का लक्ष्य पार किया

नई दिल्ली ।

इस वर्ष देश में सरकारी गेहूं खरीद ने एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। केंद्र सरकार ने निर्धारित 355.4 लाख टन के लक्ष्य को पार करते हुए 21 जून तक कुल 357.6 लाख टन गेहूं की खरीद की है। यह पिछले साल की समान अवधि की 299.5 लाख टन खरीद से लगभग 19 फीसदी अधिक है, जो किसानों को बेहतर मूल्य दिलाने में सहायक है। यह अभूतपूर्व सफलता मुख्य रूप से गेहूं उत्पादन में वृद्धि और सरकार की व्यापक खरीद व्यवस्था के कारण संभव हुई है। प्रारंभिक 303 लाख टन के खरीद लक्ष्य को, बेहतर उत्पादन और राज्यों की मांग पर, चरणबद्ध तरीके से बढ़ाकर 355.4 लाख टन तक किया गया था। इस खरीद अभियान में कई राज्यों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। पंजाब (121.6 लाख टन) और मध्य प्रदेश (104.4 लाख टन) का योगदान सबसे महत्वपूर्ण रहा। राजस्थान में रिकॉर्ड 27.1 लाख टन गेहूं खरीदा गया, जबकि उत्तर प्रदेश में 21.6 लाख टन और बिहार में 40,364 टन की खरीद हुई, जो दोनों ही राज्यों में पिछले वर्ष की तुलना में दोगुनी से अधिक है।

वाणिज्यिक वाहन उद्योग की रफ्तार बरकरार

ग्रामीण क्षेत्रों से मिल रहा मजबूत सहारा

नई दिल्ली ।

भारतीय वाणिज्यिक वाहन उद्योग ने मई महीने में अपनी वृद्धि की गति बनाए रखी, जहाँ थोक बिक्री में साल-दर-साल 13.5 फीसदी का उछाल दर्ज किया गया। जीएसटी दरों में कटौती और ग्रामीण क्षेत्रों से बढ़ती मांग ने इस बढ़त में अहम भूमिका निभाई। हालाँकि, मासिक आधार पर बिक्री में हल्की कमी भी देखी गई, जो मजबूत सुधार के बाद मांग के सामान्यीकरण का संकेत देती है। आईसीए के अनुसार, वाणिज्यिक वाहनों की खुदरा बिक्री मई में 5.3 फीसदी बढ़ी। खास बात यह है कि ग्रामीण इलाकों में यह वृद्धि शहरी क्षेत्रों की तुलना में कहीं अधिक तेज़ रही, जो छोटे शहरों और गांवों में बेहतर माल ढुलाई का संकेत है। हल्के वाणिज्यिक वाहनों ने सर्वाधिक 7.7 फीसदी की खुदरा वृद्धि दर्ज की, जिसे जीएसटी राहत और अंतिम-मील वितरण की बढ़ती मांग से बल मिला। वित्त वर्ष 2027 के पहले दो महीनों में थोक बिक्री कुल 15 फीसदी बढ़ी है, जो उद्योग की सकारात्मक गति को दर्शाता है।

कोयले से गैस बनाने 37,500 करोड़ की प्रोत्साहन योजना शुरू

केंद्र सरकार ने जारी की अधिसूचना

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने घरेलू कोयले से गैस उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए 37,500 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन योजना शुरू कर दी है। हाल ही में जारी अधिसूचना के साथ, इसका लक्ष्य देश में कोयला गैसीकरण परियोजनाओं को गति देना है।

योजना में प्रतिस्पर्धी बोली व्यवस्था होगी, जिसमें कम वित्तीय प्रोत्साहन मांगने वालों को उच्च मूल्यांकन अंक मिलेंगे। पात्र संयंत्रों और मशीनरी की लागत का 20 फीसदी तक वित्तीय सहायता का प्रावधान है। लाभ के केंद्रीकरण को रोकने के लिए, मंत्रालय ने सुरक्षा उपाय भी किए हैं; किसी भी परियोजना के लिए 5,000 करोड़ रुपए, किसी कॉर्पोरेट समूह के लिए 12,000 करोड़ रुपए और अधिकांश डाउनस्ट्रीम उत्पादों (यूरिया/एसएनजी को छोड़कर) के लिए 9,000 करोड़ रुपए की अधिकतम सहायता सीमा तय की गई है। इसका उद्देश्य घरेलू कोयले से सिनगैस, मेथनॉल, अमोनिया और एसएनजी जैसे उत्पादों का उत्पादन बढ़ाना है। यह योजना लगभग 7.5 करोड़ टन कोयले से गैस बनाने की क्षमता वाली परियोजनाओं को समर्थन देगी, जिससे 2030 तक 10 करोड़ टन कोयला गैसीकरण के राष्ट्रीय लक्ष्य में मदद मिलेगी।

जुलाई में 12 दिन बंद रहेंगे बैंक, जाने से पहले चेक करें छुट्टियों की लिस्ट

आरबीआई कैलेंडर के मुताबिक पूरे देश में अलग-अलग तारीखों पर रहेंगी छुट्टियां

मुंबई।

अगले महीने जुलाई में बैंक जाने की सोच रहे हैं तो यह खबर आपके लिए महत्वपूर्ण है।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के अवकाश कैलेंडर के अनुसार, जुलाई में देशभर में बैंक कुल 12 दिन बंद रहेंगे। इन छुट्टियों में साप्ताहिक अवकाश के साथ-साथ कई राज्यों में स्थानीय त्योहार और विशेष अवसर भी शामिल हैं।

ग्राहकों को सलाह दी जाती है कि वे ब्रांच जाने से पहले अपने शहर की छुट्टियों की सूची अवश्य जांच लें ताकि किसी भी असुविधा से बचा जा सके। जुलाई में बैंक 5, 12, 19 और 26 तारीख को रविवार के कारण बंद रहेंगे। इसके अतिरिक्त, 11 जुलाई को दूसरा शनिवार और 25 जुलाई को चौथा शनिवार होने के कारण भी बैंकों में अवकाश रहेगा। इन छह साप्ताहिक छुट्टियों के अलावा, कई राज्यों में स्थानीय पर्वों पर भी बैंक शाखाएं बंद रहेंगी।

भारत के लग्जरी कार बाजार की रफ्तार थमी, पांच साल की तेजी पर लगा ब्रेक

मुंबई ।

रत के लग्जरी कार बाजार की पांच साल की शानदार रफ्तार पर 2026 की पहली छमाही में ब्रेक लग गया है। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, रुपये की कमजोरी और लगातार बढ़ती कीमतों के कारण 40 लाख से अधिक कीमत वाली कारों की बिक्री में ठहराव आ गया है। उद्योग के शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक, लग्जरी कारों की बिक्री 24,000 से 25,000 यूनिट के बीच ही सीमित रही। पिछले पांच सालों में लग्जरी कारों की कीमतों में 25-30 प्र तिशत की बढ़ोतरी हुई है, जिसका मुख्य कारण यूरो के मुकाबले रुपये की कमजोरी और बढ़ी हुई आयात लागत है। इससे प्रीमियम सेगमेंट के वे ग्राहक, जो पहली बार लग्जरी कार खरीदना चाहते थे, अब अपनी खरीदारी टाल रहे हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि हाई-नेट-वर्थ निवेशक भी वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव और शेयर बाजार के उतार-चढ़ाव को देखते हुए बड़े खर्चों से बच रहे हैं। हालांकि, सबसे महंगी और हाई-एंड अल्ट्रा-लग्जरी कारों की मांग अब भी मजबूत बनी हुई है, जिस पर वाहन निर्माता कंपनियां अब अधिक ध्यान केंद्रित कर रही हैं।

इस सप्ताह सेंसेक्स और निफ्टी ने दिखाया दम निवेशकों में लौटी खुशी

धीमी मॉनसून चाल ने बढ़ाई फिक्र, मंगलवार को बाजार में हुई बड़ी बिकवाली

मुंबई ।

पिछले हफ्ते मोहर्रम की छुट्टी के कारण भारतीय शेयर बाजार में केवल चार कारोबारी सत्र रहे, जो उतार-चढ़ाव से भरे रहे। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को शानदार उछाल के साथ हुई, निवेशकों के लिए खुशियां लेकर आई। हालांकि, मंगलवार को बाजार में तेज गिरावट देखने को मिली, जिससे शुरुआती बढ़त बेअसर हो गई। सप्ताह के मध्य और अंत में मजबूत रिकवरी दर्ज की गई, लेकिन मॉनसून की धीमी चाल एक चिंता का विषय बनी रही, जिसने निवेशकों और नीति-निर्माताओं के माथे पर लकीरें खींचे रखीं। सप्ताह का पहला कारोबारी दिन सोमवार शेयर बाजार के लिए एक जोरदार वापसी लेकर आया। सेंसेक्स 423 अंकों की बढ़त के साथ 77,226 पर खुला और दिन के दौरान 77,325 के सर्वकालिक उच्च स्तर तक पहुंच गया। अंत में, सेंसेक्स 291 अंक और निफ्टी 89 अंक की बढ़त के साथ बंद हुए, जिससे निवेशकों को शुक्रवार की गिरावट के बाद बड़ी राहत मिली। हालांकि, यह उत्साह मंगलवार को फीका पड़ गया, जब भारतीय बेंचमार्क सूचकांकों में भारी गिरावट दर्ज की गई। शुरुआती बढ़त के बाद बाजार लाल निशान में फिसला और अंततः सेंसेक्स लगभग 900 अंक लुढ़क गया, जबकि निफ्टी 23,900 के महत्वपूर्ण स्तर से नीचे आ गया। सूचना प्रौद्योगिकी और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक शेयरों में बिकवाली का भारी दबाव देखा गया। सप्ताह के मध्य में, भारतीय बाजार ने प्रभावशाली

वापसी की। बुधवार को सेंसेक्स-निफ्टी हरे निशान पर खुले और दिन के कारोबार में सेंसेक्स 900 से अधिक अंकों तक उछल गया, जबकि निफ्टी ने 24,050 का अहम स्तर पार कर लिया। फाइनेंशियल और आईटी सेक्टर के शेयरों ने इस बुलिश रैली में अहम भूमिका निभाई, जिससे निवेशकों को लगभग दो लाख करोड़ रुपये का फायदा मिला। गुरुवार को भी यह तेजी बरकरार रही, कच्चे तेल की गिरती कीमतों ने बाजार के सेंटीमेंट को और मजबूत किया। सेंसेक्स 109 अंक चढ़कर और निफ्टी 24,050 के पार बंद हुए। कुल मिलाकर, यह सप्ताह भारतीय बाजार की लचीली प्रकृति को दर्शाता है, लेकिन धीमी मॉनसून की चाल भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण चिंता बनी हुई है।

ओपन एआई ने भारत के लिए उबर के पूर्व प्रमुख प्रभजीत को एमडी नियुक्त किया

सितंबर से संभालेंगे कमान, देश में एआई के विस्तार और रणनीतिक साझेदारियों पर रहेगा जोर

नई दिल्ली ।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की दुनिया में अग्रणी ओपन एआई ने भारत में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए एक अहम कदम उठाया है। कंपनी ने उबर इंडिया और दक्षिण एशिया के पूर्व अध्यक्ष प्रभजीत सिंह को भारत का नया मैनेजिंग डायरेक्टर नियुक्त किया है। यह नियुक्ति देश में जनरेटिव एआई की बढ़ती मांग और ओपन एआई की व्यापक उपस्थिति दर्ज कराने के उद्देश्य से की गई है, जिससे भारत में एआई इकोसिस्टम को नई गति मिलने की उम्मीद है।

प्रभजीत सिंह सितंबर से भारत के एमडी के रूप में अपनी जिम्मेदारियां संभालेंगे और एशिया-प्रशांत क्षेत्र के एमडी किरण मणि को रिपोर्ट करेंगे। भारत में ओपनएआइ के सबसे वरिष्ठ अधिकारी के तौर पर, वे उपभोक्ता सेवाओं के विस्तार, एंटरप्राइज अपनाने, रणनीतिक साझेदारियों, नियामक मामलों और संचालन की देखरेख करेंगे।

सिंह उबर के साथ लगभग 11 वर्षों तक जुड़े रहे, जहां उन्होंने भारत, श्रीलंका और बांग्लादेश में कंपनी के मोबिलिटी कारोबार का नेतृत्व किया।

आईआईटी खड़गपुर और आईआईएम अहमदाबाद से शिक्षित सिंह का तकनीक, रणनीति और बिजनेस डेवलपमेंट का व्यापक अनुभव ओपन एआई के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भारत को दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण एआई बाजारों में से एक मानते हुए ओपनएआई इस नियुक्ति के जरिए देश में अपनी पैठ बढ़ाने और नवाचार को गति देने का लक्ष्य बना रही है।

फॉक्सकॉन का भारतीय इकाई में बड़ा निवेश, 99.9 फीसदी हिस्सेदारी खरीदी

72 करोड़ डॉलर में हुई शेयर खरीद, कंपनी भारत में उत्पादन व रणनीतिक विस्तार पर केंद्रित

नई दिल्ली।

ताइवान की दिग्गज इलेक्ट्रॉनिक कंपनी फॉक्सकॉनने अपनी भारतीय सहायक कंपनी, फॉक्सकॉन हॉन हाई टेक्नॉलजी इंडिया मेगा डेवलपमेंट लिमिटेड में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाकर 99.9 फीसदी कर दी है। समूह की सहायक कंपनी फॉक्सकॉन सिंगापुर ने 3.72 करोड़ डॉलर में लगभग 35.173 करोड़ शेयर खरीदे हैं, जिससे भारतीय इकाई में उसकी कुल हिस्सेदारी 2.82 अरब डॉलर मूल्य के 23.18 अरब शेयर हो गई है। शेयर बाजार को दी गई जानकारी के अनुसार, यह कदम ऐसे समय आया है जब फॉक्सकॉन अपनी 3+3+3 रणनीति पर ध्यान केंद्रित कर रही है, जिसमें इलेक्ट्रिक वाहन, डिजिटल स्वास्थ्य सेवा और रोबोटिक जैसे उभरते उद्योगों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और सेमीकंडक्टर जैसी तकनीकों के साथ जोड़ा जा रहा है। आईफोन बनाने वाली यह सबसे बड़ी कंपनी भारत में अपने उत्पादन को लगातार बढ़ा रही है। चेन्नई के श्रीपेरुंबुदूर में इसका सबसे बड़ा विनिर्माण आधार है, जहां ऐपल आईफोन की असेंबलिंग की जाती है। इस निवेश से तमिलनाडु में बड़े पैमाने पर और निवेश की उम्मीद है।

वैश्विक शांति वार्ता से तेल बाजार को राहत, भारत में ईंधन हो सकता है सस्ता

घरेलू बाजार में दाम स्थिर, पिछले महीने हुई थी भारी बढ़ोतरी

मुंबई ।

अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता में हुई प्रगति ने अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार को राहत दी है, जिससे कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई है। इस वैश्विक बदलाव से भारत में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कटौती की उम्मीद जगी है। हालांकि, भारतीय तेल कंपनियों ने 27 जून को जारी अपने नवीनतम दरों में फिलहाल कोई बदलाव नहीं किया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की लगातार घटती कीमतों ने घरेलू उपभोक्ताओं में राहत की आस जगाई है। विशेषज्ञ मान रहे हैं कि आने वाले दिनों में देश में पेट्रोल और डीजल के दाम कम हो सकते हैं। हालांकि, वैश्विक ऊर्जा क्षेत्र में हो रहे बड़े बदलावों के कारण यह स्थिरता कब तक बनी रहेगी, इस पर सबकी निगाहें हैं। आज 27 जून 2026 को जारी नए रेट्स के अनुसार, तेल कंपनियों ने कीमतों में कोई परिवर्तन नहीं किया है। उल्लेखनीय है कि पिछले महीने आम जनता पर ईंधन के बढ़ते दामों का भारी बोझ पड़ा था। 25 मई को हुई आखिरी बढ़ोतरी के बाद पेट्रोल करीब 7.50 रुपये और डीजल लगभग 7.60 रुपये प्रति लीटर तक महंगा हो गया था, जो चार साल बाद दर्ज की गई सबसे बड़ी वृद्धि थी। इसी कड़ी में, सीएनजी और एलपीजी के दामों में भी इजाफा हुआ है। दिल्ली में घरेलू एलपीजी सिलेंडर मार्च से जून 2026 के बीच दो बार बढ़कर 942 रुपये का हो चुका है। अब देखना होगा कि वैश्विक नरमी का लाभ आम जनता को कब मिलता है।

मंत्री ने ब्रिटेन में सीईटीए की तैयारियों की समीक्षा की

लंदन ।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने लंदन में भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते (सीईटी) से परिवर्तनकारी आर्थिक वृद्धि का आह्वान किया। वे 15 जुलाई से लागू होने वाले इस समझौते की तैयारियों की समीक्षा के लिए ब्रिटेन दौरे पर हैं। गोयल ने भारतीय उद्योग प्रतिनिधिमंडल से चर्चा में कहा कि सीईटीए का मुख्य लक्ष्य दोनों देशों के लिए परिवर्तनकारी आर्थिक विकास होना चाहिए। उन्होंने भारतीय और ब्रिटिश कंपनियों को उन्नत विनिर्माण, नवीकरणीय ऊर्जा और स्वास्थ्य सेवा जैसे क्षेत्रों में सहयोग से कारोबार विस्तार का सुझाव दिया। मंत्री ने जोर दिया कि भारत को अंतरराष्ट्रीय व्यापार की सामान्य 4-6 फीसदी वृद्धि दर से कहीं अधिक महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखने होंगे। गोयल ने बताया कि सीईटीए केवल शुल्क नियमों तक सीमित नहीं है, बल्कि 48 अरब पाउंड के द्विपक्षीय व्यापार को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का अवसर है। उन्होंने अगले महीने लागू होने वाले दोहरा योगदान समझौता भी

जिक्र किया। इस अवसर पर विभिन्न औद्योगिक संगठनों की रिपोर्टें भी जारी की गईं।

एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल सुरक्षित सरकार ने अफवाहों पर दी सफाई

निराधार दावों और पुरानी तस्वीरों के गलत इस्तेमाल पर आपत्ति जताई

नई दिल्ली ।

भारत सरकार ने एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (ईबीपी) को लेकर सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहे भ्रामक और निराधार दावों पर कड़ी आपत्ति जताई है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने जोर देकर कहा है कि यह कार्यक्रम वैज्ञानिक रूप से मान्य है और इन दावों का उद्देश्य जनता को भ्रमित करना प्रतीत होता है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि एथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम को वैज्ञानिक आधार पर लागू किया गया है और इसकी लगातार निगरानी की जा रही है।

मंत्रालय ने बताया कि 2003 में ऊर्जा सुरक्षा बढ़ाने, कच्चे तेल के आयात को कम करने और पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू किया गया यह कार्यक्रम, तकनीकी तैयारियों और हितधारकों के परामर्श से चरणबद्ध तरीके से लागू किया गया है। 2023 से 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण के कार्यान्वयन के बाद से, इंजन की खराबी या वाहन के टूटने की कोई व्यापक समस्या सामने नहीं आई है। मंत्रालय ने विशिष्ट दावों का खंडन करते हुए कहा कि ईंधन टैंक में पानी का प्रवेश किसी भी ईंधन के लिए अवांछनीय है और आधुनिक वाहनों में इसे रोकने के लिए डिजाइन संबंधी सुरक्षा उपाय मौजूद हैं। गन्ने के रस को सीधे पेट्रोल में मिलाने वाले वीडियो भ्रामक हैं, क्योंकि ईंधन में उपयोग होने वाला एथेनॉल औद्योगिक प्रक्रियाओं द्वारा तैयार होता है और सख्त गुणवत्ता मानकों का पालन करता है। भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने चींटियों वाले वायरल वीडियो पर भी सफाई देते हुए कहा कि ईंधन-ग्रेड एथेनॉल में कोई चीनी नहीं होती और इसमें कीट-विकर्षक डिनेचुरेंट्स होते हैं, इसलिए चींटियों के आकर्षण का दावा वैज्ञानिक रूप से निराधार है। इसी प्रकार, वाहन बीमा की वैधता प्रभावित होने के दावों को भी निराधार पाया गया है।

एयर इंडिया जल्द बहाल कर सकती है अंतरराष्ट्रीय उड़ानें

ईंधन महंगा होने पर लगा दी थी रोक

नई दिल्ली ।

एयर इंडिया के एक प्रमुख अधिकारी कैंपबेल विल्सन ने संकेत दिया है कि पश्चिम एशिया में तनाव कम होने और विमान ईंधन की कीमतों में नरमी आने से एयरलाइन अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में की गई कटौती को जल्द ही वापस ले सकती है। पिछले महीनों में हवाई क्षेत्र प्रतिबंधों और बढ़ती ईंधन लागत के कारण एयर इंडिया ने अपनी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में 27 फीसदी और घरेलू उड़ानों में 22 फीसदी की अस्थायी कटौती की थी, जिससे कई मार्गों पर परिचालन लागत बढ़ गई थी। विल्सन ने कर्मचारियों को भेजे एक संदेश में कहा कि पश्चिम एशिया में संघर्ष में कमी आई है, जिससे अधिक हवाई क्षेत्र उपलब्ध हुआ है और ईंधन की कीमतों में भी उल्लेखनीय गिरावट आई है। उन्होंने जोर दिया कि यदि यह सकारात्मक रुझान जारी रहता है, तो एयरलाइन हाल की उड़ानों के कार्यक्रम में की गई कटौतियों को वापस लेने में सक्षम होगी, जिससे कुछ शहरों के लिए उड़ानें फिर से शुरू हो सकती हैं। हालांकि, उन्होंने यह चेतावनी भी दी कि तनाव के फिर से बढ़ने की कोई गारंटी नहीं है। इस बीच, एयर इंडिया इस साल अपने बेड़े में आठ नए या पुनर्निर्मित चौड़ी बॉडी वाले विमान शामिल करेगी, जिसमें जल्द ही आने वाला एक नया बोइंग 787-9 भी शामिल है।

विल्सन ने उम्मीद जताई कि ये विमान सेवाओं में सुधार करेंगे और नए रूट शुरू करने में सहायक होंगे, जिससे यात्रियों को बेहतर अनुभव मिलेगा और एयरलाइन की परिचालन क्षमता बढ़ेगी।

दूर का दिखाने वाली दूरबीन

चिड़िया देखना हो या फिर तारे। एक दूरबीन से दो काम बहुत अच्छे से हो सकते हैं। अपनी पॉकेट मनी बचाकर अगर ऐसी कोई चीज खरीदते हो तो वह जिंदगीभर काम आएगी। दूरबीन दूर की दुनिया को तुम्हारे पास ले आएगी। जाड़े के दिनों में तो प्रकृति को, पंछियों और तारों को दूरबीन से घंटों देखा जा सकता है। कौन जाने, एक दूरबीन तुममें भी वैसी ही कुछ रुचि पैदा कर दे या फिर गैलीलियो की तरह तुम भी अपनी दूरबीन के कारण अपने दोस्तों में पहचाने जाओ। जन्मदिन पर तुम पापा-मम्मी से कोई बड़ी चीज माँगने के बजाय दूरबीन की जिद भी कर सकते हो। उन्हें भी दूरबीन दिलाने में कोई परेशानी नहीं होगी। दूरबीन से देखने पर नई दुनिया खुल जाती है। दूर की कौड़ी को पास लाने वाली दूरबीन अगर तुम्हारी दोस्त बन जाए तो क्या बात है। तो ले आओ दूर की चीजों को पास, एक दूरबीन के साथ।

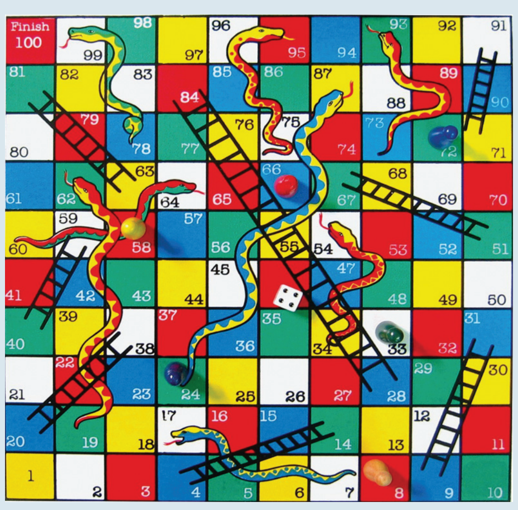

साँप-सीढ़ी खेल की शुरुआत किस देश में हुई?

बच्चों के पसंदीदा इस खेल की शुरुआत प्राचीन भारत में हुई है। पहले इसे मोक्षपत और मोक्षपतामु कहा जाता था। इसकी शुरुआत कब हुई इसका ठीक-ठीक समय तो पता नहीं पर माना जाता है यह खेल ईसा के जन्म के भी दो सौ सालों पहले से खेला जा रहा है। कुछ इतिहासकारों का मानना है कि ईसा के 1300 साल बाद संत ज्ञानदेव ने इसकी शुरुआत की। इस खेल के जरिए बच्चों को यह सिखाया जाता था कि अगर वे अच्छा काम करते हैं तो वे आगे बढ़ेंगे। भारत में जो खेल चलता था उसमें साँप के मुकाबले सीढ़ियों की संख्या कम होती थी। फिर यह खेल इंग्लैंड पहुँचा और वहाँ कुछ बदलाव के साथ यह स्नेक एंड लेडर्स के तौर पर पहचाना जाने लगा। यहाँ से खेल में जितने साँप हो गए उतनी ही सीढ़ियाँ हो गई। 1943 से यह खेल अमेरिका में भी खेला जाने लगा।

कैटरपिलर

कैटरपिलर का मतलब इल्ली होता है। जितनी भी तितलियाँ या मोथ हैं सभी के अंडे से पहले इल्ली बनती है। धीरे-धीरे यह कैटरपिलर बड़ी होती है और बटरफ्लाय में चेंज हो जाती है। कैटरपिलर में स्पेशल ग्लैंड होती है जिसकी सिकरिशन से वे सिल्क बनाती हैं। कैटरपिलर के सिर पर 12 छोटी-छोटी आँखें होती हैं जिसे 'ओसिली' कहा जाता है। इसके सिर पर दो जोड़ी जबड़े भी जुड़े रहते हैं, जो मेंडीबल्स कहलाते हैं।
इसकी स्किन स्ट्रेचेबल नहीं होती है इसलिए जैसे ही इसका साइज बढ़ता है इसकी स्किन टूटती जाती है। कैटरपिलर के आगे के तीन जोड़ी पैर को थोरेसिक लेग कहा जाता है और ये चलने और पकड़ने का काम करते हैं। इसकी बॉडी 13 सेगमेंट में बँटी हुई होती है। सभी इंसेक्ट की तरह यह भी शरीर पर मौजूद छेदों से साँस लेते हैं। इन छेदों को स्पाइरेकल कहा जाता है। इसके पीछे के पैरों को प्रोलेग कहा जाता है। इन पैरों से वह पौधों की डालियों को पकड़ने का काम करता है।
ज्यादातर कैटरपिलर का कलर हरा होता है ताकि वे आसानी से पत्तियों में छुपे रहें। इनका मुख्य खाना ही पत्तियाँ होती हैं।
लेकिन कुछ कैटरपिलर बहुत सुंदर होते हैं। जैसे कैबेज व व्हाइट कैटरपिलर पर बहुत ही सुंदर स्पाट होते हैं। टाइगर मोथ एकदम लाल रंग का होता है। पस मॉथ का शेप एकदम अलग ढंग का होता है। एम्प्ररर मॉथ हरे रंग का बहुत सुंदर कैटरपिलर होता है। वैसे तो मॉथ के सभी कैटरपिलर सिल्क बनाते हैं, लेकिन जो सबसे अच्छी क्वालिटी का सिल्क देता है उसे सिल्क वर्म कहा जाता है।

आलसी जानवरों की दुनिया

दोस्तों, तुम 6-8 घंटे जरूर सोते होगे, जिसके बाद फ्रेश होकर अपने काम में जुट जाते होगे। तुमने अपने पेट्स और आसपास रहने वाले जानवरों को भी रात भर सोते हुए देखा होगा। यही नहीं, अगर मौका मिले तो वे दिन में भी सो जाते हैं, ऊंघते रहते हैं या आलसी बनकर पड़े रहते हैं। लेकिन क्या तुम दुनिया के ऐसे जानवरों के बारे में जानते हो, जो पूरे दिन का 60-80 प्रतिशत से भी अधिक समय सोने में खर्च करते हैं। यानी कई जानवर दिन भर में 16-22 घंटे सोते रहते हैं। इनमें कुछेक को छोड़ कर सभी आलसी होते हैं। वे खाते-पीते हैं और अपने जरूरी काम धीरे-धीरे निपटाकर दोबारा सो जाते हैं। तुम ऐसे जानवरों को लेजी, सोतूराम या आलसीराम नहीं कहोगे क्या? लेकिन ऐसा कर ये जानवर एक तो शिकारियों से अपना बचाव करते हैं, साथ ही लंबे समय तक अपनी एनर्जी भी बचाए रखते हैं।

शेर

तुम्हें यह अटपटा जरूर लगेगा कि ताकतवर और जंगल का राजा शेर भी अधिक सोने वाले जानवरों की क्षेणी में आता है। यह अलग बात है कि नर शेर आलसी या कमजोर बिल्कुल नहीं हैं। ताकत से भरपूर और एक्टिव होने के कारण ही ये जंगल के दूसरे जानवरों पर अपना दबदबा बनाए रखते हैं। शिकार करके नर शेर के खाने-पीने का इंतजाम करने का जिम्मा भी जब मादा शेरनी का होता है तो ये दिन में 18-22 घंटे ऊंघने के अलावा करते ही क्या हैं। कभी-कभी तो ये नर शेर दिन में 24 घंटे सोते रहते हैं।

कोआला

ऑस्ट्रेलिया में पाए जाने वाले कोआला आलसी जानवरों में पहले स्थान पर हैं। ये ज्यादातर नीलगिरी के पेड़ों पर समूह में रहते हैं और आसानी से उपलब्ध नीलगिरी के पत्ते, फल-फूल, पेड़ की छाल खाकर पेट भरते हैं। खाना ढूंढ़ने के लिए उन्हें कहीं जाने की भी जरूरत नहीं पड़ती। फाइबर से भरपूर ये पत्ते कोआला को ऊर्जा प्रदान करते हैं। कोआला नीलगिरी के पेड़ों पर बैठे-बैठे दिन में 22 घंटे सोते रहते हैं।

आर्माडीलो

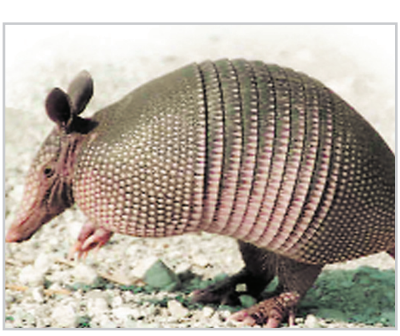

ये एक दिन में 18-20 घंटे तक सोते हैं। अकेले रहने वाले आर्माडीलो रात के समय एक्टिव होते हैं और दिन में अपने बिल के अंदर जहां तक होता है, क्रॉल करते रहते हैं। ये कमजोर नजर वाले होते हैं। सूंघ कर अपने भोजन की तलाश करते हैं।

स्लोथ

दक्षिण और मध्य अमेरिका में पाए जाने वाले स्लोथ बहुत धीमी गति से अपने काम करते हैं। जमीन पर चलते और पेड़ पर चढ़ते वक्त ये एक मिनट में सिर्फ 15-20 सेमी ही आगे बढ़ पाते हैं। ये इतने आलसी होते हैं कि उनके आसपास क्या हो रहा है, इससे उन्हें फर्क नहीं पड़ता। स्लोथ दिन में अपने हाथों से पेड़ों की शाखाओं को घेरकर उलटे लटके रहते हैं। ऐसे ही ये लटके हुए 20 घंटे तक सोते रहते हैं।

ब्राउन बैट

ये उत्तरी अमेरिका में पाए जाते हैं। उलटे लटकने वाले ब्राउन बैट दिन में 20 घंटे सोते रहते है और रात को एक्टिव होते हैं।

गिलहरी

गिलहरी कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन और वसा से भरपूर खाना खाती है, जिससे इसे नींद ज्यादा आती है। ये टहनियों, पत्तों, फर और पंखों जैसी नरम चीजों से बनाए घोंसले में रहती है और दिन में करीब 14 घंटे सोती है।

आउल मंकी

ये दक्षिण और मध्य अमेरिका के जंगलों में पाए जाते हैं और समूह में रहते हैं। आउल मंकी एक दिन में 17 घंटे सोते रहते हैं। ये रात के समय एक्टिव रहकर अपने सारे काम निपटा लेते हैं।

दरियाई घोड़े

अफ्रीका में पाए जाने वाले हिप्पो ऊंघने में मास्टर होते हैं। समूह में रहने वाले हिप्पो दिन के समय गर्मी से बचने के लिए पानी के नीचे या जमीन पर, जहां भी मौका मिलता है, झपकी ले लेते हैं। अपने समूह के साथ हिप्पो बेखौफ होकर दिन में 18-20 घंटे सोते हैं।

प्यारा और अनूठा शेवट्रेन

शेवट्रेन ऐसा जीव है, जिसका शरीर हिरन की तरह और मुंह चूहा जैसा होता है। अलग-अलग देशों के लोग इसे अलग-अलग नामों से बुलाते हैं। यह दक्षिण भारत के अलावा एशिया और अफ्रीका के विभिन्न जंगलों में पाया जाता है। इसे आर्द्र जलवायु ज्यादा भाती है। यही कारण है कि यह वर्षावनों में ज्यादा पाया जाता है। शेवट्रेन या पिसूरी चूहे की शक्ल का जीव है, पर इसका शरीर हिरन जैसा होता है। इसलिए लोग इसे माउस डियर कहते हैं। एशिया में पाए जाने वाले माउस डियर अफ्रीकी माउस डियर से हल्के और छोटे होते हैं। एशियाई माउस डियर आठ किलोग्राम तक के होते हैं। वहीं, इसकी अफ्रीकी प्रजाति का वजन 16 किलोग्राम तक होता है। यह पूरी तरह शाकाहारी होता है और पौधों के मुलायम पत्ते व पेड़ से गिरे फलों को खाता है। इसके शरीर के निचले हिस्से पर हिरन के जैसी ही धारियां भी बनी होती हैं। इसके कान छोटे-छोटे होते है। यह बहुत ही डरपोक होता है, पर विरोधी कमजोर हो, तो हमला भी कर देता है। शेवट्रेन नाम फ्रेंच से लिया गया है, जिसका मतलब 'छोटी बकरी' होता है। तेलुगु में इसे जारिनी पंडी, मलयालम में खूरान और कोंकणी में इसे बरिंका कहा जाता है। एक अनुमान के अनुसार इस जीव की खोज नव पाषाण काल में हुई। इसके पेट की संरचना बाकी जीवों से थोड़ी अलग होती है। इसके पाचन प्रक्रिया के लिए चार अलग-अलग चेंबर होते हैं। भोजन बारी-बारी से हर चेंबर से होकर गुजरता है, जहां पौष्टिक तत्वों का अवशोषण होता है। मादा एक बार में एक ही बच्चा देती है. इस कारण इनकी संख्या बहुत ही कम है। इनके पैर पतले होते हैं और खुर गाय जैसे, पर काफी छोटे होते हैं। इन्हें सींग नहीं होता, पर नर का जबड़ा काफी मजबूत होता है और जरूरत पड़ने पर इससे वह दुश्मनों पर हमला भी करता है। ये समूह में रहने के बजाय जोड़ी में रहना पसंद करते हैं। ये बच्चों का देखभाल 2-3 माह तक ही करते हैं। 10 माह में इनके बच्चे वयस्क की भूमिका निभाने और प्रजनन के लिए तैयार हो जाते हैं।

इनक्यूबेटर का कमाल

आर्यन और प्रफुल्ल दोनों भाइयों की साइंस में विशेष रुचि थी। साइंस की उन्हें काफी जानकारी भी थी। स्कूल से लौटकर आने के बाद भी वे दोनों कभी साइंस की कोई मैगजीन पढ़ते रहते तो कभी साइंस से जुड़ी कोई वेबसाइट देखते रहते। उनकी कॉलोनी में रहने वाले लोग अकसर उनके पापा से कहते, 'देख लीजिएगा श्याम जी! आपके बेटे एक दिन बहुत बड़े वैज्ञानिक बनेंगे।'

लोगों के ऐसा कहने की वजह यह थी कि उन्होंने कई बार आर्यन और प्रफुल्ल को साइंस की मदद से समस्याओं के काफी रोचक समाधान निकालते देखा था। आज भी उनके पास एक ऐसी समस्या आ गई थी। दरअसल सुबह जब वे स्कूल बस के आने का इंतजार कर रहे थे तब उनकी कॉलोनी में रहने वाले एक अंकल उनके पास आए और कहने लगे, 'मैं एक मुश्किल में फंस गया हूं। मुझे लगता है कि उसका समाधान तुम दोनों निकाल सकते हो। क्या तुम मेरी मदद करोगे?'

'क्या हुआ अंकल, आप बताइए। अगर संभव हुआ तो हम आपकी परेशानी का हल जरूर निकालेंगे।' आर्यन बोला।

'थैंक्यू बच्चो! मुझे तुमसे यही उम्मीद थी। अब मेरी समस्या सुनो- मेरे पास एक मुर्गी है, जिसे मैंने बड़े प्यार से पाला है। कल वह घर के बाहर घूमते-घूमते अचानक सामने वाले घर में चली गई और लोहे के कंटीले तारों में फंसकर जख्मी हो गई। कल ही उसने दो अंडे दिए हैं। अंडों में से चूजों के बाहर आने में अभी समय है और मुर्गी अभी ऐसी हालत में नहीं है कि उन्हें गर्मी देकर से सके। क्या अंडों को सेने का कोई और तरीका हो सकता है? मैं चाहता हूं कि दोनों चूजे अंडों से बाहर निकलने के बाद पूरी तरह स्वस्थ हों और तब तक मुर्गी की हालत भी सुधर जाए।'

आर्यन और प्रफुल्ल ने एक पल के लिए कुछ सोचा और एक-दूसरे की तरफ देखकर दोनों के मुंह से निकला- 'इनक्यूबेटर'।फिर वे दोनों बोले, 'अंकल आपका काम हो जाएगा। हमें शाम तक का समय दीजिए। आपके चूजे भी सही सलामत रहेंगे और मुर्गी भी।' यह सुनते ही कॉलोनी वाले अंकल के चेहरे पर मुस्कान आ गई।

स्कूल से घर वापस आते ही दोनों भाइयों ने खाना खाया और इनक्यूबेटर बनाने में लग गए। सबसे पहले आर्यन ने थर्मोकॉल का एक चौकोर डिब्बा बनाया, जिसे खोला भी जा सके। इसके बाद प्रफुल्ल ने उसके अंदर चारों तरफ रुई की मोटी पर्त बिछा दी ताकि उसके अंदर अंडों को सेने के लिए जरूरी गर्मी बनी रहे। दोनों भाइयों ने बायोलॉजी के पाठ इनक्यूबेटर में पढ़ा था कि मुर्गी के अंडों को सेने के लिए 99 से 102 डिग्री के आस-पास के तापमान की जरूरत होती है। दोनों ने इसके लिए उस डिब्बे का तापमान मापने के लिये उसमें तापमान मानक यंत्र के रूप में थर्मामीटर रख दिया। फिर डिब्बे के अंदर एक साफ मुलायम कपड़ा बिछाया। साथ ही उस डिब्बे में ऊपर से एक छेद करके उसमें बिजली का एक तार लटकाया। बिजली के उस तार के एक कोने में प्लग लगाया और तार के दूसरे कोने को बॉक्स में लटकाकर उसके अंदर होल्डर लगाया। होल्डर में एक बल्ब फिट किया और उसे जला दिया ताकि उसके जलने से डिब्बे में जरूरत के हिसाब से तापमान बना रहे। इसके बाद दोनों ने उसका तापमान थर्मामीटर से मापकर देखा तो वह उतना ही था, जितने की उन्हें जरूरत थी। अब उनका इनक्यूबेटर मुर्गी के अंडे सेने के लिए तैयार था।

शाम को आर्यन और प्रफुल्ल इनक्यूबेटर लेकर मुर्गी वाले अंकल के घर गए। वहां उन्होंने उसे सेट करके उसमें दोनों अंडों को रख दिया। साथ ही उन्होंने अंकल से कहा,'इन अंडों में से चूजे निकलने में 21-23 दिन का समय लगेगा। हम बीच-बीच में आकर इसे चेक करते रहेंगे। अब हम चलते हैं और आप भी अब निश्चिंत होकर अपनी मुर्गी का इलाज करवाइये।

घरेलू इनक्यूबेटर में अंडों के सेने का इंतजाम असर दिखा रहा था। 21वें दिन आर्यन और प्रफुल्ल को अंडों में कुछ हलचल सी दिखी। यह देखकर वे दोनों बहुत खुश हुए। 23वें दिन अंडे का छिलका टूटा और उसके अंदर से दो प्यारे-प्यारे चूजे बाहर आए। उन्हें देखकर सब तालियां बजाने लगे। कॉलोनी में रहने वाले लोग आर्यन और प्रफुल्ल को बधाई दे रहे थे।

आर्यन और प्रफुल्ल की खुशी का ठिकाना नहीं था। अगले दिन उन दोनों के स्कूल में प्रिंसिपल सर ने दोनों की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, 'आर्यन और प्रफुल्ल हमारे स्कूल के नंबर वन बाल वैज्ञानिक हैं। ये सिर्फ परीक्षा में पास होने के लिए ही पढ़ाई नहीं करते, बल्कि उसे अमल में भी लाते हैं। आज स्कूल के सभी छात्र इन दोनों के लिए तालियां बजाएंगे।' सर का इतना कहना था, सारे बच्चों ने प्रफुल्ल और आर्यन के लिए जोरदार तालियां बजाईं। इससे दोनों का हौसला और बुलंद हो गया। दोनों ने सोच लिया था कि वे थॉमस अल्वा एडीसन, गैलीलियो और आइंस्टीन के बारे में केवल एग्जाम में ही नहीं लिखेंगे, बल्कि उनकी तरह बन कर दिखाएंगे और अपने स्कूल का नाम रोशन करेंगे।

सीरीज बचाने की चुनौती के साथ उतरेगा भारत, दूसरे टी20 में बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

बेलफास्ट (एजेंसी)। आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के पहले मुकाबले में मिली अप्रत्याशित हार के बाद भारतीय टीम के सामने अब सीरीज बचाने की बड़ी चुनौती है। रविवार को बेलफास्ट में खेले जाने वाले दूसरे और अंतिम मुकाबले में कप्तान श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली टीम जीत दर्ज कर श्रृंखला बराबर करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। पहले मैच में आयरलैंड ने 34 रन से जीत हासिल कर इतिहास रच दिया था। यह किसी भी प्रारूप में भारत के खिलाफ उसकी पहली जीत रही। 183 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए विश्व चैंपियन भारतीय टीम 148 रन पर सिमट गई और उसके शीर्ष क्रम का प्रदर्शन पूरी तरह निराशाजनक रहा।

श्रेयस अय्यर के लिए यह मुकाबला कई मायनों में खास था। लगभग 963 दिनों बाद उन्होंने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की और पहली बार इस प्रारूप में भारत की कप्तानी संभाली, लेकिन शुरुआत उम्मीद के अनुरूप नहीं रही। अब उनकी कोशिश होगी कि इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 श्रृंखला से पहले टीम जीत के साथ आत्मविश्वास हासिल करे।

भारतीय बल्लेबाजी पहले मुकाबले में पूरी तरह बिखर गई। सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने केवल 19 गेंदों में अर्धशतक लगाकर टीम को तेज शुरुआत दिलाई, लेकिन दूसरे छोर से उन्हें किसी बल्लेबाज का साथ नहीं मिला। जैसे ही अभिषेक आउट हुए, भारतीय पारी लड़खड़ा गई। संजू सैमसन केवल चार गेंद खेलकर पवेलियन लौट गए, जबकि ईशान किशन और कप्तान श्रेयस अय्यर भी बड़ी पारी खेलने में असफल रहे। बाद में तिलक वर्मा, वॉशिंगटन सुंदर और शिवम दुबे भी बढ़ते रनगति के दबाव में टीम को संभाल नहीं सके।

आयरलैंड के युवा तेज गेंदबाजों ने शानदार अनुशासन के साथ गेंदबाजी की। पदार्पण कर रहे जय मूंद्रा ने अपनी पहली ही गेंद पर संजू सैमसन का विकेट लेकर भारतीय खेमे को झटका दिया। वहीं मैट हॉलार्ड ने ईशान किशन, श्रेयस अय्यर और वॉशिंगटन सुंदर को आउट कर भारत की वापसी की उम्मीदों को लगभग समाप्त कर दिया। दूसरे मुकाबले में भी भारतीय बल्लेबाजों के सामने आयरलैंड की तेज गेंदबाजी सबसे बड़ी चुनौती रहने वाली है।

हालांकि गेंदबाजी विभाग में भारत को कुछ सकारात्मक संकेत भी मिले। चोट से वापसी कर रहे हर्षित राणा ने चार ओवर में 24 रन देकर तीन विकेट झटके और प्रभावित किया। अर्शदीप सिंह तथा अक्षर पटेल ने भी अंतिम ओवरों में किफायती गेंदबाजी की। हालांकि वॉशिंगटन सुंदर के एक ओवर में 19 रन और प्रसिद्ध कृष्णा के चार ओवर में 57 रन खर्च करना भारत के लिए महंगा साबित हुआ। कृष्णा का 17वां ओवर, जिसमें 27 रन बने, मैच का टर्निंग प्वाइंट साबित हुआ।

आयरलैंड की ओर से कप्तान लोर्कान टकर ने 50 रन और गैरेथ डेलानी ने 49 रन की उपयोगी पारी खेलकर टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। पहले मुकाबले की ऐतिहासिक जीत के बाद आयरलैंड का मनोबल काफी ऊंचा है। दूसरी ओर भारतीय टीम न केवल श्रृंखला बराबर करना चाहेगी, बल्कि इंग्लैंड दौरे से पहले अपनी तैयारियों को भी सही दिशा देना चाहेगी। ऐसे में बेलफास्ट का दूसरा मुकाबला दोनों टीमों के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

ऐसा है भारत और आयरलैंड का स्क्वॉड

भारतः श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा (उपकप्तान), रवि बिश्नोई, अभिषेक शर्मा, सुर्यांश शेडगे, प्रसिद्ध कृष्णा, संजू सैमसन, अक्षर पटेल, हर्षित राणा, ईशान किशन, वॉशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, शिवम दुबे, प्रिंस यादव, वैभव सूर्यवंशी।

आयरलैंडः लोर्कान टकर (कप्तान और विकेटकीपर), रॉस एडेयर, बेन कैलिट्ज़, गैरेथ डेलानी, जॉर्ज डॉकरेल, स्टीफन डोहनी, मैथ्यू हंपहरेज, गेविन होई, मैथ्यू हॉलार्ड, लियाम मैकार्थी, जय मूंद्रा, हैरी टेक्टर, टिम टेक्टर, रूबेन विल्सन।

प्रसिद्ध कृष्णा के नाम दर्ज हुआ शर्मनाक टी20 अंतरराष्ट्रीय रिकॉर्ड

–3 साल बाद वापसी भी नहीं बदल सकी किस्मत

नई दिल्ली (एजेंसी)। लगभग तीन साल बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करने वाले भारतीय तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा के लिए यह वापसी किसी बुरे सपने से कम नहीं रही। आयरलैंड के खिलाफ बेलफास्ट में खेले गए पहले टी20 मुकाबले में वह बेहद महंगे साबित हुए और अपने नाम एक ऐसा अनचाहा रिकॉर्ड दर्ज करा बैठे, जो अब तक दुनिया का कोई भी गेंदबाज नहीं बना पाया था। प्रसिद्ध कृष्णा ने 26 जून को आयरलैंड के खिलाफ चार ओवर में 57 रन खर्च किए और एक भी विकेट हासिल नहीं कर सके। इससे पहले उन्होंने अपना पिछला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच 28 नवंबर 2023 को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गुवाहाटी में खेला था, जहां उनके चार ओवर में 68 रन बने थे। इस तरह लगातार दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में उन्होंने कुल 125 रन लुटा दिए, जो इस प्रारूप में किसी भी गेंदबाज द्वारा लगातार दो मुकाबलों में खर्च किए गए सबसे अधिक रन हैं।

बेलफास्ट में कृष्णा की गेंदबाजी शुरुआत से ही लय में नजर नहीं आई। कप्तान श्रेयस अय्यर ने उन्हें 17वां ओवर सौंपा, लेकिन यह फैसला भारत पर भारी पड़ गया। उस ओवर में आयरलैंड के बल्लेबाजों ने 27 रन बटोर लिए। यह ओवर अब टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में आयरलैंड के खिलाफ किसी भारतीय गेंदबाज का सबसे महंगा ओवर बन गया है। आईपीएल में प्रभावशाली प्रदर्शन के दम पर राष्ट्रीय टीम में वापसी करने वाले प्रसिद्ध कृष्णा से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद थी, लेकिन वह अपनी लेंथ और लाइन पर नियंत्रण नहीं रख सके। उनकी गेंदों का आयरिश बल्लेबाजों ने जमकर फायदा उठाया और भारतीय गेंदबाजी पर दबाव बना दिया।

मैच की बात करें तो आयरलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 182 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम 18.5 ओवर में 148 रन पर सिमट गई और उसे 34 रन से हार का सामना करना पड़ा। यह टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारत पर आयरलैंड की पहली जीत भी रही। अब दूसरे मुकाबले से पहले टीम प्रबंधन की नजरें गेंदबाजी संयोजन पर रहेंगी और प्रसिद्ध कृष्णा की जगह को लेकर भी चर्चा तेज हो गई है।

कप्तान श्रेयस अय्यर बोले– अब कोई भी मुकाबला हल्के में नहीं लेंगे

–हार से सबक लेकर वापसी को तैयार टीम इंडिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। आयरलैंड के खिलाफ पहले टी20 मुकाबले में 34 रन की अप्रत्याशित हार झेलने के बाद भारतीय टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने स्वीकार किया कि यह परिणाम निराशाजनक जरूर है, लेकिन इससे टीम को महत्वपूर्ण सीख भी मिली है। कप्तान के तौर पर अपने पहले ही मैच में हार का सामना करने वाले अय्यर ने कहा कि भारतीय खिलाड़ी अब इस अनुभव से सबक लेकर अगले मुकाबले में पूरी तैयारी और नए आत्मविश्वास के साथ मैदान पर उतरेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि टीम किसी भी प्रतिद्वंद्वी को हल्के में लेने की गलती दोबारा नहीं करेगी। बेलफास्ट में खेले गए मुकाबले में आयरलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 182 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम निर्धारित लक्ष्य का पीछा करते हुए 18.5 ओवर में 148 रन पर सिमट गई। मैच के बाद अय्यर ने कहा कि शुरुआती ओवरों में भारतीय गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया और स्विंग तथा सीम मूवमेंट का बेहतरीन फायदा उठाकर शुरुआती विकेट भी हासिल किए। हालांकि मध्य ओवरों में टीम अपनी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू नहीं कर सकी, जिसका फायदा आयरलैंड के बल्लेबाजों ने उठाया।

डेम्बेले की तूफानी हैट्रिक से फ्रांस ने नॉर्वे को 4-1 से हराया

–ग्रुप में शीर्ष स्थान के साथ बढ़ाया जीत का सिलसिला

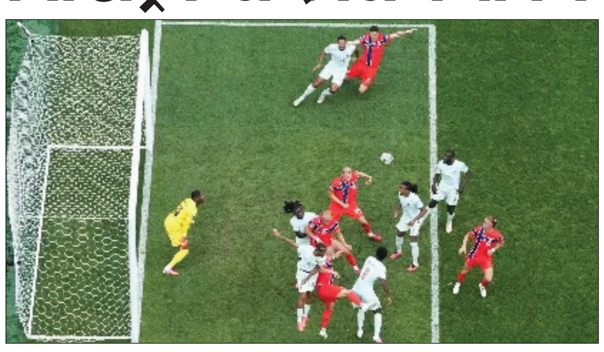

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के फॉक्सबोरो में खेले गए फीफा विश्व कप के ग्रुप-आई मुकाबले में फ्रांस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए नॉर्वे को 4-1 से शिकस्त दी। इस जीत के नायक स्टार स्ट्राइकर उस्मान डेम्बेले रहे, जिन्होंने पहले हाफ में ही हैट्रिक लगाकर मैच का रुख पूरी तरह फ्रांस के पक्ष में मोड़ दिया। उनकी दमदार पारी की बदौलत फ्रांस ने ग्रुप चरण का समापन शीर्ष स्थान पर किया और नॉकआउट दौर में पूरे आत्मविश्वास के साथ प्रवेश किया। डेम्बेले ने मुकाबले के सातवें, 20वें और 32वें मिनट में गोल दागे। उनके पहले गोल में कप्तान काइलियन एमबाप्पे ने बेहतरीन पास देकर अहम भूमिका निभाई। विश्व कप के इतिहास में पिछले 32 वर्षों के दौरान पहली बार किसी खिलाड़ी ने पहले हाफ में ही हैट्रिक पूरी की है। इससे पहले 1994 विश्व कप में रूस के ओलेग सालेन्को ने कैमरून के खिलाफ शुरुआती 45 मिनट में तीन गोल किए थे। इस ऐतिहासिक प्रदर्शन के साथ डेम्बेले गोल्डन बूट की दौड़ में भी मजबूती से शामिल हो गए हैं, जहां उनका मुकाबला लियोनेल मेसी और टीम के साथी काइलियन एमबाप्पे जैसे दिग्गज खिलाड़ियों से है। मैच के बाद डेम्बेले ने अपनी उपलब्धि पर खुशी जताते हुए कहा कि व्यक्तिगत रिकॉर्ड से अधिक महत्वपूर्ण टीम की जीत और ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल करना है। उन्होंने कहा कि अब पूरी टीम का ध्यान अगले मुकाबले पर है और उनका लक्ष्य टूर्नामेंट में जीत का सिलसिला बनाए रखना है।

फ्रांस और नॉर्वे दोनों पहले ही नॉकआउट चरण में जगह पक्की कर चुके थे, लेकिन इस मुकाबले से ग्रुप विजेता का फैसला होना था। फ्रांस ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और नॉर्वे को संभलने का मौका नहीं दिया। डेम्बेले के दूसरे गोल के तुरंत बाद थैलो आसगार्ड ने केवल 14 सेकंड के भीतर गोल कर नॉर्वे की वापसी की उम्मीद जगाई, लेकिन डेम्बेले ने कुछ ही मिनट बाद अपना तीसरा गोल कर फ्रांस की दो गोल की बढ़त फिर से बहाल कर दी। दूसरे हाफ के इंजरी टाइम में डेसिरे डोउ ने चौथा गोल दागकर फ्रांस की जीत को और शानदार बना दिया। डेम्बेले ने 65वें मिनट तक मैदान पर रहते हुए चार गोल वाले खिलाड़ियों की सूची में अपना नाम और मजबूत किया। इसके बाद उनकी जगह ब्रैडली बारकोला को मैदान पर उतारा गया।

स्पेन की जीत से उरुग्वे का टूटा विश्व कप सपना, ग्रुप चरण से ही बाहर हुई दो बार की चैंपियन टीम

नई दिल्ली । विश्व कप फुटबॉल में स्पेन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए उरुग्वे को 1–0 से हराकर नॉकआउट चरण में अपनी जगह पक्की कर ली। मैक्सिको के गुआडालाजारा में खेले गए इस मुकाबले में स्पेन ने अवसर का पूरा फायदा उठाया, जबकि दो बार की विश्व चैंपियन उरुग्वे एक भी जीत दर्ज किए बिना टूर्नामेंट से बाहर हो गई। इस हार के साथ दक्षिण अमेरिकी टीम का अभियान निराशाजनक अंदाज में समाप्त हो गया। ग्रुप एच में स्पेन ने सात अंक जुटाकर शीर्ष स्थान हासिल किया। अब अगले दौर में उसका मुकाबला ग्रुप जे में दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम, ऑस्ट्रिया या अल्जीरिया, से होगा। दूसरी ओर उरुग्वे पूरे ग्रुप चरण में जीत का स्वाद नहीं चख सका और केवल दो अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहा। अंक तालिका में पिछड़ने के कारण वह सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान वाली टीमों में भी जगह नहीं बना पाया और प्रतियोगिता से बाहर हो गया। फीफा रैंकिंग में 19वें स्थान पर मौजूद उरुग्वे इस विश्व कप से बाहर होने वाली अब तक की सबसे ऊंची रैंकिंग वाली टीम बन गई। मुकाबले का एकमात्र गोल स्पेन के एलेक्स बाएना ने 42वें मिनट में किया। उन्होंने पेनल्टी क्षेत्र के बाहर से शॉट लगाया, जिसे अनुभवी गोलकीपर फर्नांडो मुसलेरा रोकने में असफल रहे। यह ऐसा मौका था, जिसे सामान्य परिस्थितियों में बचाया जा सकता था। टूर्नामेंट के दौरान मुसलेरा की यह लगातार तीसरी बड़ी गलती रही। उनके निराशाजनक प्रदर्शन को देखते हुए मुख्य कोच मार्सेलो बिएल्सा ने हाफ टाइम के बाद उन्हें मैदान से बाहर बुला लिया। ग्रुप एच से स्पेन के अलावा केप वर्दे ने भी अंतिम–16 में जगह बनाई। केप वर्दे ने सऊदी अरब के खिलाफ गोलरहित मुकाबला खेलते हुए लगातार तीसरा ड्रॉ दर्ज किया और तीन अंकों के साथ अगले दौर में पहुंच गया।

भारत–इंग्लैंड टी–20 सीरीज : कोल्स से टीम इंडिया को रहना होगा सावधान

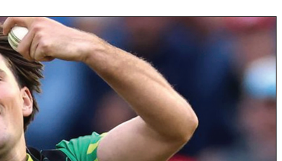

लंदन । भारतीय क्रिकेट टीम को मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ 1 जुलाई से होने वाली टी20 सीरीज में युवा खिलाड़ी जेम्स कोल्स से सावधान रहना होगा। भारतीय टीम इस दौरे में श्रेयस अय्यर की कप्तानी में इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी–20 सीरीज खेलेगी। इंग्लैंड की टीम में इस बार नये खिलाड़ी के तौर पर केवल कोल्स को रखा गया है। कोल्स दाएं हाथ के मध्य क्रम के बल्लेबाज हैं और स्पिन गेंदबाजी भी करते हैं। वह घरेलू क्रिकेट में पिछले एक साल से लगातार बेहतर प्रदर्शन करते आ रहे हैं। इस साल की शुरुआत में द हंड्रेड नीलामी में उन्होंने सदर्न ब्रेव की ओर काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। उन्हें टीम ने सबसे अधिक कीमतों में खरीदा था। हाल ही में ससेक्स के लिए काउंटी चैंपियनशिप के एक मैच में नंबर 5 पर बल्लेबाजी करते हुए इस युवा ने नाबाद 224 रन की शानदार पारी खेली थी। इस क्रिकेटर ने काउंटी के अलावा इस साल की शुरुआत में एसए 20 लीग में काव्या मारन की मालिकाना अधिकार वाली सनराइजर्स ईस्टर्न केप के लिए भी खेला था जहां उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों के साथ अच्छा प्रदर्शन किया। इंग्लैंड पुरुष टीम के मौजूदा राष्ट्रीय चयनकर्ता मार्कस नॉर्थ ने कोल्स की जमकर सराहना की है। नॉर्थ ने कहा कि जेम्स कोल्स एक शानदार खिलाड़ी हैं और उन्होंने इंग्लैंड लायंस के साथ–साथ देश–विदेश की टी–20 प्रतियोगिताओं में अपने बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर राष्ट्रीय टीम में जगह बनाई है। कोल्स का क्रिकेट करियर काफी प्रभावशाली रहा है, भले ही वह अभी युवा हैं। ससेक्स के लिए खेलते हुए, उन्होंने अब तक 58 फर्स्ट–क्लास, 24 लिस्ट–ए और 71 टी–20 मैच खेले हैं। सबसे छोटे प्रारूप टी–20 में, उन्होंने 61 पारियों में 146.37 के शानदार स्ट्राइक रेट से कुल 1,373 रन बनाए हैं, जो उनकी आक्रामक बल्लेबाजी का प्रमाण है। गेंदबाजी में भी, उन्होंने 56 पारियों में 59 विकेट लेकर अपनी ऑलराउंड क्षमता साबित की है।

भारत / पाकिस्तान: भारत ने पाकिस्तान पर बरसाए 7 गोल, FIH प्रो लीग में दर्ज की एकतरफा जीत

स्पोर्ट्स डेस्क। FIH प्रो लीग 2025-26 में भारतीय हॉकी टीम ने एक बार फिर चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को करारी शिकस्त दी। लंदन में खेले गए मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को 7-1 से रौंदते हुए लगातार दूसरी बार हराया। शुरुआती झटके के बावजूद टीम इंडिया ने शानदार वापसी की और मैच पर पूरी तरह कब्जा जमा लिया। यह प्रो लीग में भारत की लगातार चौथी जीत रही, जबकि पाकिस्तान की टीम अब तक अपने सभी 15 मुकाबले हार चुकी है।

पाकिस्तान ने की तेज शुरुआत, भारत ने पलट दिया मुकाबला

पहले क्वार्टर में भारत को तीन पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन टीम कोई भी मौका भुना नहीं सकी। दूसरी ओर पाकिस्तान ने अपना पहला ही पेनल्टी कॉर्नर गोल में बदल दिया। 13वें मिनट में अबू महमूद ने गोल कर पाकिस्तान को 1-0 की बढ़त दिलाई। हालांकि दूसरे क्वार्टर में भारत ने शानदार वापसी की। 20वें मिनट में सुखजीत सिंह ने बराबरी का गोल किया। इसके बाद 26वें मिनट में कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने गोल दागकर भारत को 2-1 की बढ़त दिला दी।

तीसरे क्वार्टर में भारत ने मचाया गोलों का तूफान

तीसरे क्वार्टर में भारतीय टीम ने पाकिस्तान की रक्षापंक्ति को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। 32वें मिनट में हार्दिक सिंह ने पेनल्टी स्ट्रोक पर गोल किया। इसके बाद 35वें मिनट में जुगराज सिंह और 41वें मिनट में अभिषेक ने लगातार गोल कर स्कोर 5-1 कर दिया।पाकिस्तान संभल भी नहीं पाया था कि 44वें मिनट में राज कुमार पाल ने एक और गोल दागकर भारत की बढ़त 6-1 कर दी।

दिलप्रीत ने लगाया आखिरी गोल, भारत ने 7-1 से दर्ज की धमाकेदार जीत

मैच के अंतिम क्वार्टर में भी भारतीय टीम का दबदबा कायम रहा। 53वें मिनट में दिलप्रीत सिंह ने शानदार फिनिश करते हुए भारत का सातवां गोल दागा। इसके साथ ही टीम इंडिया ने 7-1 की बड़ी जीत दर्ज कर पाकिस्तान को पूरी तरह मैच से बाहर कर दिया।

पाकिस्तान पर भारत का लगातार दबदबा कायम

भारतीय हॉकी टीम पिछले कई वर्षों से पाकिस्तान पर पूरी तरह हावी रही है। साल 2016 के बाद से भारत सीनियर और जूनियर स्तर पर पाकिस्तान से कोई मुकाबला नहीं हारा है। हाल ही में जापान में खेले गए अंडर-18 एशिया कप में भी भारत ने पाकिस्तान को 5-3 से हराकर अपना दबदबा कायम रखा था। अब एफआईएच प्रो लीग में भी टीम इंडिया ने लगातार दूसरी जीत दर्ज कर अपनी श्रेष्ठता एक बार फिर साबित कर दी।

टी20 ब्लास्ट 2026 के लिए घरेलू खिलाड़ी के तौर नॉट्स आउटलॉज टीम से खेलेंगे आमिर

लंदन । विवादों में रहे पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर अब टी20 ब्लास्ट 2026 के बाकी बचे मैचों के लिए घरेलू खिलाड़ी के तौर पर नॉट्स आउटलॉज टीम से खेलेंगेहैं। आमिर को ब्रिटिश नागरिकता मिलने के बाद ही घरेलू खिलाड़ी के तौर पर शामिल किया गया है। इससे अब ये तेज गेंदबाज अपने क्रिकेट करियर की नई पारी शुरु कर रहा है। आमिर को एक समय पाक का एक बेहतरीन तेज गेंदबाज माना जाता था पर स्पॉट फिक्सिंग मामले के चलते उन्हें झटका लगा और पाक क्रिकेट में उनका करियर समय से पहले ही समाप्त हो गया। वहीं अब ब्रिटिश नागरिकता मिलने के बाद आमिर का काउंटी क्रिकेट में विदेशी खिलाड़ी के वर्ग में नहीं गिना जाएगा जिससे इंग्लैंड की ओर से उनके पास अब घरेलू क्रिकेट में भी खेलने के कई अवसर हैं। नॉटिंघमशायर ने आमिर के साथ करार किसे जाने को सही बताया है। साथ ही कहा कि 34 वर्षीय आमिर ब्लास्ट अभियान के बाकी बचे मैचों के लिए उपलब्ध रहेंगे जिसमें नॉकआउट चरण भी शामिल है।

हार के बीच भी अभिषेक शर्मा ने रचा विश्व रिकॉर्ड : टी20 में ऐसा करने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बने

नई दिल्ली । आयरलैंड के खिलाफ पहले टी20 मुकाबले में भले ही भारतीय टीम को 34 रन से हार का सामना करना पड़ा, लेकिन सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से ऐसा विश्व रिकॉर्ड बना दिया, जो अब तक टी20 क्रिकेट में कोई भी खिलाड़ी नहीं बना सका था। बेलफास्ट में खेली गई उनकी तूफानी पारी ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह सीमित ओवरों के क्रिकेट के सबसे आक्रामक बल्लेबाजों में शामिल हो चुके हैं। उन्होंने महज 19 गेंदों में अर्धशतक पूरा कर इतिहास रच दिया और फुल मेंबर देशों की ओर से खेलते हुए टी20 क्रिकेट में 20 या उससे कम गेंदों में पांच बार अर्धशतक लगाने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बन गए। 25 वर्षीय अभिषेक शर्मा ने इस उपलब्धि के साथ कई दिग्गज खिलाड़ियों को पीछे छोड़ दिया। इससे पहले युवराज सिंह, डेविड वॉर्नर, फिल साल्ट, कॉलिन मुनरो, दासुन शनाका और फिन एलन जैसे विस्फोटक बल्लेबाज अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में केवल तीन–तीन बार ही 20 या उससे कम गेंदों में अर्धशतक लगाने का कारनामा कर पाए थे। अभिषेक ने पांचवीं बार यह उपलब्धि हासिल कर इस सूची में सबसे ऊपर अपना नाम दर्ज करा लिया।

आयरलैंड के खिलाफ मुकाबले में अभिषेक शुरू से ही आक्रामक अंदाज में नजर आए। उन्होंने तेज गेंदबाजों और स्पिनरों दोनों पर बेखौफ होकर प्रहार किए और केवल 19 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। पारी के आठवें ओवर में डीप मिडविकेट की दिशा में शानदार पुल शॉट लगाकर उन्होंने यह मुकाम हासिल किया। उनकी इस उपलब्धि पर भारतीय ड्रेसिंग रूम में मौजूद खिलाड़ियों ने खड़े होकर तालियों के साथ उनका स्वागत किया। इस पारी के साथ अभिषेक आयरलैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में तीसरा सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले बल्लेबाज भी बन गए। इस सूची में शीर्ष स्थान स्टीफन मायबर्ग के नाम है, जिन्होंने 2014 में 17 गेंदों में अर्धशतक बनाया था। दूसरे स्थान पर लिटन दास हैं, जिन्होंने 2023 में 18 गेंदों में यह उपलब्धि हासिल की थी। अब अभिषेक शर्मा 19 गेंदों में अर्धशतक लगाकर तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं।

हालांकि शानदार शुरुआत के बावजूद अभिषेक अपनी पारी को बड़ी पारी में नहीं बदल सके। अर्धशतक पूरा करने के तीन गेंद बाद ही वह 20 गेंदों में 50 रन बनाकर आउट हो गए। उनकी पारी में सात चौके और दो लंबे छक्के शामिल रहे। आयरलैंड के तेज गेंदबाज लियाम मैक्कार्थी ने उन्हें डीप मिडविकेट पर कैच कराकर अपना पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय विकेट हासिल किया। भारतीय टीम के अन्य बल्लेबाज अभिषेक का साथ नहीं दे सके और लगातार अंतराल पर विकेट गिरते रहे। परिणामस्वरूप 183 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पूरी टीम 148 रन पर सिमट गई और आयरलैंड ने पहली बार भारत को टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में हराकर ऐतिहासिक जीत दर्ज की। हालांकि टीम को हार मिली, लेकिन अभिषेक शर्मा की रिकॉर्डतोड़ पारी भारतीय क्रिकेट के लिए इस मुकाबले की सबसे बड़ी सकारात्मक उपलब्धि बनकर उभरी।

वैभव सूर्यवंशी को लेकर अश्विन की दोटूक राय, बोले- हाइप नहीं, प्रदर्शन के दम पर मिले टीम में जगह

नई दिल्ली (एजेंसी)। आयरलैंड के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को अंतिम एकादश में शामिल नहीं किए जाने पर लगातार बहस जारी है। क्रिकेट प्रशंसकों और कई पूर्व खिलाड़ियों ने इस फैसले पर अलग-अलग राय दी है। इसी बीच भारत के पूर्व दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने इस पूरे मुद्दे पर संतुलित प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि टीम प्रबंधन ने परिस्थितियों के अनुसार सही फैसला लिया है और किसी खिलाड़ी को केवल लोकप्रियता या चर्चा के आधार पर टीम में जगह नहीं मिलनी चाहिए। अपने यूट्यूब कार्यक्रम में अश्विन ने कहा कि भारतीय टीम किसी एक खिलाड़ी को ध्यान में रखकर नहीं बनाई जाती, बल्कि टीम के संतुलन और प्रदर्शन को प्राथमिकता दी जाती है। उन्होंने याद दिलाया कि मुख्य कोच गौतम गंभीर भी पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि टीम में सुपरस्टार संस्कृति के बजाय टीम फर्स्ट का सिद्धांत अपनाया जाएगा।

अश्विन का मानना है कि मौजूदा समय में सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन ने हाल के समय में अच्छा प्रदर्शन किया है। ऐसे में केवल वैभव सूर्यवंशी को मौका देने के लिए किसी खिलाड़ी को बाहर करना उचित नहीं होगा। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम में स्थान हमेशा योग्यता और प्रदर्शन के आधार पर मिलना चाहिए, न कि सोशल मीडिया पर बने माहौल या किसी खिलाड़ी के इर्द-गिर्द बनी चर्चा के कारण। पूर्व ऑफ स्पिनर ने यह भी कहा कि युवा खिलाड़ियों के लिए ड्रेसिंग रूम में रहना, वरिष्ठ खिलाड़ियों के साथ समय बिताना और टीम के माहौल को समझना भी सीखने की प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। उनके अनुसार बाहर बैठकर मैच देखना, टीम की सहायता करना और अनुभव हासिल करना किसी भी युवा क्रिकेटर के विकास में अहम भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि इसमें किसी प्रकार की शर्म महसूस करने की जरूरत नहीं है।

अश्विन ने माना कि वैभव सूर्यवंशी में असाधारण प्रतिभा है और भविष्य में वह भारतीय क्रिकेट के बड़े खिलाड़ी बन सकते हैं। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि फिलहाल टीम में ओपनिंग स्लॉट खाली नहीं है। उनके अनुसार वैभव को मौका तभी मिलेगा जब किसी मौजूदा सलामी बल्लेबाज का प्रदर्शन लगातार खराब हो या कोई खिलाड़ी चोटिल हो जाए। उन्होंने कहा कि किसी युवा खिलाड़ी का अंतरराष्ट्रीय पदार्पण केवल इसलिए नहीं कराया जा सकता कि लोग उसे खेलते हुए देखना चाहते हैं। अश्विन ने अंत में विश्वास जताया कि वैभव सूर्यवंशी का भविष्य बेहद उज्ज्वल है। यदि वह लगातार घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने प्रदर्शन से दावेदारी मजबूत करते रहेंगे तो भारतीय टीम में उनकी जगह स्वतः बन जाएगी। फिलहाल उनके लिए धैर्य बनाए रखना और सीखते हुए सही अवसर का इंतजार करना ही सबसे बेहतर रास्ता है।

अपनी फिल्म को मिले प्यार पर आभार जताया शरवरी वाघ ने

अभिनेत्री शरवरी वाघ ने हाल ही में अपनी नवीनतम फिल्म मैं वापस आऊंगा को दर्शकों से मिल रहे असाधारण प्यार और समर्थन के लिए अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने एक भावुक नोट में इस बात पर जोर दिया कि हर कलाकार का यह सपना होता है कि वह ऐसी कहानी का हिस्सा बने, जो केवल सिनेमाघरों तक सीमित न रहे बल्कि दर्शकों के दिल और दिमाग में लंबे समय तक अपनी छाप छोड़े। शरवरी का मानना है कि इस फिल्म ने उनके लिए इस सपने को साकार किया है। अभिनेत्री ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया हैंडल पर कई तस्वीरें और वीडियो क्लिप साझा किए, जिनमें फिल्म मैं वापस आऊंगा के प्रति दर्शकों की विभिन्न प्रतिक्रियाएं, भावुक समीक्षाएं, सिनेमाघरों के दृश्य और साथ ही फिल्म के लोकप्रिय गीत मसकारा की मेकिंग के दौरान के बिहाइंड-द-सीन्स (बीटीएस) पल शामिल थे। ये पोस्ट इस बात का प्रमाण थे कि फिल्म ने दर्शकों के साथ एक गहरा भावनात्मक जुड़ाव बना लिया है।

अपने पोस्ट के कैप्शन में शरवरी ने लिखा, मुझे नहीं लगता कि इससे बड़ी कोई खुशी हो सकती है कि जिस चीज में आपने अपना दिल और आत्मा लगा दी हो, वह दूसरे लोगों के दिलों में भी जगह बना ले। संदेश, वीडियो, आंसू, बातचीत और प्यारज मैं यह सब देख और पढ़ रही हूं, और कई बार मेरी अपनी आंखों में भी आंसू आ जाते हैं। उनकी इन पंक्तियों से फिल्म के साथ उनके व्यक्तिगत जुड़ाव और दर्शकों की प्रतिक्रियाओं से मिल रही संतुष्टि का पता चलता है। उन्होंने आगे कहा, हर अभिनेता का सपना होता है कि वह ऐसी कहानी का हिस्सा बने, जो दर्शकों के थिएटर से बाहर निकलने के बाद भी लंबे समय तक उनके साथ बनी रहे। जिस तरह आप सभी ने 'मैं वापस आऊंगा' से जुड़ाव महसूस किया है, वह मेरे लिए बेहद विनम्र और भावुक करने वाला अनुभव रहा है। हमारे साथ हर भावना को महसूस करने और इस फिल्म को अपने प्यार से आगे बढ़ाने के लिए आप सभी का दिल से धन्यवाद।

फिल्म में शरवरी के सह-कलाकार वेदांग रैना ने भी उनके पोस्ट पर टिप्पणी करते हुए लिखा, तुम इस सबकी हकदार हो, जिया। यह फिल्म इम्तियाज के निर्देशन में बनी है और एक पीरियड रोमांटिक ड्रामा है, जिसमें नसीरूद्दीन शाह और दिलजीत दोसांझ जैसे दिग्गज कलाकार भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। मैं वापस आऊंगा की कहानी भारत के बंटवारे की पृष्ठभूमि पर आधारित है और बिछड़ने, प्रेम, यादों, पलायन और स्मृतियों जैसे मानवीय विषयों को संवेदनशील रूप से सामने लाती है। यह फिल्म एक ऐसे प्रेम संबंध की मार्मिक कहानी दिखाती है, जो ऐतिहासिक उथल-पुथल के कारण गहरे रूप से प्रभावित होता है। कहानी को नसीरूद्दीन शाह के किरदार के दृष्टिकोण से सुनाया गया है, जो इसे और भी भावुक बना देता है। यह फिल्म इम्तियाज अली और एआर रहमान की सफल जोड़ी को एक बार फिर साथ लाती है, जिसमें गीतकार इरशाद कामिल ने भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

सामंथा ने की अपनी प्रेग्नेंसी की घोषणा

अभिनेत्री सामंथा प्रभु, जो इन दिनों अपनी फिल्म मां इंटी बंगारम की सफलता का आनंद ले रही हैं, ने अपने प्रशंसकों के साथ एक बड़ी खुशखबरी साझा की है। 39 वर्ष की उम्र में मां बनने जा रही सामंथा ने अपने पति राज निदिमोरू के साथ एक थैंक्स मीट में इस बात का खुलासा किया। पिछले कुछ समय से सामंथा की ऐसी वीडियोज़ वायरल हो रही थीं, जिनमें उनका बेबी बंप नजर आ रहा था, जिसके बाद उनकी प्रेग्नेंसी को लेकर अटकलें लगाई जा रही थीं। अब उन्होंने खुद इस बात की पुष्टि कर दी है। खुशी का इजहार करते हुए सामंथा ने मंच पर हंसते हुए कहा,

अब मैं मैटरनिटी के लिए छोटा-सा ब्रेक ले रही हूं। इस घोषणा के बाद वहां मौजूद सभी लोगों ने उन्हें बधाइयां दीं और सोशल मीडिया पर भी फैंस का बधाई संदेशों से भर गया। वीडियो में उनका प्रेग्नेंसी ग्लो साफ दिखाई दे रहा है। सामंथा ने 1 दिसंबर 2025 को निर्माता राज निदिमोरू के साथ कोयंबटूर के ईशा योग सेंटर में सादे समारोह में शादी की थी। नागा चैतन्य से अलग होने के बाद यह उनकी दूसरी शादी थी। उनके इस ऐलान से उनके फैंस बेहद उत्साहित हैं और इस नए सफर के लिए उन्हें शुभकामनाएं दे रहे हैं।

एग्स फ्रीज कराने पर आकांक्षा रंजन का खुलासा

माता-पिता को मनाने की जरूरत नहीं पड़ी

अभिनेत्री आकांक्षा रंजन इन दिनों अपने एक अत्यंत निजी और महत्वपूर्ण फैसले, एग्स फ्रीज कराने को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में उन्होंने एक साक्षात्कार में इस संवेदनशील विषय पर खुलकर बात की और बताया कि जब उन्होंने यह फैसला लिया, तब उनके माता-पिता की इस पर क्या प्रतिक्रिया थी। आकांक्षा ने स्पष्ट किया कि उन्हें अपने माता-पिता को इस फैसले के लिए मनाने की बिल्कुल भी आवश्यकता नहीं पड़ी, क्योंकि वे उनकी समझदारी और निर्णयों पर पूरा भरोसा रखते हैं। आकांक्षा रंजन ने बताया, अब मैं ऐसी उम्र में हूं, जहां मेरे माता-पिता को मुझ पर पूरा भरोसा है। वह जानते हैं कि मैं कोई भी फैसला जल्दबाजी में नहीं लेती। पहले मैं हर बात को अच्छी तरह समझती हूं और फिर फैसला करती हूं। यही वजह है कि मेरे परिवार ने मेरे फैसले पर कभी सवाल नहीं किए, बल्कि हमेशा मेरा साथ दिया। यह विश्वास आकांक्षा के लिए एक बड़ी राहत और समर्थन का स्रोत रहा है।

अभिनेत्री ने आगे बताया कि उनके पिता को शुरुआत में इस पूरी प्रक्रिया के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी। वह ऐसे समय और माहौल में बड़े हुए हैं, जहां इस तरह के विषयों पर आमतौर पर ज्यादा चर्चा नहीं होती थी। इसलिए आकांक्षा को पहले उन्हें विस्तार से समझाना पड़ा कि एग्स फ्रीज कराना क्या होता है, इसकी आवश्यकता क्यों पड़ती है और यह प्रक्रिया कैसे काम करती है। उन्होंने कहा कि उनके पिता ने उनकी बातों को बहुत ध्यान से सुना और समझने की पूरी कोशिश की। आकांक्षा ने बताया, मेरे पिता ने कभी मेरे फैसले का विरोध नहीं किया। उन्हें बस इस बारे में जानकारी चाहिए थी। जब मैंने उन्हें विस्तार से समझाया कि मैं ऐसा क्यों करना चाहती हूं और इसके पीछे क्या वजह है, तो उन्होंने मेरा समर्थन किया। हालांकि, उनकी मां की चिंता कुछ अलग थी। आकांक्षा ने कहा, मां को मेरी सेहत की चिंता थी, क्योंकि इस प्रक्रिया में मेडिकल इलाज और कुछ जरूरी प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है। ऐसे में मां होने के नाते उन्हें अपनी बेटी की सेहत को लेकर स्वाभाविक रूप से फिक्र थी। लेकिन जब आकांक्षा ने उन्हें यह समझाया कि वह भविष्य को ध्यान में रखकर यह फैसला ले रही हैं, तो उनकी मां भी उनकी बात को समझ गईं और उन्हें अपना पूरा समर्थन दिया। मां का यह भावनात्मक और व्यावहारिक समर्थन आकांक्षा के लिए बेहद खास और मूल्यवान रहा है।

आकांक्षा ने इस बात पर जोर दिया कि जब परिवार आपके साथ खड़ा हो, तो बड़े से बड़ा और व्यक्तिगत फैसला लेना भी बहुत आसान हो जाता है। उन्होंने अपने माता-पिता की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने कभी उन पर अपनी सोच नहीं थोपी, बल्कि हमेशा उनकी बात सुनी और उन पर भरोसा किया। इसी वजह से आकांक्षा को इस फैसले को लेकर किसी भी तरह का दबाव महसूस नहीं हुआ, जिससे उन्हें आत्मविश्वास और शांति के साथ आगे बढ़ने में मदद मिली।

असली पहचान आत्मविश्वास और मूल्यों से आती है : शिल्पा शिंदे

- धूम्रपान या पहनावे से नहीं

अभिनेत्री शिल्पा शिंदे ने हाल ही में फेमिनिज्म और आधुनिकता की बदलती अवधारणाओं पर अपनी राय साझा की, जो इन दिनों सोशल मीडिया से लेकर फिल्मों तक बहस का एक बड़ा मुद्दा बनी हुई है। हाल ही में एक साक्षात्कार में शिल्पा ने कहा कि उनके लिए सच्ची पहचान बाहरी दिखावे, कपड़ों या जीवनशैली से कहीं अधिक गहरी है। उन्होंने कहा कि यह आत्मविश्वास, मजबूत मूल्यों और खुद को गहराई से समझने की क्षमता से उपजी है। उनका मानना है कि कोई महिला क्या पहनती है या कैसे दिखती है, यह उतना महत्वपूर्ण नहीं है जितना कि वह अपने जीवन और अपने विचारों को कितनी

स्पष्टता और ईमानदारी से जीती है। इसी बातचीत में शिल्पा शिंदे ने स्वीकार किया कि उनकी सोच कुछ हद तक पारंपरिक है। उन्होंने बेबाकी से कहा, यह मेरी निजी सोच है कि मुझे महिलाओं का धूम्रपान करना पसंद नहीं है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि धूम्रपान या किसी विशेष जीवनशैली को आधुनिकता का पैमाना मानना गलत है। उनके अनुसार, कोई आदत किसी व्यक्ति के आधुनिक होने का प्रमाण नहीं हो सकती। शिल्पा ने बताया कि उनके लिए आधुनिकता का अर्थ कहीं अधिक व्यापक और व्यक्तिगत है। वह मानती हैं कि सिर्फ धूम्रपान करना, शराब पीना या तथाकथित आधुनिक कपड़े पहनना किसी को बोल्ड नहीं बनाता। असली बोल्डनेस व्यक्ति के विचारों में मजबूती, अपने फैसलों को समझने की क्षमता और आत्मविश्वास के साथ जीवन जीने में निहित है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि बाहरी दिखावा और व्यक्ति का असली व्यक्तित्व दो अलग-अलग पहलू हैं, जिन्हें अक्सर लोग गलत तरीके से जोड़ देते हैं। अभिनेत्री ने कपड़ों और सोच के बीच के संबंध को भी स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति की मानसिकता उसके पहनावे से तय नहीं होती। एक महिला साड़ी पहनकर भी बेहद आधुनिक और प्रगतिशील सोच रख सकती है, जबकि कोई आधुनिक कपड़े पहनकर भी पुराने विचारों वाला हो सकता है। इसलिए, शिल्पा के अनुसार, किसी को उसके कपड़ों के आधार पर आंकना बिल्कुल अनुचित है। उन्होंने अपनी व्यक्तिगत पसंद बताते हुए कहा कि उन्हें साड़ी पहनने वाली महिलाएं ज्यादा आकर्षित करती हैं, लेकिन यह उनकी अपनी फैशन पसंद है, न कि किसी की सोच का पैमाना। अंत में, शिल्पा शिंदे ने इस बात पर जोर दिया कि एक महिला के लिए सबसे महत्वपूर्ण यह है कि वह स्वयं को पहचाने, अपने मूल्यों को समझे और अपने जीवन को आत्मविश्वास और दृढ़ता के साथ जीए। उनके लिए, यही सच्ची मजबूती और सशक्तिकरण का प्रतीक है।

रश्मिका मंदाना ने पेट डॉग ऑरा और कच्चे आम के साथ साझा किए खुशी के पल

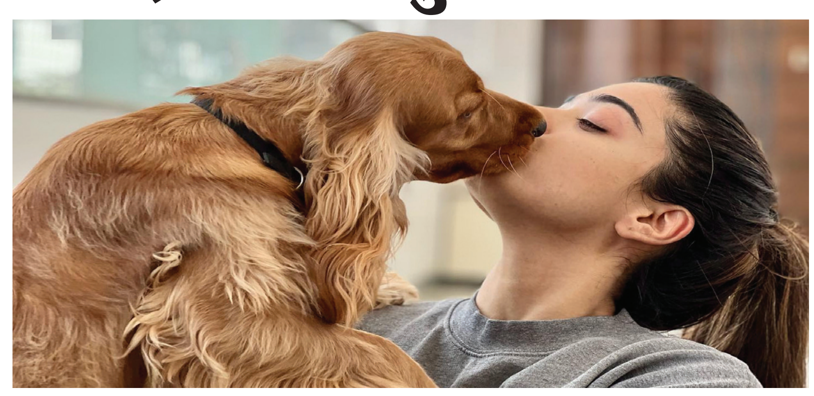

लोकप्रिय अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने हाल ही में अपने प्रशंसकों और अनुयायियों के साथ अपने प्यारे पालतू कुत्ते ऑरा के साथ बिताए कुछ आनंदमय और निजी पलों को साझा किया। उन्होंने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर ऑरा के साथ कई दिल छू लेने वाले वीडियो और तस्वीरें पोस्ट कीं, जिन्होंने तुरंत सोशल मीडिया पर ध्यान आकर्षित किया। पोस्ट के पहले वीडियो में, रश्मिका को अपने चार पैरों वाले प्यारे दोस्त ऑरा पर जी भर कर प्यार बरसाते हुए देखा जा सकता है। यह वीडियो उनके गहरे बंधन और स्नेह को दर्शाता है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि ऑरा उनकी जिंदगी का कितना महत्वपूर्ण हिस्सा है। पुष्पा और एनिमल जैसी सफल फिल्मों की इस अभिनेत्री ने इसके बाद अपनी कुछ खूबसूरत सेल्फी भी साझा कीं। इन तस्वीरों के साथ उन्होंने कच्चे आम के टुकड़ों की कुछ स्वादिष्ट तस्वीरें भी पोस्ट कीं, जिनका उन्होंने उस दिन आनंद लिया था। इन निजी पलों को साझा करते हुए, रश्मिका ने दिखाया कि वह अपने व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद छोटे-छोटे सुखों और अपने पालतू जानवर के साथ समय बिताने का कितना महत्व देती हैं।

एक और तस्वीर में, ऑरा को रश्मिका के बगल में शांति से बैठे हुए और प्यार भरी नज़रों से उन्हें देखते हुए देखा गया। यह दृश्य उनके बीच के सौहार्दपूर्ण रिश्ते को दर्शाता है। पोस्ट के आखिरी वीडियो क्लिप में, द गर्लफ्रेंड की अभिनेत्री रश्मिका को ऑरा एक गहरी और जिज्ञासु नज़र से देख रहा था, जिसे देखकर उन्होंने मजाकिया अंदाज़ में लिखा, ये सभी लड़कियां एक जैसी दिखती हैं- लंबे बाल, बड़ी आंखें, लंबी नाक। यह मजेदार टिप्पणी प्रशंसकों के बीच खूब पसंद की गई। इन सभी तस्वीरों और वीडियो के साथ, रश्मिका ने कैप्शन में लिखा, बस मैं, मेरी प्यारी ऑरा, कच्चे आम और खुशी के छोटे-छोटे पल। यह कैप्शन उनके जीवन की सादगी और खुशियों को दर्शाता है, जो उन्हें अपने पालतू जानवर और प्रकृति के करीब रहने से मिलती हैं। जो लोग नहीं जानते, रश्मिका एक प्यारी कॉकर स्पैनियल, ऑरा की मालकिन हैं, और वह अक्सर सोशल मीडिया पर उसके साथ अपनी तस्वीरें साझा करती रहती हैं।

काम के मोर्चे पर, रश्मिका मंदाना अगली बार रवींद्र पुल्ले की आगामी फिल्म मैसा में मुख्य भूमिका में दिखाई देंगी। फिल्म निर्माता ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर बताया कि फिल्म के एक गाने की शूटिंग सफलतापूर्वक पूरी हो चुकी है। उन्होंने गाने के सेट की एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा, मैसा गाने की शूटिंग पूरी हो गई है। रश्मिका पर फिल्माए गए इस गाने को प्रसिद्ध कोरियोग्राफर ब्रिंदा ने कोरियोग्राफ किया है। इससे पहले, मई में रश्मिका ने खुद खुलासा किया था कि उन्होंने केरल में फिल्म मैसा का एक लंबा शेड्यूल पूरा कर लिया है।

तमन्ना ने बताई साउथ और बॉलीवुड की भिन्नता

अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने हाल ही में अपने अनुभवों के आधार पर हिंदी फिल्म इंडस्ट्री (बॉलीवुड) और साउथ सिनेमा के कामकाज के तरीकों के बीच के बड़े अंतर को स्पष्ट किया है। उन्होंने दोनों सिनेमाई दुनिया के विविध पहलुओं को उजागर किया, खासकर कलाकारों के लिए उपलब्ध अवसरों के संदर्भ में। तमन्ना के अनुसार, हिंदी सिनेमा में मुख्य रूप से दो तरह के कलाकारों के लिए जगह होती है, जो बॉलीवुड की बहुमुखी प्रतिभा को दर्शाता है। पहला वर्ग कलात्मक अभिनय को चुनने वाले अभिनेताओं का है। ये वो कलाकार होते हैं जो गंभीर, संजीदा और आर्टिस्टिक किरदारों को तरजीह देते हैं। दूसरा वर्ग वर्सटाइल कलाकार का है, और तमन्ना के मुताबिक, बॉलीवुड की सबसे अच्छी बात यह है कि यह कला और ग्लैमर दोनों को एक साथ अपनाने का मौका देता है। जो अभिनेता इन दोनों ही मोर्चों पर खुद को बखूबी साबित कर लेता है, वही सही मायनों में इंडस्ट्री का सुपरस्टार बनता है। इस प्रकार, बॉलीवुड अभिनेताओं को एक व्यापक कैनवास प्रदान करता है। जहां बॉलीवुड अपनी विविधता और संतुलन के लिए जाना जाता है, वहीं तमन्ना ने पहले साउथ इंडस्ट्री में महिलाओं के चित्रण में सकारात्मकता की कमी और पुरुषों के अधिक प्रभाव का भी जिक्र किया था, जो इन दोनों सिनेमाई उद्योगों की कार्यप्रणाली और दृष्टिकोण में एक महत्वपूर्ण भिन्नता को दर्शाता है।

राकेश बेदी और धुरंधर के पिंडा ने जिम में बहाया पसीना, साझा किए मजेदार पल

बॉलीवुड के दिग्गज और बहुमुखी अभिनेता राकेश बेदी ने हाल ही में अपने सह-कलाकार उदयबीर संधू से मुलाकात की, जिन्हें फिल्म धुरंधर में पिंडा के किरदार से जाना जाता है। दोनों कलाकारों ने हैदराबाद के एक जिम में साथ मिलकर पसीना बहाया और इस दौरान कुछ मजेदार पल अपने प्रशंसकों के साथ साझा किए। राकेश बेदी ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह और उदयबीर संधू फिटनेस सेशन के दौरान बातचीत करते और हंसी-मजाक करते हुए नजर आ रहे हैं। युवा अभिनेता उदयबीर से दोबारा मिलने की खुशी जाहिर करते हुए राकेश बेदी वीडियो में कहते सुनाई दिए, हाय दोस्तों, और हाय, चाय विद राकेश बेदी में आपका स्वागत है। मैं फिल्म की शूटिंग के लिए हैदराबाद में हूं और हमेशा की तरह जिम में हूं। आप जानते ही हैं कि मैं स्वास्थ्य के प्रति कितना जागरूक हूं। यह बताते हुए राकेश बेदी ने अपने फिटनेस के प्रति समर्पण को दर्शाया। कैमरा उदयबीर की ओर घुमाते हुए उन्होंने आगे कहा, और मेरे साथ एक और धुरंधर है। हम दोनों यहां कसरत कर रहे हैं। यह एक तरह से उनकी आने वाली फिल्म धुरंधर और उनके ऑन-स्क्रीन रिश्ते को भी संदर्भित करता है।

उदयबीर संधू ने बीच में बात को संभालते हुए कहा, सर बहुत फिट दिख रहे हैं और आज उन्होंने जितना वजन उठाया है, हम सब तो उनके सामने फीके पड़ गए हैं। उदयबीर की इस टिप्पणी पर राकेश बेदी ने अपने जाने-पहचाने चुटीले और हास्यपूर्ण अंदाज में जवाब दिया, मैं वजन नहीं उठा रहा, मैं तो बस अपना दबदबा दिखा रहा हूं। उनका यह जवाब दोनों के बीच की मजेदार केमिस्ट्री और राकेश बेदी की हाजिरजवाबी को दर्शाता है। इस मजेदार वीडियो का अंत उदयबीर के दिग्गज अभिनेता को लव यू सर, लव यू कहने के साथ हुआ, जिससे उनके आपसी सम्मान और स्नेह का पता चलता है। इस पोस्ट के कैप्शन में राकेश बेदी ने लिखा, हैदराबाद में जिम का आनंद ले रहा हूं। यह दर्शाता है कि काम के साथ-साथ वे अपनी फिटनेस और सह-कलाकारों के साथ मेलजोल का भी पूरा आनंद ले रहे हैं। राकेश बेदी का सोशल मीडिया फीड ऐसे ही मजेदार पलों और अपने प्रशंसकों के साथ बातचीत से भरा पड़ा है।

यह पहला मौका नहीं है जब राकेश बेदी ने अपने सोशल मीडिया पर ऐसा कोई रोचक वीडियो साझा किया हो। मई में, राकेश बेदी ने पंजाबी गायक सुखबीर के साथ अपने मशहूर गाने बच्चा है तू मेरा की एक झलक साझा की थी। उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा था, सभी का स्वागत है हैलो चाय विद राकेश बेदी में। मैं एक फेस्टिवल के लिए गोवा में हूं। कल मेरा यहां एक स्पीकर सेशन है, लेकिन मुझे एक ऐसे व्यक्ति से मिलने का मौका मिला जिसे मैं बहुत पसंद करता हूं। वह दिल से बहुत अच्छा गाते हैं, और वह कोई और नहीं बल्कि सुखबीर हैं। इसके बाद, उन्होंने सुखबीर को फ्रेम में लाया, जो गा रहा था, 'दिल देना, दिल लेना, ऐ सौदा खरा खराज्है सौदा खरा खराज।

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेशी राष्ट्रपति से मिले हाई कमिश्नर, 'टेबल ऑफ प्रिसिडेंस' में मिला कैबिनेट मंत्री का दर्जा

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में भारत के नए हाई कमिश्नर दिनेश त्रिवेदी ने गुरुवार को ढाका स्थित बंगभवन में राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन को अपना परिचय पत्र सौंपकर औपचारिक रूप से अपनी जिम्मेदारी संभाल ली। इस मौके पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया और प्रेसिडेंट गार्ड रेजिमेंट की एक चुस्त-दुरुस्त टुकड़ी ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया। परिचय पत्र सौंपने के बाद दिनेश त्रिवेदी ने राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन से शिष्टाचार मुलाकात की। बैठक में दोनों देशों के रिश्तों, सीमा से जुड़े मुद्दों और लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने जैसे अहम विषयों पर चर्चा हुई। राष्ट्रपति के प्रेस सचिव ने दी जानकारी मुलाकात के बाद राष्ट्रपति के प्रेस सचिव मो. सरवर आलम ने बताया कि राष्ट्रपति ने नए भारतीय हाई कमिश्नर का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई कि उनका कार्यकाल भारत और बांग्लादेश के रिश्तों को और मजबूत करेगा तथा दोनों देशों के लोगों के लिए बेहतर परिणाम लेकर आएगा। 'भारत रिश्ते मजबूत करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध' राष्ट्रपति ने इस साल फरवरी में हुए आम चुनावों के बाद बनी नई लोकतांत्रिक सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला की मौजूदगी को भी याद किया और उसके लिए भारत के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि भारत बांग्लादेश का करीबी पड़ोसी, महत्वपूर्ण व्यापारिक साझेदार और विकास सहयोगी है। बांग्लादेश भारत के साथ सम्मानजनक, संतुलित और भविष्य को ध्यान में रखकर साझेदारी आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस पर दिनेश त्रिवेदी ने कहा कि दोनों संप्रभु देशों के बीच स्वाभाविक रूप से मैत्रीपूर्ण और सौहार्दपूर्ण संबंध हैं और भारत इन्हें और मजबूत बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

बांग्लादेश बोला- रहमान के सलाहकार से बर्ताव पर दिल्ली की सफाई असंतोषजनक

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश ने नई दिल्ली हवाई अड्डे पर अपने पीएम तारिक रहमान के सलाहकार के साथ हुए घटनाक्रम के बारे में भारत के स्पष्टीकरण को असंतोषजनक करार दिया है। बांग्लादेशी विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने कहा, इस घटना पर भारतीय पक्ष की सफाई संतोषजनक नहीं थी। वह बोले, पीएम के सूचना-रणनीति सलाहकार जाहिद उर रहमान के साथ हुई घटना दुर्भाग्यपूर्ण और खेदजनक थी। रहमान का नाम सुरक्षा से जुड़ी एक ब्लैकलिस्ट में होने के कारण उन्हें दिल्ली हवाई अड्डे पर आव्रजन अधिकारियों ने कुछ देर के लिए रोका गया था। बाद में उनकी यात्रा की पुष्टि के बाद उन्हें अनुमति मिली लेकिन उन्होंने अपनी मर्जी से ढाका लौटने का फैसला किया।

अमेरिका, फ्रांस और स्पेन के रहने वाले ; टोटल केस 9 हुए, अब तक 3 की मौत

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। हंतावायरस के संपर्क में आए 3 और लोगों में संक्रमण मिला है। इनमें एक अमेरिकी और एक फ्रांसीसी यात्री शामिल हैं, जो पहले अपने-अपने देश लौट चुके थे। वहीं, मैड्रिड में क्वारैंटाइन एक स्पेनिश नागरिक की शुरुआती रिपोर्ट भी पॉजिटिव आई है। अब तक 3 यात्रियों की मौत हो चुकी है। 11 अप्रैल को एक बुजुर्ग डच यात्री की जहाज पर मौत हुई थी। उनकी पत्नी बाद में दक्षिण अफ्रीका में मृत मिलीं। 2 मई को एक जर्मन महिला की जहाज पर मौत हो गई। ये सभी यात्री 'एमवी होंडियस' नाम की उस क्रूज शिप से लौटे हैं, जहां वायरस के मामले सामने आए थे। यह जहाज स्पेन के कैनरी आइलैंड्स में रुका था। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक जहाज से जुड़े हंतावायरस के 9 केस कन्फर्म हो चुके हैं। डब्ल्यूएचओ ने जहाज से लौटने वाले सभी लोगों के लिए 42 दिन आइसोलेशन की सिफारिश की है। हालांकि अमेरिकी सीडीसी ने कहा कि वायरस का इंसान से इंसान में फैलना दुर्लभ है और इसे कोविड जैसी महामारी नहीं माना जाना चाहिए। इससे पहले सोमवार को हंतावायरस के संपर्क में आए 17 अमेरिकी यात्रियों को अमेरिका के नेब्रास्का मेडिकल सेंटर लाया गया। यहां उन्हें 42 दिनों तक निगरानी और क्वारिंटीन में रखा जाएगा। हंतावायरस के लक्षण दिखने में 8 हफ्ते तक लग सकते हैं हंतावायरस से इंसानों की किडनी फेल होने का खतरा होता है। कई मामलों में मरीज को तेज बुखार, शरीर दर्द, सांस लेने में दिक्कत और कमजोरी होने लगती है।

वेनेजुएला में भूकंप के बाद तबाही का मंजर मलबे में अपनों को ढूंढ रहे लोग; हजारों लापता

काराकास , एजेंसी। वेनेजुएला में गुरुवार तड़के आए 2-2 ताकतवर भूकंप के बाद तबाही का मंजर पसरा हुआ है। हजारों लोग लापता है जिनकी खोज जारी है। घायल और परेशान लोग मलबे के ढेरों में अपनों की तलाश कर रहे हैं। वहीं सैकड़ों लोगों ने पार्क, पार्किंग और दूसरी खुली जगहों पर रात बिताई। दूसरी तरफ अब तक 188 मौतों की पुष्टि हो चुकी है और यह आंकड़ा तेजी से बढ़ रहा है। राहत दल बचाव कार्य में जुटे हुए हैं।

अधिकारियों के मुताबिक बुधवार शाम आए 7.2 और 7.5 तीव्रता के दो भूकंप से कई प्रांतों में भारी नुकसान हुआ है और कई इमारतें ढह गईं। ये भूकंप एक सदी से भी अधिक समय में वेनेजुएला में आए सबसे शक्तिशाली भूकंपों में से हैं। अधिकारियों के मुताबिक भूकंप के बाद देशभर में हजारों लोग लापता हैं। उन्होंने बताया कि राजधानी काराकस के उत्तर में स्थित ला गुएरा के तटीय इलाके में जानमाल का सबसे ज्यादा नुकसान दर्ज किया गया है। अपनों की तलाश में बिलख रहे लोग उत्तरी वेनेजुएला के शहरों में इस वक्त चीख-पुकार और मातम का माहौल है। मलबे से धूल और खून से सने लोगों, बच्चों और बेजुबान जानवरों को निकाला जा रहा है। वेनेजुएला के सरकारी टीवी पर दिखाए गए वीडियो में एक जगह सीमेंट के भारी-भरकम स्लैब के नीचे एक महिला दबी हुई थी, जिसका सिर्फ एक नंगा पैर बाहर दिखाई दे रहा था। रेस्क्यू टीमों ने कड़ी मशक्कत के बाद उसे जिंदा बाहर निकाला। मलबे के पास खड़ी डायना डेलगाडो ने रोते हुए प्रशासन पर गुस्सा निकाला, 'सरकार ने जिस भारी मशीनरी का वादा किया था, वो कहां है? हमारे पड़ोसी खुद हाथों से मलबा खोद रहे हैं। मेरा 8 साल का बेटा लापता है, मुझे नहीं पता वो मलबे में है या किसी शेल्टर होम में।' एक अन्य जगह पर एक मां अपने 3 और 10 साल के बच्चों के शवों को कंबल में लिपटे देख रो पड़ी।

'ला गुएरा' बना डिजास्टर जोन : राजधानी काराकास के उत्तर में स्थित तटीय क्षेत्र ला गुएरा इस आपदा का सबसे बड़ा शिकार बना है। एक रिटायर्ड शिक्षक जुआन अल्बर्टो ने बताया कि वे मलबे के बीच से गुजर रहे थे, जहां हर तरफ लाशें थीं। तभी उन्हें एक दबी हुई महिला दिखी जो हाथ हिलाकर मदद मांग रही थी, लेकिन संसाधन न होने के कारण वे बेबस थे। सोशल मीडिया पर सामने आए कुछ वीडियो में ला गुएरा में एक अस्पताल के बाहर दर्जनों लोगों का इलाज होते हुए देखा जा सकता है, इनमें से कुछ जमीन पर लेटे थे और कुछ बिस्तरों पर थे। देश का मुख्य अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा ला गुएरा में ही है, जो भूकंप के कारण बुरी तरह क्षतिग्रस्त होकर बंद हो गया है। इसके बंद होने से विदेशों से आने वाली राहत सामग्री और टीमों को लैंड कराने में भारी लॉजिस्टिक दिक्कतें आ रही हैं। वहीं मेट्रो और गैस आपूर्ति जैसी सेवाएं भी रोक दी गईं। इस बीच वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने गुरुवार को कहा है कि भूकंप में कम से कम 235 लोगों की मौत हो गई और 4300 से अधिक लोग घायल हो गए। इससे फलद रॉड्रिगेज ने राष्ट्र को संबोधित करते हुए आपातकाल की घोषणा की थी। अधिकारियों ने बताया कि स्कूलों को कुछ दिनों के लिए बंद कर दिया गया है और कुछ स्कूल भवनों का इस्तेमाल राहत शिविरों और सहायता केंद्रों के तौर पर किया जाएगा। इस बीच वेनेजुएला की मदद के लिए कई देश आगे आए हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने बताया है कि अमेरिका बचाव दल, चिकित्सा संसाधन और मानवीय सहायता भेज रहा है। कई अन्य देशों ने भी वेनेजुएला को सहायता देने की पेशकश की है। रॉड्रिगेज ने बताया कि कतर से बचाव दल पहले ही रवाना हो चुके हैं, जबकि मैक्सिको और अल साल्वाडोर से भी टीमें पहुंचने वाली हैं। वहीं उन्होंने हरसंभव मदद का भरोसा दिलाने के लिए भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भी शुक्रिया अदा किया है। वेनेजुएला में इस तबाही का कारण ट्विन अर्थक्वेक है। यहां राजधानी काराकास से कुछ ही दूरी पर महज कुछ सेकेंड के अंदर भूकंप के दो शक्तिशाली झटके महसूस किए गए। अमेरिकी भूगर्भ सर्वेक्षण के मुताबिक, गुरुवार को आए पहले भूकंप की तीव्रता 7.2 रही और इसका केंद्र देश के कैरेबियाई तट पर स्थित मोरोन के पश्चिम में जमीन के भीतर 22 किलोमीटर की गहराई में था। यह जगह काराकस से करीब 170 किलोमीटर दूर स्थित है। वहीं ठीक एक मिनट बाद 7.5 तीव्रता का दूसरा और अधिक शक्तिशाली भूकंप आया। इस भूकंप का केंद्र मोरोन से 16 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में जमीन के भीतर 10 किलोमीटर की गहराई में था।

सिंगापुर में 400 से ज्यादा कर्मचारियों की सैलरी रुकी, हाई कमीशन ने की मदद

सिंगापुर , एजेंसी। सिंगापुर में काम करने गए 400 से ज्यादा भारतीय और बांग्लादेशी मजदूरों के सामने एक बहुत बड़ा और गंभीर संकट खड़ा हो गया है। एसके इंडस्ट्रीज, केपीए इंजीनियरिंग और वीवीआर प्लांट इंजीनियरिंग नाम की तीन कंपनियों ने कर्मचारियों को बिना वेतन के छोड़ दिया है। इन सभी कंपनियों ने मजदूरों को न तो उनकी महीनों की मेहनत की सैलरी दी है और न ही रहने के लिए कोई उचित जगह दी है। इस घटना के सामने आने के बाद भारतीय हाई कमीशन ने तत्काल प्रभाव से हस्तक्षेप करते हुए मजदूरों की मदद शुरू कर दी है।

भारतीय हाई कमीशन नेशनल ट्रेड्स यूनियन कांग्रेस और मिनिस्ट्री ऑफ मैनपावर के साथ मिलकर इस पूरी स्थिति पर कड़ी नजर बनाए हुए है। रिपोर्ट के अनुसार इन तीनों कंपनियों के एक कॉमन डायरेक्टर की पहचान भारतीय नागरिक रामू पलानी वेलु के रूप में पूरी तरह से हुई है। ऐसा माना जा रहा है कि सिंगापुर का यह स्थायी निवासी डायरेक्टर रामू सभी कर्मचारियों के पैसे हड़प कर देश छोड़कर कहीं भाग गया है। सरकार अब इन कंपनियों के पुराने रिकॉर्ड और सभी अहम दस्तावेजों की बहुत ही गहराई के साथ जांच-पड़ताल कर रही है।

मजदूरों को दी जा रही मदद

सिंगापुर में फंसे इन सभी मजदूरों की तत्काल मदद के लिए संबंधित अधिकारियों ने बुधवार को उनसे मुलाकात कर हर संभव मदद का भरोसा दिया है। मजदूरों को राहत देने के लिए एसजीडी200 नकद और सुपरमार्केट से सामान खरीदने के लिए विशेष शॉपिंग वाउचर भी तुरंत दिए जा रहे हैं। इसके साथ ही प्रशासन उनके रहने के लिए दूसरी सुरक्षित जगह का इंतजाम कर रहा है और उन्हें नई नौकरी दिलाने की कोशिशें भी जारी हैं। जांच में यह साफ पता चला है कि रामू ने साल 2014 में अपना पहला बिजनेस केपीए इंजीनियरिंग शुरू किया था जिसकी कैपिटल एसजीडी1 मिलियन थी। इसके बाद 2019 में उसने एसजीडी 100,000 की कैपिटल के साथ कम्फर्ट एयर इंजीनियरिंग नाम की एक और नई कंपनी शुरू की थी। साल 2023 में उसने एसजीडी200,000 की भारी कैपिटल के साथ एसके इंडस्ट्रीज रजिस्टर की और 2025 में वीवीआर प्लांट इंजीनियरिंग का कामकाज संभाला। वीवीआर प्लांट इंजीनियरिंग को काफी कीमती माना जाता था क्योंकि इसके पास जुरोंग आइलैंड जैसी जगहों पर काम करने के लिए खास वर्क परमिट थे।

लोगों को भूखा रख-नौकरियां छीन विद्रोह को दबाने में जुटी शहबाज सरकार, 17 दिन से पीओके में प्रदर्शन जारी

रावलकोट, एजेंसी। पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले कश्मीर में इस्लामाबाद के खिलाफ जन विद्रोह अपने चरम पर पहुंच गया है। अवामी एक्शन कमेटी की अगुवाई में जारी व्यापक प्रदर्शन लगातार 17वें दिन भी जारी रहा। जनता का आरोप है कि आंदोलन को दबाने के लिए शहबाज सरकार के निर्देश पर प्रशासन अब लोगों को भूखा रखने व नौकरियां छीनने के अमानवीय हथकंडे अपना रहा है। इसके तहत पाकिस्तान से पीओके को जोड़ने वाले प्रवेश मार्गों पर खाद्य सामग्री और जरूरी सामानों से लदे ट्रकों को रोक रहा है। आवश्यक वस्तुओं की जानबूझकर पैदा की गई इस किल्लत से स्थानीय समुदाय पर दबाव बढ़ गया है। प्रदर्शन में हिस्सा लेने के आरोप में अब तक 128 सरकारी कर्मचारियों को नौकरी से बर्खास्त किया गया है। आंदोलन के नेताओं का आरोप है कि सेवानिवृत्त सैन्य कर्मियों को भी प्रदर्शन में शामिल न होने की चेतावनी दी गई है। उन्हें पेंशन रोकने की धमकी दी जा रही है। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में हिंसक कार्रवाई में दर्जनों लोगों की मौत हो चुकी है। बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और समर्थकों को हिरासत में लेकर गंभीर धाराओं में मामले दर्ज किए गए हैं। इधर प्रशासन का दावा है कि कार्रवाई केवल गैर-कानूनी कृत्यों में शामिल लोगों पर की जा रही है।

होर्मुज स्ट्रेट में फिर गोलीबारी, ईरान ने मालवाहक जहाज पर पर किया भीषण हमला

तेहरान, एजेंसी। दुनिया के 20 फीसदी तेल कारोबार के लिए महत्वपूर्ण होर्मुज स्ट्रेट में एक बार फिर से फायरिंग हुई है। सामने आई जानकारी के मुताबिक ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने सिंगापुर के झंडे वाले एक मालवाहक जहाज 'एवर लवली' को निशाना बनाया है। यह हमला ऐसे समय में किया गया है, जब ईरान और अमेरिका दोनों ही एक नाजुक समझौते को लागू करने की कोशिश कर रहे हैं। अब इस तरह से एक मालवाहक जहाज पर ईरान द्वारा किया गया हमला शांति के लिए एक बड़ी चुनौती साबित हो सकता है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि आईआरजीसी ने मालवाहक जहाज पर हमला किया है। फिलहाल इस हमले को लेकर अमेरिकी सरकार की तरफ से कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। वहीं दूसरी तरफ ईरान की इस्लामिक सरकार ने भी इस पर कोई जानकारी नहीं दी है। हालांकि, यह हमला ऐसे समय पर हुआ है, जब समझौते के बाद कुछ समय पहले ही ईरान ने चेतावनी दी थी कि उसकी इजाजत के बिना होर्मुज से निकलने वाले जहाजों के ऊपर कार्रवाई की जा सकती है।

इस हमले की ज्यादा जानकारी देते हुए ब्रिटेन की नेवी ने बताया कि ओमान के तट के पास मालवाहक जहाज से एक प्रोजेक्टाइल टकराने की जानकारी मिली है। इस महले में जहाज का कंट्रोल रूम तबाह हो गया है। हालांकि अभी तक किसी की जान जाने की जानकारी नहीं मिली है। अमेरिका और ईरान के बीच भले ही शांति समझौता हो गया हो, लेकिन भरोसे की कमी अभी भी साफ तौर पर नजर आ रही है। ईरान की तरफ से इस जहाज पर किए जाने के बाद अब अमेरिका की तरफ से कैसा रिएक्शन आता है, यह देखना होगा। राष्ट्रपति ट्रंप लगातार इस बात पर जोर दे रहे हैं कि शांति समझौते के बाद होर्मुज से लगातार तेल सप्लाई हो रहा है और जहाजों के लिए खतरा भी खत्म हो गया है। लेकिन इस एक हमले ने ट्रंप के शांति समझौते और उनके शांति वाले दावे की पोल खोल दी है।

ईरान अपने दशकों पुराने अमेरिकी हमले के डर का सामना कर चुका है। इस हमले में उसे भले ही बहुत कुछ गवाना पड़ा हो, लेकिन साथ में एक चीज हासिल भी हुई है। और वह है होर्मुज के ऊपर पूरा कंट्रोल। राष्ट्रपति ट्रंप चाहे कुछ भी कहें, लेकिन सच्चाई तो यही है कि ईरान युद्ध के पहले होर्मुज पर ज्यादा ध्यान नहीं देता था, लेकिन अब वह इसे अपने हाथ में रखकर दुनिया से अपनी बात मनवाने की ताकत रखता है। यह हमला इसी बात का उदाहरण है। शांति समझौते के बाद बाद ट्रंप होर्मुज के खुलने का ऐलान कर रहे थे, वहीं तेहरान की तरफ से चेतावनी जारी की गई थी कि होर्मुज से वही जहाज सुरक्षित निकल सकते हैं, जो तेहरान के बताए अनुसार चलेंगे। अगर ऐसा नहीं होता है, तो उन पर हमला किया जा सकता है। अब सिंगापुर के जहाज पर हमला करके ईरान ने अपनी मंशा साफ कर दी है।

अमेरिकी राष्ट्रपति का कहना है कि उनका प्रशासन ईरान की मुक्त की गई संपत्तियों का उपयोग अमेरिकी कृषि उत्पादों को खरीदने के लिए करेगा। लेकिन ईरान के संसदीय अध्यक्ष और ईरानी वार्ता दल के एक प्रमुख व्यक्ति मोहम्मद बगेर गालिबफ ने इस दावे को खारिज कर दिया है। गालिबफ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स लिखा 'अमेरिका झूठा दावा करता है कि हमारी मुक्त संपत्ति से हम उनकी कृषि उपज खरीद लेंगे। दिलचस्प बात है। हम जो फसल काट रहे हैं।

कराची में 3 साल की मासूम बच्ची की रेप के बाद निर्मम हत्या, 12 संदिग्धों की जांच

कराची , एजेंसी। कराची में 3 साल की मासूम बच्ची की हत्या का यह दर्दनाक मामला पूरे देश में हलचल मचा रहा है। कराची में एक 3 साल की मासूम बच्ची के साथ दरिंदगी और हत्या की गई है। दोपहर में घर से बाहर खेलने गई यह मासूम बच्ची उसी शाम एक बोरे में मृत पाई गई। इस खौफनाक घटना के बाद से पूरे इलाके में बहुत ज्यादा शोक और गहरा गुस्सा फैला हुआ है। बच्ची का शव कराची के मुस्लिमबाद में मुस्तफा मस्जिद के पास उसी की गली में मिला। शव को एक बोरे में बंद करके मासूम बच्ची के घर की गली के मेन गेट पर फेंका गया था। पाकिस्तानी अखबार डॉन के अनुसार डॉक्टरों ने अपनी रिपोर्ट में हिंसक बलात्कार की पुष्टि भी कर दी है। इस भयानक मामले ने सुरक्षा व्यवस्था और समाज की मानसिकता पर कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

इस दिल दहला देने वाले मामले में सबसे शर्मनाक बात यह है कि आरोपी कोई करीबी हो सकता है। पुलिस को गहरा शक है कि इस मासूम बच्ची का गुनाहगार उसका अपना ही कोई करीबी रिश्तेदार है। केस हैंडल करने वाले डॉ. सैयद ने इसे अपने मेडिकल करियर का सबसे डरावना मामला बताया है। उन्होंने कहा कि बच्चों के साथ ऐसे अपराध हमेशा ही बेहद डरावने और बहुत परेशान करने वाले होते हैं।

सिंध के इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस जावेद आलम ओधो ने इस घटना की तुरंत जांच के कड़े आदेश दिए हैं। उन्होंने इस जघन्य अपराध की गहराई से जांच के लिए एक बहुत ही हाई-लेवल टीम का गठन किया है। यह टीम कराची के ईस्ट जोन के डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल की अध्यक्षता में अपनी कार्रवाई कर रही है। पुलिस अधिकारी बहुत तेजी से सारे सबूत जुटाने और असली अपराधियों को जल्द पकड़ने की कोशिश कर रहे हैं।

पुलिस टीम ने घटनास्थल और इलाके से कुल 12 संदिग्धों के डीएनए सैंपल जांच के लिए इकट्ठा किए हैं। इन 12 संदिग्ध लोगों में से कई इस मासूम बच्ची के अपने सगे और करीबी रिश्तेदार ही बताए जा रहे हैं। स्पेशल ब्रांच और लोकल मुखबिरों की गुप्त रिपोर्ट के आधार पर पुलिस बहुत गंभीरता से अपनी जांच कर रही है। फिलहाल पुलिस का खास फोकस केवल 3 संदिग्धों पर है जो इस बच्ची के अपने करीबी रिश्तेदार हैं।

आईजीपी ओधो ने बिल्कुल स्पष्ट कहा है कि इस भयानक अपराध में शामिल लोग किसी माफी के हकदार नहीं हैं। उन्होंने पक्का आश्वासन दिया है कि पकड़े जाने पर इन सभी दरिंदों के खिलाफ बेहद कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह दर्दनाक घटना दिखाती है कि आज छोटे बच्चों के लिए उनके अपने घर के आस-पास भी कितना ज्यादा खतरा है। स्थानीय लोग इस घटना के बाद बहुत डरे हुए हैं और सभी आरोपियों को जल्द फांसी देने की मांग कर रहे हैं।

ईरान और अमेरिका के बीच अगले सप्ताह बातचीत फिर शुरू होने की उम्मीद

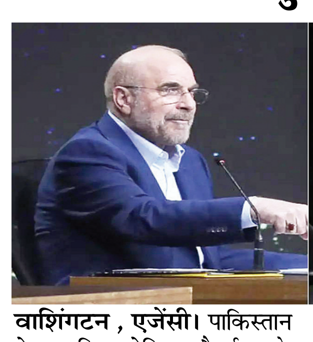

वाशिंगटन , एजेंसी। पाकिस्तान ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत अगले सप्ताह फिर से शुरू होने की उम्मीद है। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने बुधवार देर रात जारी एक बयान में कहा कि सभी पक्ष बातचीत के लिए तैयार हैं और प्रक्रिया जारी है। अमेरिका और ईरान ने पिछले सप्ताह पश्चिम एशिया में शांति बहाल करने के उद्देश्य से एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए थे।

पाकिस्तान ने 'गारंटर' के रूप में हस्ताक्षर किए : इस सप्ताह की शुरुआत में मध्यस्थ के रूप में पाकिस्तान और कतर की मौजूदगी में दोनों देशों ने स्विट्जरलैंड के बर्गेनस्टॉक में बातचीत की थी। पाकिस्तान ने इस समझौता ज्ञापन पर 'गारंटर' के रूप में हस्ताक्षर किए हैं। इसके बाद दोनों पक्ष 60 दिनों में अंतिम शांति समझौते की दिशा में एक रूपरेखा पर सहमत हुए। अंद्राबी के हवाले से जारी बयान में बताया गया कि बातचीत जारी है। मेरा मानना है कि बातचीत अगले सप्ताह, संभवतः मंगलवार को फिर से शुरू होगी। उन्होंने कहा, 22 जून की बातचीत के लिए हमारा प्रतिनिधिमंडल बर्गेनस्टॉक में मौजूद था। जहां तक मैं जानता हूं, जब अगले सप्ताह बातचीत फिर से शुरू होगी, तब भी हमारा प्रतिनिधिमंडल वहां मौजूद रहेगा। प्रवक्ता ने यह भी कहा कि अगले सप्ताह अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत दोबारा शुरू होने की संभावना एक सकारात्मक घटनाक्रम है। अमेरिका और ईरान ने हालांकि अब तक बातचीत दोबारा शुरू होने की संभावना को लेकर कोई बयान नहीं दिया है।

पश्चिम एशिया में तनाव में एक के बाद एक आ रहे अड़ंगों के बीच और एक स्थायी समाधान खोजने के लिए अमेरिका और ईरान के बीच स्विट्जरलैंड में हाई-लेवल डिप्लोमेसी शुरू हो गई है। अमेरिकी मीडिया संस्थान 'एक्सियोस' (×द्वश्वह्य) की रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों देशों के बीच पिछले हफ्ते हस्ताक्षरित 14-सूत्रीय समझौता ज्ञापन (रूश्च) के तहत पहले दौर की तकनीकी बातचीत संपन्न हो गई है। इस दौरान लेबनान में सीजफायर बनाए रखने, रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण 'स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज' को खुला रखने और संभावित परमाणु समझौते के प्रमुख पहलुओं पर गहन चर्चा हुई। बातचीत से जुड़े एक अमेरिकी राजनयिक के हवाले से बताया गया है कि वार्ता रविवार सुबह शुरू हुई और पूरे दिन कई प्रारूपों में चलती रही। चर्चा का एक मुख्य बिंदु लेबनान की स्थिति रही, जहां देश के दक्षिणी हिस्से पर इजरायली हमलों के बीच तनाव कम करने के तंत्र और सीजफायर पर बातचीत केंद्रित थी।

अमेरिकी कृषि निर्यात के लिए ईरान के बाजार पर राष्ट्रपति ट्रंप की नजर, बोले- 'तेहरान के साथ बातचीत जारी'

वाशिंगटन, एजेंसी। युद्धविराम के बाद ईरान के कृषि बाजार पर अमेरिका की नजर है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने एक बयान में कहा कि ईरान अमेरिकी कृषि निर्यात के लिए एक नया बाजार बन सकता है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी प्रशासन हालिया सैन्य कार्रवाई के बाद तेहरान के साथ बातचीत कर रहा है। साथ ही, राष्ट्रपति ट्रंप ने अमेरिकी किसानों के लिए 11 अरब डॉलर की अतिरिक्त राहत राशि की भी घोषणा की। व्हाइट हाउस में किसानों के सम्मान में आयोजित डिनर में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि प्रशासन ईरान को कृषि निर्यात बढ़ाने की तैयारी कर रहा है। उन्होंने कांग्रेस से पिछली नीतियों से प्रभावित उत्पादकों के लिए नई वित्तीय सहायता को मंजूरी देने को भी कहा। ट्रंप ने कहा, 'हमने शुरुआत कर दी है और अब एक नया बाजार सामने आ रहा है। उसका नाम है ईरान।' ईरान को अमेरिकी कृषि उत्पादों का संभावित खरीदार बताते हुए राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, 'उन्हें भोजन की कमी का सामना करना पड़ रहा है। हम उनके कुछ पैसे लेंगे और उन्हें खर्च करके बड़ी मात्रा में गेहूं, सोयाबीन और मक्का खरीदेंगे। यह प्रक्रिया बहुत जल्द शुरू होने वाली है। यह बहुत बड़े पैमाने पर होगी।

इससे पहले, अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने भी अपने बयान में कहा था कि ईरान को अमेरिका कृषि उत्पाद खरीदने के लिए फ्रीज संपत्ति का इस्तेमाल करने की अनुमति दी जाएगी। हालांकि, ईरानी अधिकारियों ने सार्वजनिक रूप से ऐसी किसी व्यवस्था की पुष्टि नहीं की है।

डोनाल्ड ट्रंप ने कांग्रेस से किसानों के लिए 11 अरब डॉलर की अतिरिक्त सहायता को मंजूरी देने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा कि यह फंड पिछली सरकार के नियमों के कारण हुए नुकसान की भरपाई उत्पादकों को करेगा। उन्होंने कहा, 'हमने कांग्रेस से एक पूरक वित्तीय सहायता विधेयक पारित करने का आग्रह किया, जिससे विशेष फसलों के लिए 11 अरब

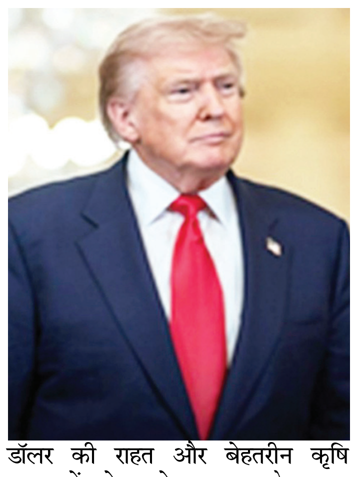

डॉलर की राहत और बेहतरीन कृषि उत्पादकों को बाइडेन प्रशासन के खराब नियमों और कानूनों के कारण हुए नुकसान से उबरने में मदद मिल सके।

ट्रंप ने कहा कि कृषि सचिव ब्रुक रोलिंस सहायता के वितरण की देखरेख करेंगे। उन्होंने आगे कहा, 'हम अपने किसानों को राहत के तौर पर 11 अरब डॉलर का भुगतान करने जा रहे हैं।' इस दौरान, राष्ट्रपति ने दावा किया कि उनकी सरकार ने अमेरिकी कृषि उत्पादों के लिए विदेशी बाजारों का विस्तार किया है। उन्होंने यूरोप में डेयरी निर्यात के लिए बेहतर पहुंच, 25 से अधिक सालों के बाद अमेरिकी बीफ आयात के लिए ऑस्ट्रेलिया की मंजूरी और अमेरिकी कृषि उत्पाद खरीदने के चीन के वादे का जिक्र किया। उन्होंने किसानों के हित में उठाए गए घरेलू कदमों का भी जिक्र किया, जिनमें एस्टेट टैक्स की सीमा बढ़ाना, खेती के उपकरणों पर असर डालने वाले इलेक्ट्रिक वाहन के फेडरल नियम को खत्म करना, सालभर ई15 फ्यूल की बिक्री की इजाजत देना और पर्यावरण नियम 'वॉटर्स ऑफ द यूएस' को वापस लेना शामिल है।

वहीं, डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ प्रशासन की सैन्य कार्रवाई का बचाव किया और कहा कि इससे बातचीत में वाशिंगटन की स्थिति मजबूत हुई है। उन्होंने कहा, 'हमें यू-टर्न लेना पड़ा। हमें ईरान की ओर बढ़ना होगा, क्योंकि अगर ऐसा नहीं किया गया तो उनके पास परमाणु हथियार होगा।' व्हाइट हाउस के इस कार्यक्रम में कृषि मंत्री ब्रुक रोलिंस, वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट, आंतरिक मंत्री डग बर्गम, स्वास्थ्य मंत्री रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर, सेंटर्स फॉर मेडिकेयर एंड मेडिकेड सर्विसेज के प्रशासक मेहमत ओज, प्रमुख कृषि राज्यों के गवर्नर, सीनेटर और प्रतिनिधि शामिल थे।

डिनर में मेहमानों को कृषि उत्पादों से बने व्यंजन परोसे गए। उन्हें तोहफे के तौर पर ऑर्गेनिक गार्डन के बीज और टमाटर का जैम दिया गया। बता दें कि अमेरिका लंबे समय से दुनिया के सबसे बड़े गेहूं, मक्का और सोयाबीन निर्यातकों में शामिल रहा है। अमेरिकी कृषि निर्यात को अलग-अलग सरकारों ने व्यापार, आर्थिक और विदेश नीति के महत्वपूर्ण साधन के रूप में भी इस्तेमाल किया है।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.